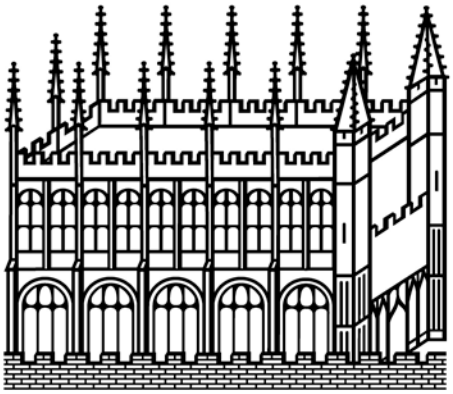


Bodleian Libraries

UNIVERSITY OF OXFORD

This book is part of the collection held by the Bodleian Libraries and scanned by Google, Inc. for the Google Books Library Project.

For more information see:

http://www.bodleian.ox.ac.uk/dbooks



This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 2.0 UK: England & Wales (CC BY-NC-SA 2.0) licence.

(13.D.29.) Hindi Vams 2

Indian Institute, Oxford.
The Lucknow Sparks Library.
Presented
by
Munshi Newul Kishore.

Indrajāl.

Under jal Nagree

इन्द्रजाल

اندرجال

बन्शीधर सङ्ग्रहीत

जिसमें

अनेक प्रकार के मन्त्र, तन्त्र, यन्त्र, और अनुभूत औषधि अपूर्व्व
अपूर्व्व लौकिक पढ़नेवालों के चित्त प्रसन्न करने
के लिये यह अद्भुत गुटका है

जिसकी

तासीर से शीघ्रही बोध होगया तिनके के ओट पहाड़ है ऐसी
दिलबहलाव की चीज़ को केवल बुद्धि की आवश्यकता
है किहथेलीपर सरसों जमाना है देखनेवालों की
अक़्ल को दंग करता है

वही

दूसरीबार

स्थान लखनऊ

मुन्शी नवलकिशोर के छापे ख़ाने में छापी गई

अक्टूबर सन् १८८२ ई०

विज्ञप्ति

इस महीने अर्थात् अक्टूबर सन् १८८२ ई० पर्य्यन्त जो पुस्तकें बेचने के लिये तय्यार हैं वह इस फ़ेहरिस्त में लिखी हैं और उनका मोल भी बहुत किफ़ायत से घटाकर लिखा है परंतु व्यापारियों के लिये और भी सस्ती होंगी जिनको व्यापार की इच्छा हो वह छापेख़ाने के मुहर्तमिम अथवा मालिक के नामख़त भेजकर क़ीमत का निर्णय करलें॥

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
भाषा (इतिहास)	बमौशाल पर्ब्ब व	धर्म्म व दान धर्म्म	४-किष्किन्धाकांड
महाभारत	बारा प्रस्थान स्व-	२१-अश्वमेध आ-	५-सुंदरकाराड
१-पहिले हिस्सामें	र्गारोहन पर्ब्ब ह-	श्रम वासिक मुशा-	६-लंकाकाराड
आदि पर्ब्ब सभा प-	रिवंश पर्ब्ब	ल पर्ब्ब महाप्र-	७-उत्तरकाराड
र्ब्ब वन पर्ब्ब	महाभारत पर्ब्ब अले	स्थान स्वर्गारोहन	रामायण काडूति-
२-दूसरे हिस्सामें	हदा भी हैं	१२-हरिवंश पर्ब्ब	रामायण मानसटी-
विराट पर्ब्ब उद्यो	१-आदि पर्ब्ब	रामायण रामविला-	रामायण गीतावली सटीक
ग पर्ब्ब भीष्म पर्ब्ब	२-सभा पर्ब्ब	रामायण स० कोष	
द्रोण पर्ब्ब	३-वन पर्ब्ब	रामायण तुलसीकृ-	रामविनयशतक
३-तीसरे हिस्सामें	४-विराट पर्ब्ब	रामायण सटीक म	उपदेश चंद्रिका
कर्ण पर्ब्ब शल्य	५-उद्योग पर्ब्ब	य मानसटीपिका	मंगल विनोद
पर्ब्ब गदा पर्ब्ब सौ-	६-भीष्म पर्ब्ब	कोष आदि	विजय चंद्रिका
प्तिक पर्ब्ब योषि-	७-द्रोण पर्ब्ब	तथा जिल्दबन्धी	सिद्धान्त संग्रह
क पर्ब्ब विशोक	८-कर्ण पर्ब्ब	तथा मोटे अक्षरोंकी	शंकर चरितसुधा
पर्ब्ब स्त्री पर्ब्ब शा-	९-शल्य पर्ब्ब व	मय तसबीर वक्षेप-	सुवनेशभूषण
न्ति पर्ब्ब में राज ध-	गदा पर्ब्ब सौप्ति-	रामायण कविताव-	विनयपत्रिका बाबू
र्म्म आपद्ध मोक्षध	क पर्ब्ब मय यो-	रामायण तुलसी	मोहनलाल
४-चौथे हिस्सामें	षिक व विशोक	कृत सातो काराड	विनयपत्रिका बाबू
शान्ति पर्ब्ब दानध	व स्त्री पर्ब्ब	१-बालकाराड	शिवप्रसाद
र्म्म अश्वमेध आ-	१०-शान्ति पर्ब्ब	२-अयोध्याकाराड	विष्णुपुराण भाषा
श्रम वासिक पर्ब्ब	राज धर्म्म मोक्ष	३-आरण्यकाराड	लिंगपुराण

सूचीपत्र इन्द्रजाल

आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति
मंत्र सर्पवाय को	१	१६	मंत्र पशु का कीड़ा			मंत्र स्त्री वशीकरण	१५	६
मंत्र आधा सीसी			छाड़िबे को	७	३	तथा	१५	१५
को	२	२	मंत्र पैर थांभिबे को	७	८	मंत्र नजर बन्द को	१५	२३
मंत्र नेत्र दूखते			मंत्र पैर चलावा को	७	१७	मंत्र चोरी काढ़िवा को	१६	९
आछे होयँ ...	२	५	मंत्र मोहनी	८	१	मंत्र डाकिन के मूड़		
मंत्र कराट बेल को	२	९	मंत्र स्त्री वशीकरण	८	१२	न को	१७	१
मंत्र हूक को ...	२	१४	मंत्र रीधन बाय को	४	१९	मंत्र समान जगावा को	१७	१५
मंत्र करबलाई को	२	१८	मंत्र डाढ़ को	८	२४	मंत्र नाज की रास उड़ावा को	१७	२२
मंत्र पीड़ा कल बन्धो	२	२२	मंत्र निनाई को ...	९	८	मंत्र चढ़ावा को ...	१८	१०
मंत्र डबा को ...	३	१	मंत्र टीड़ी को	९	१३	मंत्र खिलावा को	१९	४
मंत्र आधा सीसी को	३	८	मंत्र देह रक्षा को ...	१०	५	मंत्र जंजीरा को ...	१९	११
मंत्र धरनि को ...	३	१३	मंत्र रक्षा को	१०	९	मंत्र चढ़ावा को ...	२०	७
मंत्र अदीठ को ...	३	१९	मंत्र पूँगी बाँधिबे को	१०	१४	मंत्र बढ़ावा को ...	२०	१६
मंत्र पीलिया को ...	४	१	मंत्र ढाल रोपिवा को	१०	२२	मंत्र जंजीरा को ...	२१	४
मंत्र चाला को ...	४	७	मंत्र पैसा रोपिवा को	११	४	मंत्र मूढ़ को	२१	१३
मंत्र हड़रव्या कुत्ता को	४	११	मंत्र पैसा उड़ायबे को	११	१०	अन्य बिधि	२२	१४
मंत्र लाय थांभवा को	४	१६	मंत्र मूठि को ...	११	१५	मंत्र सर्व दोष दूर हो		
मंत्र बीछू को ...	४	२२	मंत्र मूठ को	११	२३	ने को	२२	२३
मंत्र हाँड़ी बाँधिबे को	५	३	मंत्र साँय कीलवा को	१२	७	तथा	२३	५
मंत्र कड़ाही बाँधिबे को	५	१०	मंत्र सर्प कीलवा को	१२	१४	अशुभ पित्त दूर होय	२३	११
मंत्र काग़ज़ की कड़ाही			मंत्र रिद्धि को ...	१२	१७	रोग दोष मिट जाइ	२३	१६
को पुवा उतारबे को	५	१४	मंत्र बीर बिधि को	१३	१३	बुद्धि पराक्रम होय	२३	२३
मंत्र सूई काढ़िबे को	५	१८	मंत्र तरवार की धार			तथा	२४	३
मंत्र सीया को ...	६	१	बाँधिबो को ...	१४	७	तंत्र स्त्री वशीकरण	२४	७
मंत्र बीजासन को	६	७	मंत्र अगिया बैताल को	१४	१२	पृथ्वी को धन दीखे	२४	१३
मंत्र नजरि को ...	६	१४	मंत्र पानी के ऊपर			तंत्र चरित्र दीखे ...	२४	२०
मंत्र ढोर के रोग जाने को	६	२२	चलने को	२४	२०	तंत्र सभा मोहिनी	२५	३

आशय	पृष्ट	पंक्ति	आशय	पृष्ट	पंक्ति	आशय	पृष्ट	पंक्ति
तंत्र जो माँगो सो देइ	२५	८	मंत्र मारणा	३१	२१	युद्ध में जीते	३९	१९
छुरकी	२५	१२	लोपांजन	३२	१	स्त्री वशीकरणा ...	३९	२९
तंत्र सर्प्प दीरखबे को	२५	१७	पृथ्वीको गड़ो धन दीरखै	३२	८	सर्प्प दीरखै	३९	२२
तंत्र नाचिबे को ...	२५	२२	दिनमें विमान दीरखै	३२	१३	पृथ्वी को धन दीरखै	४०	५
तंत्र खेल	२६	३	योजन को सुनै ...	३२	१९	बीस योजन चलै ...	४०	१३
तथा	२६	१०	नाटिक रिद्धि सिद्धि को	३३	५	शत्रु उखड़े	४०	२२
स्त्री वशीकरणा ...	२६	१५	सर्व कार्य सिद्धि: ...	३३	१३	मोहनी	४१	३
सर्व दोष बायगोला जाय	२७	३	घोड़ा हाथी गाँव में दौड़ै	३३	१९	वशीकरणा	४१	८
तंत्र झरख मारता डोले	२७	९	गाँव की आफत दूर हो	३४	३	भूत प्रेत बोलैं ...	४१	१२
मंत्र शिला उड़ने को	२७	१६	भैरव सिद्धि ...	३४	७	गर्भ स्थिर रहे ...	४१	२०
तंत्र मन इच्छा फल पाने को	२७	२३	स्त्री वशीकरणा ...	३४	८	स्त्री रजस्वला होय	४१	२३
वशीकरणा विधि	२८	५	वशीकरणा	३५	१	आऊत पित्त दूर होय	४२	३
तंत्र मूत्र बन्धन का	२८	१६	भूतादिक सिद्धि: ...	३५	७	कार्य्य बिगड़े ...	४२	७
तंत्र मूवा मेंड़क बोले	२८	२१	सौ कोस उड़िबा को नाटिक	३५	१५	शत्रु की देह गलै ...	४२	११
अथ नाटिक भेद:	२९	२	आकर्षणा	३६	३	बाँझ पना दूर होय	४२	१५
अंजन दो योजन दी-			दरिया के बढ़ने का नाटिक	३६	११	वशीकरणा	४२	१९
खबा को	२९	८	सर्प को ज़हर दूर होय	३६	१९	चेटक वस्त्र गलबा को	४२	२२
योजन की बात श्रवणा करै	२९	१६	स्वरूप बदलना ...	३७	१	अनुभव	४३	४
भस्म मोहनी नाटक	२९	३	स्वप्न की बात सच्ची होय	३७	१०	तथा	४३	८
शत्रु मारणा	३०	३	नाव चलती रुके	३७	१६	तथा	४३	११
बावलो होय ...	३०	१८	बाँझ को गर्भ रहे ...	३७	२२	अथ वंद भेद लिख्यते	४३	१५
१६ योजन चलै ...	३०	१७	अथ चेटक भेद: ...	३८	५	नाग रस	४३	२०
मारणा	३०	१७	भूत प्रेत दूर होय ...	३८	१३	हरताल	४३	२४
स्त्री मोहिनी	३१	१	दीठ मूठ टले ...	३८	१६	रूप रस	४४	३
राजा प्रजा मोहिनी	३१	५	रद्धि सिद्धि को ...	३८	१९	मृगांग	४४	९
मन इच्छा फल पावे	३१	९	बाँझ के गर्भ रहै ...	३९	४	लोहसार	४४	१३
वशीकरणा	३१	१३	क्लेश होय	३९	९	अबरक	४४	१७
स्त्री वशीकरणा ...	३१	२७	स्त्री वशीकरणा	३९	१२	अंजन	४४	२१

आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति
खारव	४५	१	मूँगा बिधि ...	५०	१९	उपाय रूला को	५८	२२
गंधक का तेल बनावना	४५	५	चंदरस की बिधि ...	५१	१	उपाय आधासीसी	५९	१
पारा बिधि ...	४५	११	कपूर की माला बना			उपाय कान दूरवा को	५९	४
शिंगरफ	४५	१५	ने की बिधि ...	५१	११	उपाय मुरव छाया	५९	७
लोहबान	४५	१९	फटकरी बनावन	५१	१८	उपाय कील जाने की	५९	११
अथ विधान भेद लिख्यते	४५	२३	सेंधा नोंन का कटोरा			उपाय नेत्र दुरवने को	५९	१४
बङ्ग	४६	७	बनावन	५२	१	उपाय कसंठ बेल को	५९	१७
रूपरस	४६	१२	कस्तूरी बनाने की			उपाय हूक जाने को	५९	२०
पारद के गुरा ...	४६	१७	बिधि	५२	५	उपाय डाढ़ दूरवने को	५९	२३
शिंगरफ	४६	२२	केशर बनाने की			बिभूति का उपाय	६०	३
सोने की खारव ...	४७	१	बिधि	५२	१३	बवासीर का उपाय	६०	६
हरताल के गुरा ...	४७	५	अफीम बनाने की			दाँत हलता दृढ़ होय	६०	१०
पारद के गुरा ...	४७	१०	बिधि	५२	२३	उपाय व्योची का ...	६०	१३
तथा	४७	१५	पारे का कटोरा बना			उपाय नहरू का ...	६०	१७
गंधक बिधि ...	४७	२०	ने की बिधि ...	५३	९	बालेउगाय बे की औषधि	६०	२१
लोहबान बिधि ...	४७	२४	नोंन का कटोरा बना-			धान बंध का उपाय	६०	२४
संबलखार	४८	४	ने की बिधि ...	५३	१४	बालक के जीवा को उ०	६१	३
अबरक बिधि ...	४८	८	शंखदरयाव बिधि	५३	१९	गर्मी बाव की दारू ...	६१	६
मूँगा के गुरा ...	४८	१४	अथ बिधि संयुक्त			कान के बहरी की औष०	६१	१२
अथ विधान भेद लिख्यते	४८	२०	नाड़ी भेद:	५४	३	मुन्ध का उपाय ...	६१	१५
सिंदूर बनावन बिधि	४८	२१	अथ बायु नाड़ी लक्ष-			पथरी का उपाय ...	६१	१९
हिंगलू बिधि ...	४९	३	णा बर्णान	५६	१२	बंध कुशादा का उपाय	६१	२२
लीला थोथा बिधि	४९	१०	अथ कफ नाड़ी ल०	५६	१८	नामर्द का उपाय	६२	१
कपूर बनावन बिधि	४९	१५	अथ त्रिदोष नाड़ी			पुत्र होने का इलाज	६२	९
साजी बनाने की बिधि	४९	२०	लक्षरा वर्णान ...	५७	३	गर्भ गिरने की बिधि	६२	१८
जंगाल की बिधि	४९	२४	अथ वैद्यक भेद लि-			स्त्री के फूल आवे का उ०	६२	२२
जोखार की बिधि	५०	६	ख्यते	५७	१३	पैर थंभवा को उपाय	६३	१
पीपल बनावन की बिधि	५०	१३	उपाय सिरवाय ...	५८	१८	बधायवा की औषधि	६३	५

आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति
सिरगीकाउपाय ...	६३	८	यंत्र२० कुत्ताभूंके ...	६६	.	यंत्र४५बुद्धिनष्टहोय	७४	.
गलतकोढ़काउपाय	६३	१५	यंत्र२१ शरीरसूजै ...	७०	.	यंत्र४६कांसापीतलबने	७४	.
नासूरकाउपाय ...	६३	२०	यंत्र२२ ढोलफूटै ...	७०	.	यंत्र४७नाड़ोटूटे ...	७४	.
तथा	६३	२३	यंत्र२३ चाकपरमेवा-			यंत्र४८ तथा	७४	.
अथ मंत्र	६४	१	सनउतारवाको ...	७०	.	यंत्र४९भूतहीभूतदीखैं	७५	.
मंत्र २	६५	१	यंत्र२४डाकिनआवै	७०	.	यंत्र५०सर्वकार्यसिद्धि	७५	.
मंत्र ३	६५	१४	यंत्र२५राक्षसमनुष्यआवे	७०	.	यंत्र५१रोगधावरोजाय	७५	.
मंत्रडाकिनकेमूड़वाको	६५	१४	यंत्र२६व्योहारघनोहोय	७०	.	यंत्र५२ऊंटहीऊंटदीखैं	७५	.
यंत्रवराह			यंत्र२७ तथा	७१	.	यंत्र५३भूतहीभूतदीखैं	७५	.
यंत्र१कानदूरवै ...	६६	.	यंत्र२८ हाटऊजरहोय	७१	.	यंत्र५४स्वप्नमेंबानरही		
यंत्र२ सिंहभजिजाय	६६	.	यंत्र२९ कालहोय	७१	.	बानरदीखैं	७५	.
यंत्र३ वशीकररा	६६	.	यंत्र३० क्रोधक्लेशहोय	७१	.	यंत्र५५अंचलयकेनहीं	७६	.
यंत्र ४ तथा	६६	.	यंत्र३१ सर्पभूतप्रेतको			यंत्र५६सर्वकार्यसिद्धि	७६	.
यंत्र ५ तथा	६७	.	भय नहो	७१	.	यंत्र५७रोगधावरोजाय	७६	.
यंत्र६ कष्टछूटै ...	६७	.	यंत्र३२ सुखहोय ...	७१	.	यंत्र५८स्वप्नमें ऊंट		
यंत्र७ नाथचले ...	६७	.	यंत्र३३ जूआजीते	७२	.	ही ऊंट दीखै ...	७६	.
यंत्र८ अक्षूरोजाय	६७	.	यंत्र३४ गयोमनुष्य			यंत्र५९भरमतोफिरै		
यंत्र९ वयोगा ...	६७	.	घरआवै	७२	.	टिकेनहीं	७६	.
यंत्र१० आधासीसीको	६८	.	यंत्र३५सर्वजिनावरआवें	७२	.	यंत्र६०गयोयशुघरआवे	७६	.
यंत्र११वशीकररा	६८	.	यंत्र३६ धनंजयवायजाय	७२	.	यंत्र६१कमानकागो		
यंत्र१२ मानहोय	६८	.	यंत्र३७वशीकररा	७२	.	शाचढ़े	७७	.
यंत्र१३शत्रुकासुखसूजे	६८	.	यंत्र३८ दिनमेंरातदीखै	७२	.	यंत्र६२शत्रुकीछातीफटे	७७	.
यंत्र१४ शत्रुमाररा	६८	.	यंत्र३९ अतिव्योहारहोय	७३	.	यंत्र६३स्वप्नमेंगधामारे	७७	.
यंत्र१५ मानहोय	६८	.	यंत्र४० शत्रुकोसुखसूजे	७३	.	यंत्र६४अधूरोजाय	७७	.
यंत्र१६सभामोहिनी	६८	.	यंत्र४१ शरीरफाटे	७३	.	यंत्र६५सर्पआवेनहीं	७८	.
यंत्र१७सर्वकार्यसिद्धि	६९	.	यंत्र४२पीड़ादूरहोय	७३	.	यंत्र६६ शूलचले	७८	.
यंत्र१८आंटीफूटजाय	६९	.	यंत्र४३रोगआवेनहीं	७३	.	यंत्र६७भय नहोय	७८	.
यंत्र१९ शूलचले	६९	.	यंत्र४४नाड़ासड़े	७३	.	यंत्र६८सूसेकपड़ानकाटें	७८	.

आशय	पृष्ठ	पंक्ति
यंत्र९९सर्पआवेनहीं	७८	०
यंत्र१००वशीकरण	७८	०
यंत्र१०१भूतप्रेतकाभ यनहो ··· ···	७९	०
यंत्र१०२देवताप्रसन्नहोयँ	७९	०
यंत्र१०३स्त्रीकादूधजाय	७९	०
यंत्र१०४सर्वकार्यसिद्धि	७९	०
यंत्र१०५शत्रुकीक्षयहोय	७९	०
यंत्र१०६वशीकरण	७९	०
यंत्र१०७ तथा ···	८०	०
यंत्र१०८ तथा ···	८०	०
यंत्र१०९ तथा ···	८०	०
यंत्र११०नावचले ···	८०	०
यंत्र१११कूरबंदहोय	८०	०
यंत्र११२बधाईबैठालड़े	८०	०
यंत्र११३घोड़ामरिजाय	८१	०
यंत्र११४विषयकेसम यमस्तहोय ··· ···	८१	०
यंत्र११५विघ्ननहोय	८१	०
यंत्र११६मोहिनी	८१	०
यंत्र११७वशीकरण	८२	०
यंत्र११८फूलआवेनहीं	८२	०
यंत्र११९बिन्दुछूटेनहीं	८२	०
यंत्र१२०पुरुषनामर्दहो	८२	०
यंत्र१२१फूलआवे	८२	०
यंत्र१२२बिछुवेछूटें	८२	०
यंत्र१२३रंडीबहुतरखाय	८३	०
यंत्र१२४मसानजागे	८३	०

आशय	पृष्ठ	पंक्ति
यंत्र१२५मारण	८३	०
यंत्र१२६प्रयोग	८३	०
यंत्र१२७शत्रुकीदेहीगले	८४	०
यंत्र१२८वड़कवायजास	८४	०
यंत्र१२९वचनसिद्धि	८४	०
यंत्र१३०फलघनेआवें	८४	०
यंत्र१३१वशीकरण	८४	०
यंत्र१३२बालघनेआवें	८४	०
यंत्र१३३बुद्धिनष्टहो	८५	०
यंत्र१३४भूतलगेनहीं	८५	०
यंत्र१३५मनचीता कार्य्यहोय ···	८५	०
यंत्र१३६सर्वसिद्धिहोय	८५	०
यंत्र१३७कामनाजागे	८५	०
यंत्र१३८बोधहोय	८५	०
यंत्र१३९काँचनिकसेनहीं	८६	०
यंत्र१४०देईप्रेईका भयनहोय ··· ···	८६	०
यंत्र१४१मनचीतकार्यहोय	८६	०
यंत्र१४२सर्वजनवशहोय	८६	०
यंत्र१४३फलघनेआवें	८७	०
यंत्र१४४बुद्धिहोय	८७	०
यंत्र१४५डरेनहीं ···	८७	०
यंत्र१४६मनचीताका कार्य्यहोय ··· ···	८७	०
यंत्र१४७प्रयोग ···	८७	०
यंत्र१४८कामनाजागे	८७	०
यंत्र१४९बोधहोय	८७	०

आशय	पृष्ठ	पंक्ति
यंत्र१५०देईप्रेईकाभ यनाश ··· ···	८८	०
यंत्र१५१मनचीताका कार्य्यहोय ··· ···	८८	०
यंत्र१५२नज़रनलगे	८८	०
यंत्र१५३शत्रुकाबल जाय ··· ···	८८	०
यंत्र१५४अकालमृत्यु नहोय ··· ···	८८	०
यंत्र१५५भूतदेवीयक्ष प्रसन्नहोयँ ··· ···	८९	०
यंत्र१५६अम्बिकादेवी प्रसन्नहोयँ ··· ···	८९	०
यंत्र१५७शत्रुउच्चाटन	८९	०
यंत्र१५८अलिंगधाय- नीप्रसन्नहोयँ ···	८९	०
यंत्र१५९देशाटन ···	८९	०
यंत्र१६०हनूमानप्रस- न्नहोयँ ··· ··· ···	८९	०
यंत्र१६१गईवस्तुआवे	९०	०
यंत्र१६२कालिकादेवी प्रसन्नहोयँ ··· ···	९०	०
यंत्र१६३चक्रवर्त्तिव- शहोय	९०	०
यंत्र१६४प्रमिहहोय	९०	०
यंत्र१६५नज़रनहींलगे	९०	०
यंत्र१६६बुद्धिकीवृद्धिहोय	९०	०
यंत्र१६७शीतज्वरदूरहोय	९१	०

आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति	आशय	पृष्ठ	पंक्ति
यंत्र१२८क्लेशहोय	९१	९	खेलतमाशा ...	९५	२१	सीसा में अराडाडाले	९९	१८
अथचुटकुले			तथा	९६	६	अंडा कूदे फाँदे	१००	१
स्त्री की बाती जाती रहैं	९१	१२	बीछू को ज़हर हटे	९६	१७	बिना रबूंटी की खराऊं		
वस्त्र जले नहीं	९२	१६	सर्प को ज़हर हटे ...	९६	२०	पर चले	१००	५
बैंगन उछलें कूदें	९२	१	दीपक में पतंगा न आवे	९६	२२	हाथ में धरी वस्तु न		
पुरुष नृत्य करै	९२	८	सीसा को रस उड़े	९६	२४	दीखे	१००	८
अक्षर रंग बिरंगे	९२	१४	वस्त्र अग्नि में न जले	९७	३	आँवा के बासन न फूटैं	१००	१४
कपड़ा की ओट में नि-			कूप में से धूप कढ़े	९७	७	वृक्ष सूखे फलें फूलें		
शाना लगे	९३	४	पानी का दीपक जले	९७	१०	नहीं	१०१	१७
बुझा दीपक जले	९३	७	स्त्री कपड़े होय	९७	१४	काग चिड़ी का पकड़ना	१०१	२०
सीसा चबाना	९३	११	अग्नि में सुख न जरे	९७	१८	काग पकड़ना विधि	१०१	१
जल से घर भरे दीखे	९३	१५	सुनहरा रंग होय	९७	२२	दर्द दांतों का दूर होय	१०१	४
घर में सर्प दीखैं	९३	१९	सीसा तरास के फूल बने	९८	१	बवासीर जाय ...	१०१	१५
तमाशा अनोखा	९३	२२	शीत ज्वर दूर होय	९८	७	शराब का पीना छोड़े	१०१	१५
काग़ज़ के लिखे अ-			चौथे दिन को तप जाय	९८	१०	पसली का उपाय	१०१	१८
क्षर उड़ें	९४	१	इक तरो ताप हटे	९८	१४	पनिहारी का घड़ा खा-		
जल का फ़ालूदा हो	९४	५	दुग्ध जमें	९८	१८	ली हो फिर भर जाय	१०२	५
अराडा उड़े	९४	११	भोजन करता हँसे	९८	२१	पनिहारी का घड़ा		
मुख की डाढ़ी झुक जाय	९४	१४	रात को भय न लगे	९९	१	फूटे	१०२	१२
सभा के लोग झूकर दीखैं	९४	१८	दो मुर्गा लड़ते न हटें	९९	३	भूत दीखे	१०२	२०
खेत की रक्षा	९४	२४	शराब को न शा जाय	९९	७	तथा	१०२	२२
रोगी को रोग बुद्धि करि			टूटी चीनी को जोड़बो	९९	१०	गर्भ रहन विधि	१०३	३
खाय	९५	४	दर्पण में निज सूरत कू					
तथा	९५	१०	कर सी दीखै ...	९९	१३	इति सूचीपत्र समाप्त		
ताम्र पर अक्षर बनैं	९५	१४	अग्नि सों हाथ न जरे	९९	१९			

श्रीगणेशायनमः ॥

इन्द्रजाल ॥

अथइन्द्रजालमहाविद्यालिख्यते ॥

गुरुबिनज्ञानध्याननहिंहरिबिननरबिनमोक्षनमुक्तरे। धरणीकरणीसारसकलमें इसबिधिभाषैउक्तरे। इन्द्रजाल मालयहगुणकी गुरुगमबिननहिंपावैरे। वेदपुराणकुरान मैंनाहींव्यासाजानीबातैंरे। प्रथमैंभेदवेदकोसारौंसोहं मंत्रेलेखैरे। भृकुटीध्यानधरैमंत्रकोतनकतमासोदेखैरे। एकउक्तिअशनकाखानाफेरिजोविधिकरजानैरे। आसन सय्यँमयतनबिधिसाधैबादबिवादनबादैरे। मंत्रयन्त्रतन्त्र सारेहैनाटकचेटककहियेरे। बिधिबिधानचातुरीबैद्यक कोकनिरन्तरलहियेरे। छांदाबाँदातरकराविद्याज्योतिष रूपकेसाररे। कहतउमातुमसुनोमहेश्वरयहोवृत्ततुमपालेरे। इतिप्रथमभेदसम्पूर्णम् ॥

अथद्वितीयमन्त्रभेदनिरूप्यते ॥

मन्त्रमथवायको ॥

ओंनमो आदेश गुरूको बालमें कपाल कपालमें भेजी भेजी में कीड़ा २ करैं न पीड़ा सोनाका सलावा रूपाकाहथोड़ा ईश्वर गड़े गौर्य्या तोड़े इनकोशाप श्रीमहादेवतोड़े शब्दसांचा पिण्डकाचा फुरोमन्त्र ईश्वरोबाचा। बिधि। बिभूति सौंचांकि यैबार ७॥

मन्चआधाशीशीको ॥

ऊँनमो बनमेंब्यानी बानरी काचा बनफलखाय हंकारत हनुमानजी भड़क आधाशीशीजाय। शब्द। बिधि। बिभूति सों चांकिये चैनहोय ॥

मन्चनेचदूखतेअच्छेहोयँ ॥

उँनमो झलमलज़हर भरीतलाई अस्ताचल पर्बत ते आई फूटै न पाकै करै न पीड़ा यती हनुमन्त राखैहीड़ा शब्द। बिधि। नीबके पानते झाड़िये दिन ३ बार ७॥

मन्चकण्ठबेलको ॥

उँनमो कंठबेलतू द्रुमद्रुमाली शिरपरजकड़ी बज्रकी ताली गोरखराय गाजताआय। बढ़तीबेलिको तुरतघटाया घटिगईबेलिबढ़ैनपावै फूटै पीड़ाकरै तो गुरू गोरखनाथ की दुहाई फिरै। शब्द०। बिधि। मोरकेपङ्खते झाड़ै ॥

मन्चहूककको ॥

उँनमो सारकीछुरीधारकाबान हूकनचलेरे मुहम्मदा ज्वान की आन। शब्द। बिधि। छुरीसेंचाकि ये जिमी ऊपर काटै दुःखहोय तहां हाथसोंपकरै ॥

मन्चकखलाईका ॥

उँनमो काखलाई भरैतलाई इहाँबैठा हनुमन्ता आई। पकै न फूटै चलै न नाल रक्षाकरै गुरु गोरखबाल। शब्द०। बिधि। नींबकेपानसे झाड़ादीजै दिन ३ ॥

मन्चपीड़ाकलवन्यो ॥

उँनमो आटीकाटी आंख्याँबांधू पगानकीपीटी। शब्द० बिधिमन्त्र पढ़िदीजै बार ७ ॥

मन्चडबाको ॥

उँनमो खड्गारी खड्गारा कहांगया सवालाख परवतां गया सवालाख परवतां जायः क्या किया कोयलाकराया कोयलाकराय क्या किया छुरा गढाया छुरागढाय क्या किया डबा का हाड़गोड़ काटि काली कामलीमें लपेट खारेसमुद्र में बहाया। शब्द०। बिधि।तीरकासांय अंगुल आठका लीजै तासों झाड़ौदीजै रस्ता में ठाढ़ौराखिजै॥

मन्चआधाशीशीको॥

उँ नमो दुघटातौ बनमेंबसै तिपटाबसेकवाय शीशपकड़िकरिचालिये आधाशीशीजाय।शब्द। बिधि।रबिबार के दिन पानीकी तीनिचुल्लू प्रातसमय मन्त्रजै आंखि के छिरकादे तो भलोहो॥

मन्चधरनिको॥

उँनमो नाड़ी नाड़ी नौसैनाड़ी बहत्तरकोठा चलै अगाड़ी डिगे न कोठा चलेन नाड़ी रक्षाकरै यती हनुमन्तकी आनि। शब्द। बिधि। नौ गांठिकी बांसकी लकड़ी लीजै नाभिपर राखि जै मन्त्र जे लकड़ीकै फूंकदीजै धरनि ठिकाने आवै॥

मन्चअडीठको॥

उँनमो नखकटा बिषकटा मेदस जावद फोड़ा फुणसी अदीठ दुम्वल दूखानौरत्याव रोग रीघणवायजाय चौंसठ योगिनी बावनबीर छप्पनभैरों रक्षाकीजौ आय। शब्द। बिधि। बिभूति लीजै चुटकी सात मन्त्रसे मन्त्र जै दिन ७॥

मन्चपीलियाको ॥

उँ नमो बीर बैताल असराल नारसिंह देवखादी तुषादी सुभाल तुभाल तु पीलिया भेद तुनाम तुस तुपीलिया नामतु। शब्द। बिधि। कडुवातेल कटोरे में लीजै रोगी माथै धरि जै दूबी से मन्त्र जे तेल पीलोहोय तब उतारि लीजै दिन २ मन्त्र जे ॥

मन्चवालाको ॥

उँनमो वालारेतूसदाबलवन्ता वालानेखोदे हनुमंता। शब्द। बिधि। साँभरलोनकी डेली सै चाकि जै दिन ३ जहां बाला होय तहां चाकि जै अच्छोहोय ॥

मन्चहडप्याकुत्ताको ॥

उँनमो कामरूदेश कमक्षादेवी जहांबसै इसमायल योगी इसमायलयोगी पालीकुत्ती दशकाली दशकांबरी दश पीली दशलाल इनकोबिषहनुमतहरै रक्षाकरैगुरुगोरख बाल। शब्द। बिधि। विभूति से मन्त्र जै अच्छो होय ॥

मन्चलायथांभवाको ॥

उँनमो कोरा करुवा जलसों भरिया लैगौराकेशिर पर धरिया ईश्वर ढोलैगौरान्हाय जलती अग्नि शीतल होजाय। शब्द। बिधि। कोरो करुवो लीजै जलसों भरि जै मन्त्रि जै बार ७ जेतीदूरि छीटालागे तितनीदूरि लाय लागे नहीं ॥

मन्चबीछूको ॥

उँनमो सुरहगाय पर्बतपर जाय सुरःचरैसुकौ घमूड़ सुरहगायने गोबरकीयो जामैं उपज्या बिछूसात कालोंके कलवाल्यो सांप सरपनी धौलोहरेउ नीलो पीलो उतरेतौ

उतारूं नहीं गरुड़ मोरकोहँकारूं। शब्द। बिधि। पानी मन्त्र बार सातप्यावै तौ भलो होय ॥

मन्चहांडीबांधिबेको ॥

खनहाकी माटी चुरिकापानी गधै चढ़ि भीष पलानी काचीहांडी काचीपाली ऊपरजड़ी बज्रकीताली तलैभैरौं किलकिलै ऊपर नरसिंहगाजै मेरी बांधी हांड़ी उकलै तौ गुरु गोरखनाथ लाजै। शब्द। बिधि। रस्ता की कांकरी ७ तिनकोबार २१ मन्त्र जै हांडीकै दीजै बँधि-जाय उतारै तौ छूटै ॥

मन्चकड़ाहीबांधिबेको ॥

उँ नमो जलबांधू जलबाईली बांधू तू वा ताई नौसै गांव का बीर बुलाउं रहु रहुरे कड़ाही यती हनुमन्तकी दुहाई। शब्द। बिधि। पीछली माफक ॥

मन्चकागजकीकड़ाहीमेंपूवाउतारबेको ॥

उँ नमो घानी का तेल कागज़ की कड़ाही जलै बलै तौ यती हनुमंतकी दुहाई। शब्द। बिधि। चलती घानी को तेल लाइये कागज़ की कड़ाही जलै नहीं ॥

मन्चसूईकाढ़िबेको ॥

उँ नमोचड़ पड़ चूना लोहा सार लोहक पात्रगढै लुहार मोड़ि माड़ि के कीया पानी जारे लोहा भस्महुआ रामबीर तौ जाया माटी लक्ष्मण बीर मूंदेघाव पाकै फूटै पीड़ाकरै तो लक्ष्मण राजारामचन्द्रजी रक्षाकरैं। शब्द। बिधि। बिभूत की चुटकी सों सुई मन्त्रि जैबार ७ मन्त्र तौ जाजै सुईपर हाथ फेरैतौ जाजै कान वीधिये दूखैनहीं॥

मन्चसीयाको ॥

ऊं नमो कामरूदेश कमक्षादेवी जहां बसै इस्मायलयोगी इस्मायलयोगी के तीन पुत्री एक तोड़ै एक पिछोड़ै एक ताप तिजारी तोड़ै। शब्द। बिधि। मन्त्र पढ़िजै सीया बारा से दूरिखड़ो राखिजै सीयो उतर आवै तहां तहां हाथ सौं पकरत जा जै सीयो उतरै ॥

मंचबीजासनको ॥

ऊं नमो धारा नगरी अजयपाल राजा कै सायनरानी काली कुचली बांई दहाईंखोड़ी कानी उजली मैली काली गोरी भूरीलीली पुरी टांकनी रथैली रूषां बिरषां बाग बगीचा कुवाँ बैराभीतरि बाहिर बल बेलिक चहूं साक छूभैकरै तौराजा अजयपाल को चक्रफिरै। शब्द। बिधि। बुहारी तैझाड़ो दीजैबार ७ ॥

मन्चनजरिको ॥

ऊं नमो नजरि जहाँपर पीरनजानी सबते बोलै अमृतबानी कहौ नजरि कहाँसे आई याहिठौरि तोहिं कौन बताई कौनजाति कैसी तेरीसाया मायामेरी जात बताऊं स्वाम्नी घाचनि मोननि तेलनि तँबोलनि ब्राह्मणी बनियाणी धोबनि नायनि चूहड़ी चमारी कायथनी खतरानी कुम्हारी इनको दोष इनहींके घरपड़ो जाहर पीर बालक की रक्षाकरौ। शब्द। विधि। पिछली माफ़िककरै ॥

मन्चढोरकेरोगजानेको ॥

ऊं नमो बैली देहली बांबि देहलीयरामा सारी साट की पशुनी को होजाय। शब्द। बिधि। गौ खिड़क के द्वारै

ठाढ़ोरहिजै एक एक के चौतर्फ़ी चारि चारि सांटीदीजै मन्त्र पढ़ै तौ जाय जै भलो होय॥

मन्च पशुकाकीड़ाझाडबेको॥

ओं नमो कीड़ा रेतू कुण्ड कुडाला लाल पूंछ तेरामुह काला मैं तोहिं बूझूं कहांते आया तोड़ि मासतैं सब कूं खाया अब तू जाहि भस्म होजाय गुरु गोरख नाथ करैं सहाय। शब्द। बिधि। नीब के पानसे झाड़ो दीजै बार ७ भलो होय॥ मन्च पैरथांभिबेको॥

ओं नमो गंगा उकारे गोरख बैठा धोर धियार गोरख बैठा जाय जय दूत पूत ईश्वरकी माया पड़तार गत्र थंभाय गौरा काते कातनौ ईश्वर मेले गंडा थांभि थांभि हो हनुमानजी बरती पड़दा अंडा अंधा कूवै सियालै छाया नख सक सोधा पूतला बनाय पडैपैर न भीजै चीर थांभि २ हो हनुमानबीर। शब्द। बिधि। कुवाँरी कन्या हाथ पोनी कताय मन्त्रि जै बार ७ गांठि बार दीजै थंभन होय॥

मन्चपैरचलावाको॥

ओं नमो हकालो चौंसठि योगिनी हर्क लौ बावन बीर दशगाँठि लोहा की झरै मैंना झरैं तौ मारि मारि रे रक्तिया बीर जाको होयो धरैन धीर रक्त्यो रक्त्यो रक्तजड़ी रक्त्यो चावै मास की बड़ी चावै चर्णचलावै पैर मसान की माटी भौरा कै बलि पड़ी। शब्द। बिधि। मसान की काकड़ी लै कूवा का पाड़ि छायें मंत्रि जै बार २१ धूपदे काहू स्त्री ऊपर डारै पैर चलै॥

मंचमोहनी ॥

तेल सो मैं तेल राजा परिजा पाव मेलि अछक पानी मसक ल्याय छसैयोनि मेरे पाय लगाय हाथ खड़ग फूलों की माला जानि बिजानै गोरख जानै मेरी गति को कहेन कोय हाथ पछानौ मुखधोऊं सुमिरों निरंजन देव हनुमन्त यती हमारी पतिराखै मोहनी दोहनी दोनों बाँहन आव मोहनी रावल चालै मुख बोलै तो जिह्वा मोहूं आस मोहूं पास मोहूं सब संसार में नीसरूं टीका देइ लिलाट।शब्द। बिधि। दिवाली की रात तिल लाय जै उलटी घाणी तेल कढ़ाय जै बार २१ मन्त्र जै माथैं बिंदु को लगाय जै सर्ब जन बशहोंय ॥

मंचस्त्रीबशीकरनको ॥

ओं नमो उर्बशी सुपारी का मनिगारी राजा परजा खरी पियारी मन्त्र पढ़ि लगाऊं तोहिं हिया कलेजा लावै तोड़ि जीवता चाटै पगतली मूवा संग मसान सोवश्य न होय तौ यती हनुमंत की आन। शब्द ०। बिधि। सूर्यग्रहण में सुपारी मन्त्रजै बार ७ जाको चवावै सो बश्य होय ॥

मंचरीघनबायको ॥

ओं नमो कामरू देश कमक्षा देवी जहाँ बसै इस्मायल योगी इस्मायल योगी के तीन पुत्री एक तोड़ै एक पिछोड़ै एक बारी घनि बाय तोड़ै। शब्द। बिधि। मनिहार की मोंगरी सैं झाड़ौ दिजै ॥

मंचडाढ़को ॥

ओं नमो कामरू देश कमक्षा देवी जहाँ बसै इस्मा-

यल योगी इस्मायल योगी पाली गाय नितउठ चरवा बन में जाय बन में चरै सूको घमूड़ जा गायने गोबर की-यो जामें निपज्या कीड़ा सातसूत सुताला पूंछ पुछाला धड़पीला मुंहकाला डाढ़दांत गालै मसूढा गालै मसूढ़ें पीड़ाकरै तो गुरू गोरख नाथकी दुहाई फिरै। शब्द। बिधि। या मन्त्रसे लोहकी कील ३ बार ७ मन्त्रि जै काठ में ठोकदीजै पीड़ा दूरहोय॥

मंचनिनाईको॥

ओं नमो तडभ उतड भड तेल करैदीजै बाती तेलबरै गलत सलत तूबाई रोग निनाईरहै तो यती हनुमन्त की दुहाई फिरै। शब्द। बिधि। बिभूत सों चाँकि जै निनाई जाय॥

मंचटीडीको॥

ओं नमो पश्चिम देशमें अस्ताचल हुवा जहां अजय पाल खुदाया कूवां जा कूवांमें निकस्या नीर भेलाहूवा बावनबीर जिन्हौं मिलमता उपायाहाथ पकरि टीडीको ल्याया सुनरे टीडी बांधूं तेरीडाढ जिमी असमान शिर लै बांधूं तीजै तेरा जायाल्याऊं बारह कोस मुकाम करा-ऊं या बिधि बिचरै बावनबीर जायडारी समुद्र के तीर मेराकिया सब कोई लाजै मेराशिर परयती हनुमन्त गाजै किसीकी चलाई चलै नहीं मेराडंका चारि खूंटमें बाजै या बिधिकी चलाई न चलै तौ एकलाख अस्सीह-ज़ार पीर पैगंबर लाजै। शब्द। बिधि। या मन्त्र सेटी-डी तीन पकरि जै तिन कौं कनिष्टिकाको लोहूदीजै एक

श्वास दौरि जै जहाँ ठेकरौ धरै तहाँ टीडी को पड़ाव होय॥ इतिश्रीइन्द्रजाले द्वितीयभेद रसमाप्तः॥

अथ तृतीय मध्यम भेद लिख्यते॥

यह कनिष्टभेदः॥

मंचदेहरच्चाको॥

ऊँ नमो हनुमन्त वज्रका कोठा जिसमें पिण्ड हमारा पैठा ईश्वर कुञ्जी ब्रह्माताला इस घटपिण्डका यती हनुमन्त रखवाला। शब्द। बिधि। झाड़ौ दीजै बार ३॥

मंचरच्चाको

ऊँ नमो धरती माता धरती पिता धरती धरै न धीर बाजै सिंगी बाजै तरतरी आया गोरखराय मीनका पूत मंजूका छड़ा लोहका कड़ा हमारी पीठ पीछै यती हनुमन्त खड़ा। शब्द। बिधि। झाड़ा दीजै बार ७॥

मंचपूगीबाँधिबेको॥

ऊँ नमो बादीआया बाद करन्ता कूं बैठाबड़ पीपलकी छाया रहुरे बादी बाद न कीजै बाँधूं तेरा कंठ अरुकाया बाँधूं पूगी अरु नाद बाँधूं योगी अरु साधु बाँधूं कंठ की पुंगी अरु मसान की बानी अबतो रहरे पुंगीसुजान तलै बाँधै नरसिंह ऊपर हनुमन्त गाजै मेरी बाँधी पुंगीबाजै तौ गुरू गोरखनाथ लाजै। शब्द। बिधि। ३ बार काँकरी मन्त्र जै पुंगी कै दीजै बन्दहोय॥

मंचढालरोपिवाको॥

ऊँ नमो चौंसठ योगिनी बावन बीर छप्पन भैरों सतर पीर आय बैठा ढालके तीर हाली हलै न चाली

चलै बादी बाद शत्रु सों मिलै यह ढाल लैह चलै तौ जाहर पीर की दुहाई फिरै। शब्द। बिधि। ढालको मन्त्रिकै पैसा ऊपर मेलिजै ढाल हलै चलै नहीं॥

मंचपैसारोपवाको॥

ऊं नमो काली देवी किल किला भैरों चौंसठ योगिनी बावन बीर ताँबा का पैसा बज्रकी लाठी मेरा कीलाचलै न साथी तलै भैरों किल किलै ऊपर हनुमन्त गाजै मेरा कीला पैसा चलै तौ गुरू गोरखनाथ लाजै। शब्द। बिधि। काँकरी मारिजै ३ बार मन्त्र के॥

मंचपैसाउठाइबेको॥

ऊं नमो हनुमन्त वीर हुवा हुलासा चलरेपैसा रूखा विरखा तेरा बासा सबकी दृष्टि बाँधि दे मोहिं मेरा मुख जोवै सब कोय बाद करन्ता बादीरोवै भरी सभामें मोहिं बिगोवै। शब्द। बिधि। धूर मन्त्रि के पैसापै मारै॥

मंचमूठिको॥

ऊं नमो वीरतो हनुमन्त वीर सूर्य्यका तेज शत्रु की काया अदीठ चक्र देवी कालिका चलाया चल रे बादी न कर बाद मैं करिहौं तेरा जीवको घात मैं न डरूं तेरागुरू पीर सूं मारूं तोने एकै तीर सो मेरा मारा ऐसाघू मैंजैसे भुजङ्गी को लहर परै तोहिं गिरता मारूं बाण फेरिचलौ तो यती हनुमन्त की आन। शब्द। बिधि। उड़द मन्त्रिकै मारिजै पछाड़ खाय॥

मंचमूठिको॥

ऊं नमो वीरतो हनुमन्त वीर भूरि मूठि चलावै तीर

मैं की रुख नाखी तोड़ि लोहू सोखि मेरा बैरी तेरा भष हीया तोड़ि कलेजा चराव सब धर्म्मकी हाथई बजै धर्म की लाल में बलि तुम्हारे कहाँगये माथे भूरेबाल उलटि पछाड़ न पछाड़ै तो माता अञ्जनीकी आनि। शब्द। बिधि। काला उड़द की मूठी मन्त्र हाथमें लीजै जोर करि क्रोध करि शत्रुके दीजै नाथचलै पाछेजाय परै॥

मंत्रसाँपकीलवाको॥

ओं नमो सर्प्पारे तू थूल मथूल मुख बना तेरा कमल का फूल सर्प्पा बाँधूं तेरी मूवादादी जिन तू गोदखिलाया सर्प्पा बाँधूं तेरा रतन कटोरा जामें तोकूं दूध पिलाया वज्र कीलनी वीज पाव मेरा कीला करे घाव तो तेरी डाढ़ भस्म होजाय। शब्द। बिधि। गेलि की रेत सर्प्पकै मन्त्रि डारिजै सर्प्प बन्ध होय॥

मन्त्रसर्पकीलवाको॥

ओं नमो कीलकी भईउ कीलनी बाचा भया अबमैं तोहिं सर्पमोकल्यो फिरचरि चारोंचक। शब्द। बिधि। पूर्वोक्त॥

मन्त्रचट्टिको॥

ओं नमो शंख बादनी ममकरती धरनी उधरइन चण्डी सवापहर होइहाथ प्रक्षालि मुखधोऊं अपनोजो चीतो सोई फलपाऊं जगबंध भुजबंध मुज समान बंधचारि लाडशिर सिंदूर ऋद्धि सिद्धि देवो बाबानंद केपूत बैठा होय सोउलाग पास उठाय सोलैआवै न जावै न ल्यावै तो लाजै गोरिजामाय या मंत्रको ईश्वर पार्वतीजानै घर बैठी ऋद्धिसिद्धिजो आनै ईश्वरी मारीचटाका घाव ऋधिदे

गणपति राय। शब्द। बिधि। ब्रह्मभोज करबेकी सोसामग्री एक कोठामें धरवावै ताको अछूता कपरा सों ढकवावै ता समग्री महिसों चारिलाडू बंधावै तथा आपबांधै तिनको कूवांमें लेजाय ताकोसंग कोरो कलश में एकलाडू धरिजै सोवह लाडू कुवाँ में जाय ता कलशको काढ़िएक लाडू बाहर बहाइदेइ याबिधिदोलाडू तो बाहिर बहाय दे दो लाडू भीतर पधरायदेइ अरु कलश जलसे भरघर ले आवै सो एक कूंनामें धरिदे अरुउस सामग्री मेंसे एक मनुष्य जीमें उतनो बोझ ऊंचो टांकिदै सामग्रीके ढिगबैठि यह मन्त्रजपिबो करै एकमनुष्य उज्ज्वल सामग्री मांहि सोभरि २ देवौकरै सौकी सामग्री होय तौ पांचसौ जीमैं तौभी टूटेनहीं बढ़तीजाय सयइति ऋद्धिको मन्त्रः॥

मन्चवीर बिधिको॥

ओं नमो देवलोक दिविरव्यादेवी जहाँबसे इस्मायल योगी कृष्पन भोरौंहनुमन्त बीर भूत प्रेत दैत्यको मारि भगावै पराईमाया ल्यावै लाडू पेडा बरफ़ी सेव सिंघाड़ा पाक बतासा मिश्री घेवर बालूसाई लोंग डोडा इलायची दाना तले देवीकालिका ऊपर हनुमन्त गाजै एती बस्तुमैं चाहीबस्तु न ल्यावै तो तेतीस कोटि देवता लाजैं मिरची जावित्री जायफल हरडे जंगीहरडैं बादाम छुहारा मुफरैं रामबीर तौ बतावै बस्तां लक्ष्मणबीर पुकडावै हाथभूत प्रेतके चलावै हाथै हनुमन्त बीरको सबकोऊ गावै सौकी सांकी बस्तां ल्यावै न ल्यावै तो एकलाख अस्सीहज़ार पीर पैगम्बर लजावैं। शब्द। बिधि। गांव बाहर आंधो

कूवां होय तहाँजाय हनूमान जीकी मूर्त्ति माडै मूर्त्ति के संमुख आप बैठि धूपखेवै दीवो जोवैमंत्र पढ़ै बार २१ सवापाव को रोट घृत खांड शहत हनूमान जीके भोग लगावै आचमन करवाय करि पीछे आपभोजन करलेया बिधि दिन २१ लो मन्त्रै तब आकाशबाणी होय तब आप मांगै सोई देशही ॥

मंचतरवारकीधारबांधिबेको ॥

ओं नमो धारधार अधरधार धारबांधौ सातबार अनी बांधौ तीनबार कटै रूमन भीजै चीर खांड़ा की धार को ले गया यती हनुमन्त बीर ॥ शब्द० ॥ बिधि ॥ रस्ता की रेत लेकै तरवार की धार ऊपरि डारि जै बंधहोय ॥

मन्चअगियाबैतालको ॥

ओं नमो अगिया बीर बेताल पैठि सातमें पाताल लाव अग्निकी झाल बैठि ब्रह्माके कपाल मछली चोल्ह कागली गूगल हरताल इन बस्तां लै चालिन लै चलै तौ माता कालिका की आन। शब्द। बिधि। चोल काग-ली मछली के मांसकी गुगूल हरताल या धूप बनावनी धूप खेवै मन्त्र जपैबार २१ कांकरी मन्त्रके नाखैं तहाँ बलि उठैसही ॥

मन्चपानीकेऊपरचलनको ॥

ओं नमो काला भैरूं कालिका का पूत पगा खडाऊं हाथ गुरज चलौमन प्रभान आकतू अग्रसूंभरा तेरान्यो-तौ मैं जहाँ करूं पूजौं दिनसात जोतुम मन चीता कार्य्य करिदे मोहिं कुम कुम कस्तूरी केसरि पूजाकरूं तुम्हारी

भोरमन चीत्यौ मेराकाय्य करहु गुरू गोरखनाथ कीबाचा फुरै। शब्द। बिधि। पुष्यार्कमें धौलौ आक नौति अर्क-बार पूजाकरि जै एक सोमबार पूजाकरिजै पीछै जड़ उखाड़ि ल्याइ जै जड़की पावडी की खूठी कराय जैपाव मैं पहिरि कै दरियाव ऊपर चलिये पानी पगते लगे नहीं॥

मन्त्रस्त्रीवशीकरणको॥

ओं नमो गुड़गुड़ रेतु गुड़ गुड़ता मड़ा मसाना केलि करंता जा उसका देगऊमा सब हरषैंहमारी आसखसम को देखै जलै बलै हमको देखै सकि रुचिलै चालिचालिरे कालिका के पूत सोतीहोय जगाय ल्याव बैठीहोय उठा-य ल्याव न ल्यावै तौ माता कालिकाकी शय्या पांवधरै। शब्द। बिधि। अर्कबार के दिन पैसा १ भर गुड़ मसान लेजाय जे तेलबाकला लारिजै जाजै भैरौं को पूजनकरै स्त्रीको गुड़ खिलाइये बश्यहोय॥

मन्त्रस्त्रीवशीकरणको॥

ओं नमो कालाभैरूं काली राति कालाआया आधी-राति कालारे तुम्हारा बीर पर नारीसों राखै सीर छाती धरके वाकूं ल्यावै सोतीहोय जगाय ल्यावै बैठीहोय उठाय ल्यावै। शब्द। बिधि। होली दिवाली की राति लाल अरंड एक झड़का में उबारि लावै ताको काजल करै यामन्त्रसे मंत्र जे बार २१ कोई स्त्रीके लगावै सो आपनीथकी रहै॥

मन्त्रनजरबंधको॥

ओं नमो कालाभैरूं घूंघरवाला हाथ खड्ग फूलोंकी

माला राजा परजा ध्यावै तोहिं सबकी दृष्टि बांधिदे मोहिंमैं पूजौं तुमको नितध्याय राजा परजा मेरे पाय लगाय भरी अथाई सुमिरौं तोहिं तेराकीया सब कुछ-होय देखूं भैरों तेरे मन्त्रकी शक्ति चलै मन्त्र ईश्वरोबाच शब्द। बिधि। अर्कबार केदिन चुटकी एक राखकी मसान मांहिसे ल्याइ जैबार २१ मन्त्रजै भैरोंका पूजन करिये बिधि संयुक्त प्रसन्न करिकै ता उपरान्त भरी सभामें चुटकी फूंकते उडाइ ये नजरि बंधहोय कार्य करै सो देखै नहीं॥ मन्त्रचोरीकाढिबेको॥

ओं नमो सतरसै पीर चौंसठिसै योगिनी बावनसै बीर बहत्तरसै भैरों तेरहसै तन्त्र चौदहसै मन्त्र अठारह सै पर्वत सत्तरसै पहाड़ नौसैनदी निन्यानवेसै नाला हनुमन्त यती गोरखवाला कांसीकी कटोरी अंगुलचारि चाड़ोकहो बीर कहाँते चलाई गिरिनार पर्बत से चलाई अठारह भार बनासपती चलै लोनाचमारी का बाचाफुरै कानीकुम्हारी चाक ज्योंफिरै कहाँ कहाँ जाय चोरकेजाय चिण्डालके जाय कहाँ ल्यावै चोर को चंडाल कूं ल्यावै गड्याधन को जायबतावै चालि चालिरे हनुमन्ताबीर जहाँ चलै तहाँरहै न चलै तौ गंगायमुना उलटी बहैं। शब्द। बिधि। कटोरा काँसीको पइसा तीनभर चौडी अंगुल चारिकी गढाइ ये दिवाली की राति ता कटोंरी को पूजन करिये या मन्त्र उड़त मन्त्र ये चौकमें स्थापन करिकै कटोरी चलै जहाँ मालगड्याहोय तहाँ चलीजाय तहाँसे माल खोदलीजै निकसि आवै॥

मन्चडाकनिकेमूड़नको॥

ऊंनमो लोहसिंहासनी लोहल्याऊं सिंहनावदै निस्तर घड़ाऊं राम तीर नै निस्तर घड़ाया लक्ष्मणबीर ने ताबदै बड़िया मूंडू तेरो डाकिनि माई जिन तोहिं दिया जनमो आई मूंडू तेरा गुरू पीर जिन दिया मांस कनी मूंडू तेरी मात अरु तात मूंडू तेरा भाई भ्रात घर बैठी डाकिनिको मूंडू पीठिबैठि सिंहारो हनुमन्त येती ख़बर लैआवै जानै लङ्कामारी मूंडि का तिरियाबीर ध्वजा धीवती देख्यो शिर मूंडिरे छप्पन भैरों गांव वाषरि सँग लै हेरूं मूंडिमूंड़ि रे हनुमन्तबीर जाको हियो धरै न धीर घर बैठा मैं गोड़ा मूंडू गांव बन काहेको ढूंढू या यन्त्र से मूंडू डाकिनी सिंहारी हनुमन्त यती आन तुम्हारी। शब्द। बिधि। लुहारकै उस्तरौ घड़ाइ यैमावसकेदिन मन्त्रियै बार १०८ मन्त्र अपनो गोड़ो मूंड़ि यै डाकिनीको मूंड़ मुड़िजाय॥

मन्चमसानजगावनको॥

ऊंनमो आठ खाटकी लाकड़ी मूज बनीका कावा मुवा मुर्दा बोलै नहींतो महाबीर की आन। शब्द। बिधि। मदिरा सेर १ चमेलीका फूल लोबानकीधूप छाड़ छड़ीलो लौंग कपूरी कचर इतनी सुगन्धि लेकर मसानमेंजाय धूप देवै मसान में मसान मर्द को देखियै मसान जागै हाहाकार होय॥

मन्चनाजकीरासिउड़ावाको॥

ऊंनमो हकालौं चौंसठि योगिनी हकालौं बावनबीर कार्तिक अर्जुनबीर बुलाऊं आगे चौंसठिबीर जल बन्धि

बल बन्धि आकाश बन्धि पवन बन्धि तीन देशकी दिशा बन्धि उत्तर तो अर्जुन राजा दक्षिण तौ कार्त्तिक बिराजै आशमान लौं बीर गाजै नीचे चौंसठि योगिनी बिराजैं पीर तो पास चलिआवै छप्पनभैरों रासि उड़ावै एकबंध आशमानमें लगाया दूजै बन्धि रासि घरमेंलाया। शब्द। बिधि। दिवालीकी राति बनमेंजाइयें मुसा की मीग्नी ल्याइयें तिनको मन्त्र जेबार सात ता मीग्नीको रासिऊपर धरि आप धरि आवै पीछेते रासि चलीआवै भोग लगाइये तामें से अर्द्ध पुण्यकीजै॥

मन्त्रचढ़ावको॥

ऊंनमो हाकन्त युगराज फाटंतकाया जिसकारण युग राज मैं तोको ध्याया हंकारत युगराज आया गाजंतआया घोरन्तआया सिरसके फूल बखेरन्त आया औरकीचौकी उठावन्त आया आपकी चौकी बैठावत आया और का किवाड़ तोड़ताआया आपका किवाड़ भेड़ताआया बांधि बांधि किसको बांधि भूतको बांधि प्रेतको बांधि देवदानवको बांधि उड़न्त गड़न्त योगिनीबांधि चौर चिणगार को बांधि तिरसठि कलवाको बांधि चौंसठि योगिनीको बांधि बांध न बीर को बांधि आकाशकी परियोंकोबांधि डाकिनी साकिनी को बांधि चेटक को बांधि छल को बांधि छिद्र को बांधि कियाको बांधि कराया को बांधि आपनोकोबांधि पराईकोबांधि मैलीकोबांधि कुचेलीपीली को बांधि स्याहको बांधि सफ़ेद कोबांधि कालीको बांधि पीलोको बांधि बांधि २ रे गड़ ग़जनीके महमदापीर बि-

सरि जाय तेरा तोसों रोजा हलाल जाहि उलटि मारि पलटिमारि पछाड़मारि कब्जा चढ़ाय सुपा बुलायशीश खिलाय। शब्द। बिधि। चोहोड़ोदीजै॥

मन्चखिरनावाको॥

ऊं नमो हनुमन्त बीर बज्र धारी डाकिनी साकिनी घेरिमारी गङ्गा यमुना हमारा बाण बोलै बकुरै नहीं तो राजा रामचन्द्र लक्ष्मणकुमार यती हनुमन्त की आन। शब्द। बिधि। चमेलीका फूल व अतर मन्त्र से मन्त्रियै २१ बार ७ सुंघावै तो भूत प्रेत डाकिनी साकिनी बकुरैं बोलैं सही॥

मन्चजँजीरा को॥

ऊंनमो बिस्मिल्ला हिर्रहिमा निरहीम ग़जनीसोंचला मुहमदा पीर चला सवासेरका तोसा खाय असीकोसका धावा जाय श्वेतघोड़ा श्वेत पलान ज्याहिपर चढ़ा मुहमदा ज्वान नौसे कुतका आगेको चलै नौसे कुतका पाछे को चलै कांधापाछे भातडाला ध्यायाचलै चालि २ रेमुहमदों पीर मौवाई या सिलार हमारे चौरको ल्याव पर्वत सा ल्याव सातसमुद्रकी खाईंसों ल्याव ब्रह्माके वेदसोंल्याव क़ाज़ीकुरान सों ल्याव अठारा पुराण से ल्याव जाव जहां होय तहां सेा ल्याव गढ़ पर्वत सों कोट सों किला सों ल्याव मुहल्ला गली सों कूचासों चौहटा सों सेतख़ानासों महोलो चौहोली सों नाला पनाला सों बागैचासों कुवां सों बेरा सों सोलह शृंगारसों बत्तीस आभरण सों काजल कजरौटी सों मठीकी मोठसों रोली मोटीसों हाट बाज़ार सेा

खाटमें पायामें नौनाड़ी बहत्तरकोठाकी घुमतीबलाय को ल्याव हाज़िरकर हाड़ हाड़ चाम चाम नख शिख रोम रोम से ल्याव रे ताइपा सिलार जिन्द पीर मारतौ पीट तौ तोड़तौ पछाड़तौ हाथमें हथकड़ी पायँमेंबेड़ी गला में तौंक उलटा कब्जा चढ़ाय मुख बुलाय शीश खिलाय। शब्द। बिधि। उड़द मन्त्रि माँथा परि धरिजै॥

मंचचढ़ावाको॥

उँा नमो नारसिंह देव प्रचण्डज्वाला धरती धीर सु लैरे राखवालामैं तोको ध्याया हांकमारि नार सिंह आय नख चट चाटत दन्त कटकटात जीभ लपलपात गाजन्त घोरन्त तोड़ता पिछाड़ता डाकिनीको साकिनी को भूत प्रेतको दई देव देवता को बंधबंध देवको दानवको दिशा उपदिशाको बंधबंधरे नाहर सिंह बीर तेरा बांधा धरैन धीर मेरा हकाल्या जहां तहां जाय डाकिनीको साकिनी को उलटिकै खाय। शब्द। बिधि। पूर्वोक्त॥

मंचचढ़ावाको॥

उँा नमो इल्लिल्लाह बिसमिल्लाहलकर नर दूध पाक कलमा फलाने को फलानेबंध गढ़ ग़जनी सों कौन चला जिन्द पीर चला ऊपर को बल करता चला पोपलटाया पाँव धरताचला आकाश पातालकी परी बंध करताचला डाकिनी साकिनी को मारताचला भूत प्रेतको पकड़ता चला देवको दानवको पकड़ताचला नदीको नालाको नि यायकरता चला पीरको पैगम्बरको आयुतको पितृको बंधकरताचला चालिचालिरे जिंदपीर तेरा तीसों रोजा

हलालहोइ पाकपरवरदिगारहै हांकहलकन्तरुद्रद जिंद पीर तेरी माताकीक़सम। शब्द। बिधि। उड़द मन्त्रकै माथा पर धरजै॥

मंत्रजँजीराको॥

उंनमो सातसमुद्रकेबीच शिला सलेमान पैगम्बर बैठा सुलेमान पैगंबरवेचारि मवक्किल तारियासारिया जारिया जमारिया एकमवक्किल पूर्वकोधाया देव दानवों को बांध लाया दूसरा मवक्किल पश्चिमको धाया भूत प्रेतबांधि-लाया तीसरामवक्किल उत्तरको धाया अयुत पितृको बांधिलाया चौथामवक्किल दक्षिण को धाया डाकिनी साकिनीको पकड़िलाया चारि मवक्किल चहूंदिशिधावैं छल छिद्र कोऊरहन न पावै। शब्द। बिधि। पूर्वयुक्ति॥

मंत्रमूठको॥

ओं नमो कालाभैरों मसानबासा उड़दकी मुठी रक्त बाण चलिरे भैरों कचिया मसान मैंकहूं तोसों समुझाय सवापहर में धुनीदिखाया मुवा मुर्दा मरघट बास माता छोड़े पुत्रकी आश जलती लकड़ी धुकै मसान भैरों मेरा बैरी तेरा खान सेली सिंगी रुद्र बाण मेरा बेरी को नहीं मारो तो राजा रामचन्द्र लक्ष्मण यतीकी आन। शब्द। बिधि। कोऊ मूवो मुरदा जातोदेखि मसान में जाजै वा-ही मुर्दाकी हांडीलीजै ताको मसान की अग्नि में लाल कीजै पाछे उतारिलीजै वामें उड़द डारिदीजै बलिजाय सेा न्यारा लीजै फूलै सो न्यारा राखिये जला उड़द बार २१ मन्त्र जै बासी मूढै उड़द मूठीमें लीजै क्रोधकर शत्रु

के दीजै पहरसवामेंमरिजाय तापीछे गङ्गा यमुनाबनाय जै पीपल का पत्र में वाको चित्राम माडिजै पाछे सारि उतारिदीजै उड़दकी भस्महो सही। इति मन्त्रबिद्या॥

अथतन्त्रबिद्यालिख्यते॥

उत्तम मध्यम और निकृष्टसब सुनि यामें कानैरे अब तुझसे तन्त्र उपदेश बताऊं मतिराखो कुछकानैरे कहत महेश्वर सुनुरी गिरिजा मंतरसारेभाषैरे जोबूझौसोकहूं अबतोसों नहिंराखौंकछुकानैरे अब तन्त्रोप देश बताऊं सोसुनियोदेकानैरे शनिबारदिनसन्ध्यापहलीघरकुम्हार केजावैरे कूंडाऊपरिचौंसठिदीवा उलटैचाकफिरावैरे दीवे दीवेधरनाबातीसबमेंघृतै पुरावैरे भातदूधकाभरैजोकूंड़ा तामेंशकरमिलावैरे सन्यासमययहकरैउतारा रोगदोष मिटिजावैरे १॥

अन्यबिधि॥

औरउपायकहूंमैंतोसूंसोकरियोचितदैकरिरे नौमाटि कोकरुबोल्यावैउपरिढकनाधरिकेरे सातिभांतिकोरेशम ल्यावैऔरसिंदूरसोंचरचैरे छाड़छबीलौकपूरकचरीअग्र कपूरमिलावैरे सातभांतिकीपुड़ीजुबांधैकरुवैलेपधरावैरे लालस्याहअरुपीलोलीजैहारीगुलाबीभूरीरे घोलीस्याह बताऊंप्यारेऔरबिधीसमझाऊंरे भूरीऔरगुलाबीलीजै यहीउपायजुकीजैरे कड़ुवातेलभरैताभीतरजिसमेंदीवो जोवरे सांझसमयमेंकरैउतारोरोगदोषसबखोवैरे २॥

तंत्रसर्वदोषदूरहोवैक॥

सरकी तुली ल्याय कितहूसे ताको खूब छिलावैरे

तिनका गिरको करै पालनौ काचै सूत बुनावैरे रंगबिरंगौ करै पूतलौ ताको भोग लगावैरे काचा दूधमें पानी राखै रस्ता बीच धरावैरे काचौ कलुवौ रक्तौ सक्तौ सबै दोष मिटजावैरे॥३॥

तथा॥

बाँबाँ पगकी सात ठीकरी देख ठीकरी ल्यावैरे ताको ल्याय करै या बिधि सूं धूपदीप दिखलावैरे ताको चरचै कुंकुम चंदन सातसूपलैध्यावैरे तुस अरुभुसभरैवाभीतर रोगी को दिखलावैरे पहररात का करै उतारा कुबजा हाथ धरावैरे ४॥

अऊतपित्तदूरहोय॥

सात सुपारी सात छोंतरा सात छुहारा ल्यावैरे तिन कूं लेकर घर कूं आवै रोगी कूं दिखलावैरे अऊत होय पुनि पित्त होय वा ताको नाम उठावै रे बावैं कोनैं गाड़ै वाको अऊत पित्त पिंड छाड़ैरे॥५॥

रोषदोषमिटजाय॥

आक अरंड को मूल मँगावै ताकोसिंदुरलगावैरे गुगल धूप की धूनी दीजै यह मंत्र पढ़ उठावैरे॥

मंत्र

ओं श्री ह्रीं फट् स्वाहा॥जाकौ लेवै बांवा हाथमें रोगी को दिखलावै रे जोवौ गाड़ै घरके कोने रोग दोष मिट जावै रे॥६॥

बुद्धिपराक्रमहोय

योगी जंगम सेव संन्यासी जिनकी पद रज ल्यावेरे

धूप दीपदै नौते वाकूं शिरपर वाकूं डारैरे बुधि बलवन्त होय पराक्रमी कुटुंब आपनौ पालैरे ॥ ७ ॥

तथा ॥

द्विज रज गोरज खर रज लीजै श्वान की सिला मांहिं दीजैरे पुष्यार्क में उपायजोकीजै शिरकाढूकेडारैरे होय वह अपनौ कहैं सोई वह पावैरे ॥ ८ ॥

स्त्रीबस्तीकरण ॥

पुष्यार्क अँधेरी रात मेंजन कोई कहीं जु आवै रे सांझ समय दीवैधरे बत्तीते वे मसानाजावैरे भरिमूठी राख की ल्यावै तामें वस्तु मिलावैरे मोरबीठ हरताल सुहागा तामें लेर मिलावैरे लेके डारै शिरतिरिया के प्रीति पुरातन पालैरे ॥ ९ ॥

पृथ्वीकोधनदीखै ॥

जो कोई बन में मूवा मुरदा पड़ा कहूं जो देखैरे गौने दिनकूं जाय रातिमें पाछेमाथौ मोड़ैरे तिसके ऊपर तेल छिवावै नीचै दीवो बारैरे धरिकै बत्ती अग्निलगावै शिर पर दीवो जोवैरे बैठि किनारे जायजपै यहमंत्र सिद्धि होइ जावैरे ॥ मन्त्र ॥ ऊंचिंडालाचक्रवति ममसिद्धि कुरु कुरुस्वाहा ॥ फेरउठे वहमूवा मुरदा गड्यौ जु धन वतलावैरे ॥ १० ॥

चरिचदीखै ॥

तीन खूंटकी देखि खोपरी नर की कहूं सों ल्यावैरे नगद बावचीजगावतरा इतिसमयमें लावैरे हूली फूल मंगावै ताकोतेल कढ़ावैरे नरमावनी की रुई मंगावै

ताकीबातीबनावैरे धरबत्तीदीवैलैजोवै नेकचरित्रदिखावैरे ॥ ११ ॥

सभामोहनी ॥

राईशिरसिमसाखाहूलीधौलीदूबमंगावैरे बांटिकूटि अँगमरदनकीजैतातेपानीन्हावैरे मस्तकतिलककरेकेसरिकोराजदुवारेजावैरे देखिसभासबकोमनमोहैबैरीमोहिंबिगोवैरे ॥ १२ ॥

जोमांगेसोदेइ ॥

आकधतूरोमाथासूलौजड़ैकटेलील्यावैरे तिनकोबाँटि चूर्णकरिराखै पुष्यनक्षत्रजोआवैरे शिरपरडारैजोकोईके माँगेसोईपावैरे ॥ १३ ॥

बुरकी ॥

लालअरंडकहूँजोदेखै ताकोनौतोदीजैरे अर्कबारकी समयसामकूँ एकैझटकैलीजैरे दोयटूकलकड़ीकाहोयसुन्यारान्यारालीजैरे जाकूंदेखेपीठाबैठ्याजाकेलकड़ील्यावैरे उठतपीठ्योलग्योजुआवैलोगतमास्योदेखेरे ॥ १४ ॥

सर्पदीखबेकोतंत्र ॥

मूवोसरपकहूँजोदेखै ताकोलेकरिआवैरे ताकीटोटी लैकरिलीजैताकोमुखबनवोवैरे बधैकपासरुईजबतामेंताकोतन्त्रजोकीजैरे बासबड़ाकोबासमँगावैजाकैलैलिपटावैरे बाँधिबुहारिसभाबिचफेकैसर्बसर्पहोयजावैरे ॥ १५ ॥

नाचकेतन्त्रको ॥

दोयपूंछकोदेखिबिसंभारोजाकीपूंछजोलीजैरे रुईलपेटिधरिबलिदीवैताकोअग्निलगावैरे जाघरमाँहीदीवो

जोवै सबघर काङ्कां नाचैरे देखतमासोङ्कांतो सबघरना-
चैरे ॥ १६ ॥

खेल ॥

गधागधीकोसंगमदेखे मुखसोंबालिजुल्यावैरे धूप
दीपदेगंडौकीजैताकौसूतलपेटैरे लालस्याहकेपीलौलीजै
यहीउपायजुकीजैरे अपनेकरमेंपहरैवाकूं जहाँतहाँच-
लिजावैरे करैतमासोकरकेगंडौचढ़ावैरे लिहिगोउचकी
शीशपरबैठेलोगतमासोआवैरे करगंडौतलैउतारैंलहिगौ
चरणजुआवारे १७ ॥

तथा ॥

अर्कबारकूंचोरीकरवाघरकुम्हारकेजावैरे बासनकाट
नौडोरौदेखैसोईलेकरिआवैरे वादिनचिड़ाचिड़ीकासंगम
देखैसातगांठिलगावैरे घाटबाटरस्ताबिचगाड़ैताको टूटे
नारोरे ॥ १८ ॥

स्त्रीआकर्षण ॥

होरीकेदिनहोरीनौतैजाकीलकड़ील्यावैरेधूपदीपदेक-
रैतमासोधोबीकेघरजावैरे भाटीनीचेबालैवाकूंकरिकैको
लालावैरे बाँटिकूटिचूरनकरिराखैहस्तनक्षत्रजबआवैरे
शिरतिरियाकेडारैवाकूंसोचलिअपनेआवैरे ॥ १९ ॥

तथा ॥

दीपदानकेदशदिनपहिलेकोरोकूंड़ोल्यावैरे तामेंधरै
जुएकरुपैयानितपूजनकरिआवैरे मूलाकाटिकैलावैवाकी
कुडाछालमिलावैरे होवैस्त्रीकपड़ाजादिनतादिनलोहूला-

वैरे सबकूलेकेजायमसानाचुकटीराखमिलावैरे शिरपर डारैनरनारीकेसँगचलिअपनेआवैरे ॥ २० ॥

सर्वदोषबवायुगोलाजाय ॥

नदीकिनारेनावजुदेखैजाकोकोटौल्यावैरे घोड़ाखुर-तालमिलावैजिसकोकड़ागड़ावैरे धूपदीपदैकरमैंपहिरै सर्वदोषमिटिजावैरे भूतप्रेतडाकिनीसिहारीजाकूंघोल अरुप्यावैरे मिटैपीड़अरुहूकअंगकीबायुगोलोमिटिजा-वैरे ॥ २१ ॥

झखमारतडोलै ॥

दीपदानकेऊगतदिनकैभिक्षाकरनैजावैरे ब्राह्मणब-णियाडूमढेड़अरुनीचमीनकील्यावैरे तिनकीबाटीखूबब-नावैधरिदरवाजेराखैरे हाथलगायहमुखसूंबोलैरोगदोष मिटिजावैरे तापतिजारीसीयेादाहऔरसकोदरनाशैरे बु-राकरणबिचरैंजाकोतातैंबचनजुबोलैरे हाथलगायकहैं मुखबाहरझखमारतहीडोलैरे ॥ २२ ॥

शिलाउड़नेकोमंत्र ॥

धानीतबोलीमोचीकेघरभिक्षाकरनेजावैरे कालीजीरी माहिंमिलावैखरमूत्रसूंभीजैरे ॥ मन्त्र ॥ ओं कालाकाली महाज्वरेदिनजायघरल्यावैवाकूंबड़ीशिलाकूंचरचेरे या मन्त्रसेपढ़केनीचेपरसनताहिसोकीजैरे ॥ ओंह्रीं श्रींक्लींफट् स्वाहा ॥ दशसहस्त्रमन्त्रजपै १०००० प्रसन्नहोयतब बरदेउड़ेशिलाबरमांगैयेहीआपकहैंजहांपड़ेसोईरे ॥ २३ ॥

मंत्रमनइच्छाफलपानेको ॥

माघमासकीतेरसअँधेरीऊंटहाड़कून्योतेरे संध्यासम-

ययहचौदशिकेदिनजायरुवाकोल्यावैरे याबिधितंत्रजुकी जैवाकोधूपदीपदिखलावैरे बँकोंपुरुषकाटिकैल्यावैपीछे जलसोंधोवैरे कुमकुमचन्दनचरचेवाकूंपीछेबरलैमाँगैरे पुत्रधनदारासुखदेखैमनचीताफलपावैरे ॥ २४ ॥

बशीकरणविधि ॥

रबिदिनघरीदोयकैतड़कैंउठिमसानमेंजावैरे पीछेहाथकरैदोऊअपनालकड़ीलेझपटावैरे ताकूंलेकेधरेएकांतमें नितपूजनकरिआवैरे याबिधिदिनइक्कीसजोपूजैधूपदीप देल्यावैरे खातीकेघरजावैजादिनटुकड़ासातकरावैरे पहलेटूककीमेखघड़ावैघरशत्रुकैजावैरे बसीकृत्यहोयजीव सेजावैपिण्डनअपनीछाड़ैरे औरटकलैनदीबहावैमनसे कारजचीतेरे बंदिखलासतुरतहीछूटै अपनोहोयसुप्रीतमरेसातकांकरीचुनकैल्यावैपीछेघरकोंआवैरे धूपदीपचंदन सोंचर्चेपुष्पऔरपहरावैरे संध्यासमययहशिरपरडारैरोग दोषमिटिजावैरे ॥ २५ ॥

तंत्रमूत्रबंधनका ॥

भरणीनक्षत्रआवै जादिनतादिनचोरीकीजैरेनाईकेघर जायअचानकचोरचमोटालीजैरे मोचीकेघरजावैपीछेदोय टीकरीकीजैरे नारीकहींमूततीदेखैमूतगड़हा में धरिजैरे मूतबंदहोयपेटजोफूलैनिहचैमरनामाडैरे ॥ २६ ॥

मूवामेंडकबोलै ॥

दिनदिवारीमूवामेंडकल्यावैकहूंसोसारोरे गाड़िज़मीमेंपारोभरिदैनींबूरसलैडारैरे मासदिवसलैपीछेकाढ़ै जहँतहँशब्दउचारैरे ॥ २७ ॥

इति श्रीऊमामहेश्वरसंवादेतंत्रविद्यासंपूर्णम् ॥

अथनाटिकभेद ॥

चालगजजानौधुकसांचौसोईमूरखरे अज्ञानलोगजा नतनाहींकहतहूंबातसोतूसुनरे प्यारेसबघटव्यापकसो-तौसबतेन्यारे मंत्रयंत्रतंत्र तूयेसुनलेसारे नाटिककाभेद कहूंसोसुनप्यारेटूटैअज्ञानसोईखूटैतारे आवैजोज्ञानध्या-नसुनरेबारे ॥

अंजनदोयोजनतकदीखबेको ॥

करिजैतलाशप्यारेमूईनारी ल्यावैजोचारचीज़सबसैं प्यारी लोहाअरुशीशातांबापारालीजै कीजैतिहि खरल गोलिआंचमेंदीजै लोहाकीडिबीकेमांहिधरिजो दीजैमरी नारिताकेसंगप्यारेरहीजै लागैजोयुक्तिडिब्बीधरिदे भग में आवेजोफूंकिपाछेजावैवामें हेरेजोराखडिबीपावैलीजै गोलीजोकाढ़ताकोअंजनकीजै खरलकर आंजैदोयोज-नदेखै ॥

योजनकीबातश्रवणकरे ।

करकैतलासकहूंगिरिवरजाना गीधकहूंदेखिवाकी वीटजोलाना वाकीसमतुल्यपीपलछोड़ालीजै नीबूकीछा-लमालकांगनीदीजै तांबांकीलोठितामेंपाराभरना ऊपर सूछांदिमंत्रपतालीधरना धरतीमैंगाड़िऊपरआंचजोदीजै प्यालाकोधरितलैतामेंअर्कचुवाजै श्रवणनमेंडारिशीशसा धनकीजै योजनकीबातसबसुनिकैलीजै ॥

भस्ममोहनीनाटक ॥

खंजनकीबीटमुवाखद्योतजोपावै दोनोंकोबांटि इनकी

ठिकरीबनावै मूसमेंजोराखिउनकोफूंकेभाई काढ़ैजोराखै अपनेअंगमेंलाई चढ़ैजोरूपभूपमोहेभाई॥

शत्रुमारण॥

तीतरबटेरलवादेखैभाई तिनकोतलासकरनाबनमेंजाई लीजैजोबीठइनकोनाटिककरना शत्रुकोदेखिवाकेशिरपर धरना मरणकीजोहानिवाकेनिश्चैंहोई जीवनेकाउपायन-हींदेखै कोई॥

बावलाहोय॥

मुरगाकीवीठकहूंलाजैभाईडोड़कागकीबीठवाकैमाहिं मिलाईबांटिकैसुखायवाकोचूरणकीजै शत्रुकोचावलभरपा नमेंदीजै अक्कलजोनष्टताकीतबहीहोई कपड़नकोफाड़िफ-ड़िजीवसोजाई॥

१६ योजनचलै॥

चकवीचकोरमैनाबीठजोल्यावै कगवरको बीठ वाके माहींदीजैसबजोमिलाय वाकोबांधेगोलीमुखमेंजोराखि चलैंयोजनसोलहैं॥

मारण॥

साबरकोसींगकहूंदेखैभाई वाकोजोघसिचूरणकीजै ल्याई नीबूकीछालमालकांगनीदीजै पारोलेटंकवामेंशीशा डारदीजै जोआंचदूकैलैकेभीजै चारोजोचीज़लैके मेलैकी जै सूक्ष्मसोआंचवाकेधीरादीजै पाछेजोलायवाकोनाटिक करनाशत्रुजोजानवाकेमाथेधरना फाटैजोडीलवाकोलोहू झरनाकरनाउपायऔषधिलागैनाई और नउपाय वाको मरना होई॥

स्त्रीमोहनी॥

काछिबनखऔरपूंछ गरगलल्यावै मूवा पाँखलैकैसिं-गरफमिलावै चारोंजोलायतिनकोकीजैमेली राखौजो हाथकहूंदेखैनारी शिरपरजोडारैअपनीहोयरहैप्यारी॥

राजाप्रजामोहनी॥

उल्लूपरल्यायताकीलेखनिकीजै बकराकोरक्तल्याय स्याहीकीजै। मन्त्र। ओंनमो अरुंठनी असवस्थनी महा राजछनी फट्स्वाहा। राजा प्रजा के लोग सारेमोहैं॥

मनइच्छाफलपावै॥

मेढ़ेकोसंगरविदिनन्योतकैल्यावै वाकूंजोलायवाकी पूंगीबनावै कोनामेंगाड़िवाकूंतेलजोसींचै सून्यामें आय आधीरातकेबीचै मनमेंजोचिन्तवैकार्यसिद्ध होवैजगमें॥

वशीकरण॥

उल्लूकोमासतलासकरिकेल्यावै बकराकोमासवाके माहिंमिलावै रत्तीप्रमाणजलमेंदीजैकाऊं होयरहै दास आय पड़ै पाऊं॥

स्त्रीवशीकरण॥

उल्लूकोहाड़पीठपाछलोलीजै चन्दनजोघसिकेवाको तिलकजोकीजै कुंकुमकस्तूरीकेसरमाहिंजोडारै त्रियाको मोहैअपनेशत्रुकोमारै॥

मारण॥

उल्लूकीजीभमें केसरिमिलावे पुष्यार्कमाहिंवाकूंदूध जोप्यावे वहहोयउल्लूकछूसूझेनाहीं शत्रुकोमरणहोयघर केमाहीं॥

लोपांजन॥

कारोबिलावकहूंसेल्यावेमाखनकोघृतवाकूंप्यावेबाँधै जोपाँववाकोघोटैरे खायोघृतमुखहोयगैरे सोहरिसमेटि सारोभेलोकीजै वाकीउठायसर्वदीवेदीजै रुईमँगायवाकी बातीकीजै मागजोलगायवाको काजलकरनाकाजलउतारएकडिब्बीभरना चावलप्रमाणकाढ़िअंजनकीजै अलखतहोयअपनामतलबकीजै औरनदेखैंआपसबकोदेखे॥

पृथ्वीकोगड़ोधनदीखै॥

कालोजोदोड़कागबनमेंल्याजै माखनकोघृतवाको नित्यखवाजै करेजोछेरवाकोसारोलीजै बत्तीजोकरिवा कोदीवेकीजै काजलजोउतारएकडिब्बीमेंलीजै अंजनकरनाकिएकभरकैंसींकै भूमिकोगड़ोधनसबहीदीखे॥

दिनमेंविमानदीखै॥

भूरीजोचीलदेखिबनमेंजाना घृतमेंमिलायवाकूंकपूर चुगानाकरे जोबीठवाकीसारीलेनी सारीजोबीठलेके दीवेधरनी रुईमँगायवाकोकाजलपारे डिब्बीमँगायवामें सारोडारे नयननकेबीचएकअंजनरेखै जातेविमानसुनौ दिनमेंदेखै॥

१ योजनकासुने॥

सरसकीपरजोप्यारेबीचलीलानी उड़कैजोजायपहिलेबोलेबानी उँसरित पक्षनी महापक्षनी फट्स्वाहा पानीमेंजायपरकोधोकेरखना पीछेजोजायवाकोनाटिकरना सोरामिलायगन्धकरालजोभरना सँगलीमँगवायलेपपर

केकरना कपरामँगायलेपमाटीकरना परकेलपेटवाकोलेप जोकरना आँचजोलगायवाकोअर्कचुवावे रत्तीभरपानमें जानिखवावे तथाचावलभरसीखजाकैमुहड़ेनावै योजनकी बातअपनेश्रवणनसुनिहै जहाँतहाँजायअपनेकारजकरिहै

नाटिकऋद्धिसिद्धिको॥

कीजैतलासनोलकंठघूंसला वामेंजोअगडादेखिकीजै चाला।उहांजोजायपुष्यार्कजोमाहीं खवैजोधूपलगैबैठेकाईं। पाछेघुसलौखोसिलीजैसारो जलमेंजोडारिवाकोकीजैन्यारो। बैठेजोढिगवहांजायजलकेमाहीं तृणखोटिखोटि डारेजलकेमाहीं होवेजोसर्पतृणलीजोभाई तृणकोजोल्याय वाकोनाटिकराईधूपदीपदेके अन्नकीकोठीमेंभरनाबढ़ेऋद्धिसिद्धिनाहीं लेखोकरना॥

सर्वकार्यसिद्धि॥

करिकैतलासकहूंसिकरालाना ताकोजोलायखासामसूरचुगाना। करैजोबीठवाकीभेलीकरनी ताकेजोबीचएक धेलाधरनी। राखैषटमासवाकोकाढ़ैपीछै देकेसुनारकोवाकोतारकढ़ावै। पाछेजोलायघरभीतरगाड़ै बढ़ैजोतारवह सरैकोहोई। पीछेजोकाढ़िकार्यकीजैसोई॥

घोड़ाहाथीग्राममेंदौड़ैं॥

करिकैतलासहाड़बगुलाकोल्यावै ताकोजोलायहाड़मेढकमिलावै।ताकोजोबांटिकूटिचूरणकीजैकेसरकपूरवाके माहींदीजै। झीनोसोकपरोलायचित्रजोकरिये घोड़ाऔर हाथीऊंटतैसामाड़ै। ताकोजोजायगामसीमागाड़ै तिनको जोजायनित्यपूजनकीजै। नरजोहाड़एकराखेजोरैरखना।

पूजनयाभांतिदिनाबीसजोकरना । मूगनकोभषवाकोदीजै घोड़ै । घोड़ाजोऊंटहाथीग्राममेंदौड़ै ॥

गांवकी आफ़त दूरहो ॥

बानरकोहाड़कहूंसेल्यावैभाई वाकोजोल्यायवाकोधूप दिखाई । धूपदीपदेइगांवबाहरगाड़ै पूजनजोकरिकेनित वाकोआवै । गांवकीआफ़तअर्कसबमिटजावै ॥

भैरव सिद्धिः ॥

बिनाचुनामोठसेरचारजोलीजै हांड़ीजोल्यायवाकोखूब रंधीजै । भोजनजोकरतेडाढकङ्करलागै कङ्करलैहाथगाँवबा हरभागै । पनघटकोघाटकहूंदेखैभाई लैकरिवहकङ्करवा घाटकोजाई । देखेपनहारीजेहरभरतीहोही डारैजेकङ्करवा कोजेहरिमाही। फूटेजेहडिवाकीगिडनालीजै गिड़नाकोलेर वाकोबनमेंजाना आवैजोगऊपुनिजिस्मेंजाना । देखैजोगा यकोवहफलमेंआती समयजोआनिलागेदीवाबाती। गिड-नामेंदेखिदेखिसामेंजोवै गोरजउड़तीमेंवाकोदरशनपावै । देखैजोदेवभायभैरोंआतौ० धरजोभेषवाकोवाहनखातौ । कं जैअक़रारमनमानैसोई प्रसन्नहोयबरमांगेसोदेई ॥

स्त्रीवशीकरण ॥

पहलाजोपहलनारीकपराहोई ताकोजोरक्तबस्त्रलीजै कोई । ताकोलायएकनाटिककरना कपरौभिगोयएकबाती करना । अरंडकेतेलमाहिंदीवेधरना आँचजोलगायवाको काजलकरना । काजलजोपारएकडिब्बीभरना चित्राजो बीतिस्वातिनक्षत्रजोआवै नखभरिरेखैकताहिनारीलगावै चित्तभर्महोजायवहचलीजोआवै ॥

बशीकरण॥

कीजैतलासकहूंखालस्यारकी सावरकोसींगटुकरएक कामकी। दोऊमिलायपुनिएकान्तरकीजै वाकोजोपीसवाके ऊपरलगीजै। घेराजोलायवाकोधूपसुकाना। केसरिकपूर आँकमाडैभाई पीछेलैजायजलमेंडारैवाई। पीवैजोनीरसो वहबशमेंहोई। छोटेसेगाँवमेंयहकीजैसोई॥

भूतादिक सिद्धिः॥

करिकैतलासकहूंबागलाल्याना वागलजोलायवाकोपाराप्याना। पाराजोप्यायवाकोछेरकराना छेरजोकरायपारा श्रीमामिलाना। ऊँचतोलगायवाकोकाजलपारै डिब्बीमँगायवामेंसारोडारै। समयजोपायकोईअञ्जनरेखै ज़मींके भूतप्रेतसारेदेखै। मतलबजोजानिकछुमांगैभिक्षा प्रसन्न जोहोयजबदेवैदीक्षा। उनकीजोबातकहियेसबसेन्यारीसो कोसकीबातवहकहिदेसारी॥

सौकोसउड़जाबेकोनाटक॥

मोरकोबीठसेरचारिजोलाना ताकोजोलायखासाधूप सुखाना। झीनीसीबाँटिवाकोकपरैछानै पाछेजोचारचीज़ औरमिलानै। लीजैहरतालकौंबआमलीचीयाँ शीशाकीगोलीसबैभेलीकीयाँ। सबकोजोमिलायएकनाटककरना मूवो देखिगधाताकेमुंहमेंभरना। राखैइकीदिनावाकेमाहीं पाछे जोलायवाकोछांहसुखावै लोहेकोपात्रएकलैकैआवै। तामें भरिराखैडारितौलोपारो। पात्रजोलैथिरज़मीमेंगाड़ै षट्मासजोआसनिश्चयछांड़ै। पाराशीशामिलायएकगुटका

होई बीतेजोमासपीछेकाढ़ेसोई। दूधभातखायवाकोमुखमें लेना सौकोसउड़जायएकपलमेंनेरा॥

आकर्षण॥

वहुबनमेंजाजैकेचित्रबेलिजोल्यावै चित्रबेलिजोल्यावै किवाकोधूपदिखावै कहींसोंघूघूल्यावै किवाकोअन्नचुगावै वाकेपगमेंबेरीकी चित्रबेलिकीदेनी वहरातकोबोलै कवा कोबचनसोतौलै वाकोबचनजोतौलौकमेरीबेरीकाटौ बेरी काटौतौतुमकोदेहूंसाटौ देहूंसाटौ औ मनमेंहोय जोमांगो मनमेंजोमांगोमेरीलैसलागौ लैसलागौ किवाकोलेना तब हीं लेनातबहींकीवाकोछांड़ैजबहीं॥

दरियाकेबढ़नेका नाटिक॥

जलमेंतलासकरैघोरामच्छी बाकोजोल्यायवाकीकाटे पुच्छी। पाछेजोचारचीज़ल्याजैभाई लौंगमिर्चसोंठिहलद मिलावैमाहीं। करुवोजोतेलपैसाचारिभरिलीजै चौरेतोरा-खिवामेंजोसजोदीजै।परबतजानाकिउनकोलेरमिलावै पर बतमेंजाय एकनाटककरना। अर्ककाफूलवाकोअंगलगाना चौतर्फीदेखिमानोंदरियासीउलटायग्रामअरुगोरस्तासारा बूड़ै मनुष्यअरुनारीमानोबहिगयेढूढ़ै॥

सर्पकोज़हर दूरहो॥

खासीसीसुन्दरदेखिहलदील्यानी तोलेतुलायतोला चारिजोलेनीचारिभीतोलाकियेतोनूनभीलेना नूनभीलेना किवाकोखूबपिसाना कपरैसोंछानिवासोंजलसोंपानी जल सोंपानीकवाकोबनमेंजाई बनमेंजानाकजहरसर्पकोजावै ज़हरसर्पकोजावैकदिनजोपावै॥

स्वरूपका बदलना॥

करिकैतलासकहूंगोहरीलानी वाकोजोलायवाकोसह तओपानी। दिनइक्कीसवरभीतरराखै लेबेकोछैरवाकीओषधिनाखै। ओषधिजोचारिचीज़ल्याजैभाई आमाजोहलदी नागरमोथाल्यावै मोचरसमँगायसेंधोनोनमिलावै। करिकैभेलीकिएकहांडीगाड़ै। महीनाजोसातवाकोपिण्डजो छाँड़ै पाछेजोकाढ़िवाकोघरमेंल्याना चावलजोएकखासा पानमेंखाना। पलटेजोस्याहरूपनरकोहोई सांचीजोबात करदेखौकोई॥

स्वप्नकीबातसच्चीहो॥

बनमेंतलासरूपारेलकोकीजै बैठीजोदेखिफेरासातजो लेना वाकोउड़ायवृक्षलकड़ीलेना धूपदीपदेकैवाकोअग्नि लगानाघरजोल्यायकेसूखाटकोकीजै शिरहानेराखिवाको परचौलीजै स्वपनाकीबातसर्बसांचीहोई बातजोबिचार देखिनिश्चयसोई॥

नावचलतीरुकै॥

करकेतलासकहूंबनमेंजाना बनमेंजोजायकालातीतर ल्याना तीतरजोल्यायवाकोपींजरेपालै हलदीमिलाय वाकोकाँगनीचुगाना काँगनीचुगायवाकीबीठजोलेनी बीठ जोमँगायवाकीबुरकीकरनी बुरकीमँगायवाकोनावमेंडारै चलतीजोनावरुकेदेखलेप्यारै॥

बाँझकोगर्भरहै॥

करकेतलासकहूंजायभाई कलीसीचिरीदेखिबनमेंजा ई। आल्योकिदेखिलीलासूतजोधरना राखैदिनबीसवाको

नाटिककरना पाछेंजोजायवाकोधरिजोल्यावै। बंध्याजो नारीदेखिबंदबँधावै दूधजोमिलायवाकोखीरखवावै। राखे षट्मासडोरोगलजोजाई रहवैहैगर्भजोवाकोचिड़ियासुनि आई॥ इतिनाटकभेदसंपूर्णम्॥

अथचेटकभेदलिख्यते॥

दो० तुमकहीसर्बससुनीसमस्तनाटकभेद। अबचेटक उपदेशकहिमिटैजीवकोखेद॥ अबचेटकसबकहतहूँसुन सर्बनकरिअंक। अबतुमनीकेसबसुनौराखिचित्तमेंचंक॥ बड़नीचैबड़देखिकैताकानौतैजाय। दीपदानकोल्याइयेअ-र्द्धरातिकेमाय॥ न्हायधोयअरुनग्नङ्खेवेधूपलगाय। पीछेवाकोलीजियेमनमेंप्रीतिबढ़ायो घरमेंलेपधराइयेअन धनकोठीमाहिं। देवइष्टजोपूजियेरहैलक्षिमीमाहिं॥

भूतप्रेतदूरहोयं॥

अश्वनीमाहींलीजियेअश्वनषतजुकहाय ताकीधूनी दीजियेभूतप्रेतभगिजाय॥

दीठमूठटलै॥

कृतिकाकड़ीमँगाइयेसमजोलोहमँगाय। ताकोकरमें राखियेदीठमूठटलिजाय॥

ऋद्धिसिद्धिबढ़ै॥

भरणीभादोंमासकीकृष्णपक्षजबहोइ॥ तामेंचेटककी-जियेजानतनाहींकोइ। चारकलशजलकाभरैचल्योजाय बनमांहिधरिएकान्तरआइयेदूजेदिनफिरजाहिंरीतोहोय सोल्याइयेभरोदेतछिटकाहिं। रीतौलायकेअनभरैधरैएक-

तरताहि॥नितउठिपूजनकीजियेप्रसन्नपूजनपाहि। प्रसन्न होयजबमातहीअनधनलक्ष्मीदोय । भगतिकरैपरसिद्धि होयसुखपावैनरसोय ॥

बांझकेगर्भरहै ॥

लेतनक्षत्तररोहिणीश्रावणकृष्णाहोय। तादिनचेटक कीजियेकलपावैनरसोय॥ कुम्भजोल्यावैतादिना नदीनि-कटचलिजाय। भरैझवकातोनदिशामेंनीरनिवाय ॥ सो जलप्यावैबांझकोतुरतपेटरहिजाय ॥

क्लेशहोय ॥

मृगशिरमारगजललीजियेताकोकरैउपाय। शिरपर डारैतासकैनिशिदिनकलहजोथाय ॥

स्त्रीवशीकरण ॥

लेतनक्षत्तरआदराकहुँतलावचलिजाय। मधिधंसिमा-टीलीजियेडुबकीएकहिमाहिं॥ माटीलावैगेहकोकहियेकहूँ जोनाहिं। शिरतिरियाकेडारियेबशअपनेहोजाय ॥

युद्धमेंजीते ॥

कीजैकारजजानिकैपुनरबसूकेमाहिं । युधजीतेहारै नहींकीजैयहीउपाहिं॥

स्त्रीवशीकरण ॥

पुष्यनक्षत्रमेंलीजियेकीजैयहजुबिचार । धोबीपदरज लीजियेताकोकरिउपचार॥ शिरतिरियाकेडारियेरबिदिन सांझसबारासोचाहैगीआपकोनैनाहोतअँधार ॥

सर्पदीखैं ॥

अश्लेखामेंकीजियेबांबीसरपतलास। जहांभरदीयो तैलभरिराखैमनैहुलास ॥ तादिनवाकोल्याइयेअपनेघरके

मांह बत्तीधरकैजोइयेधरिपीपलकीछांह ॥ जहाँजुफूलै चाँदनीजहांजुसर्पदिखाहि।डरैंलोगसबदेखिकैभैजुरहैंमन माहिं ॥ इतनोचेटकदेखिकैदूजेदिनफिरजाय। दीवाउठाय तबखोलिदैमायाबहुबर्षाय ॥

पृथ्वीकोधनदीखे ॥

मघानक्षत्रमाघशुक्लपक्षचौदसिहोय । चेटकताकोकीजियेनाजानतसबकोय॥ ताहीदिनकोपायकैचलोजायचन मांहि ॥

मंत्र ॥

ऊंशिरसिशूलनीमहायक्षनीपुष्पदेतीममकृपाकुरुकुरु फट्स्वाहा ॥ फूलझड़ैजोलीजियेअर्द्धरातकैमाहिं । पुष्पजो लावैगेहकोकहिबेकहूंजोनाहिं ॥ पुष्पजोलीजेहाथमेंजहां तहांचलिजाय । गड्योद्रव्यदृष्टिमेंपड़ैसुरतिलगैतहँजाय॥

बीसयोजनचलै ॥

श्रावणशुक्लात्रयोदशीसोमबारदिनहोय।पूर्वाफाल्गुणि लीजियेचेटककीजैसाय ॥ नदीनिकटहूंजाइयेकीजैतहांनिबास ।मुईजोमच्छील्याइयेसोवैसाषट्मास ॥ पारोशीसो हींगलूभरदैताकेमाहिं । कपरामटीपुवदीजियेजलमेंगाढ़ैताहि ॥ षट्मासतहँराखियेपाछेकाढ़ैताहि॥ जलकोगुटकाकीजियेजलमेंआंचलगाय । दूधभातनितखाइयेशुचिपुनिताकोहोय॥लैगुटकामुखमेंघरैचलैसायोजनबीश । फिरिकै पाछेआइयेजानोवाहदईश ॥

शत्रुउखड़ै ॥

हस्तनक्षत्तरलीजियेकीजैयहजुबिचार । सेंधानोनजोलीजियेताकोकरउपचार । मूरतिकीजैगणेशकीधरशत्रूको

नाम । न्हायधोयपूजनकरैजलसोंकरैपखाल । ज्योंतन छीजैतासत्याशत्रूलगैउखाल ॥

मोहनी ॥

चैत्रजोचित्रालीजियेसोधिसबनकोन्योत । कृष्णपक्ष कीअष्टमीतादिनकरअनहोत ॥ नौमीकेदिनल्याइयेधूप दीपदैताहि । कनैनुराखैआपकैतागुणकहतउपाहि॥ जहां तहांचलिजाइयेसोरहैंचितचाह ॥

बशीकरण ॥

स्वातिनक्षत्रमाघमास बुधाअष्टमीहोय । तादिनन्योते आककोचेटककहियेसोय॥दूजेदिनफिरजाइयेल्यावैंकूंपल तोरि । शिरतिरियाकेडारिये रहैदोउकरजोरि ॥

भूतप्रेतबोलै ॥

पौषविशाखालीजिये कृष्णपक्षतेरसहोय । जादिनचेटक कीजियेजाजानतसबकोय । पारसपीपरकीजड़पौषबदी तेरसिदिनन्योतिजै चौदसिकीरातिल्याजै अर्द्धराति वा- कलस्तेललेजाय नग्नहोयअस्नानकरै धूपदेबेबिधिपूजा करे पीपलकीजड़पहलींकरिराखै तबवहजड़लीजै कोऊ रोगीहोयअऊतपितृको देवहाड़ीकोभूतप्रेतडाकिनीकातौ वाजड़को घृतमेंआखै अंजनकरैतौबोलै बकुरैआछेहोय ॥

गर्भस्थिररहै ॥

अर्द्धसुपारीलीजियेअनुराधाकेमांहि । जाकोधूपजो दीजियेकडेबधावैताहि । त्रियागर्भशरवैनहींरहैजहाँको ताहि ॥

क्षीरजस्रवताहोय॥

लेतनक्षत्तरजेष्टाअरडूसाकेमूल । ताकोलाअरधूपदैव

हहोवेअनुकूल ॥ ताकोचेटककीजियेकटितिरियाकेबांधि।
गयोफूलपीछोफिरैदिनातीसकेसांधि ॥

अजतपित्तकोदोषनाय ॥

मूलनक्षत्तरलीजियेमूलताडकोल्याय। ताकोचेटककी-
जियेघरमांहीपधराय। अयुतपित्तकोदोषहोयसर्वदोषमि-
टिजाय ॥

कार्यबिगड़े ॥

लेतनक्षत्तरपूर्वादिनशुक्करकोहोय।सातशूललैबबूलके
ताकोचेटकसोय॥सातभांतिकोरेशमघनोसातशूललिपटा-
य। जाघरगाड़ेभूमिमेंकोईकामनहिंथाय ॥

शत्रुकोदेंहगलै ॥

उत्तराषाढ़जोलीजियेकीजैयहीबिचार।सातशूललैगा-
ड़ियेपैड़ूलाकेमांहि ॥ ज्योंतनछीजैशत्रुकोत्योंपैड़ूलौगलि-
जाय ॥

बांझपनादूरहोय ॥

श्रवणनक्षत्तरलीजियेस्याहअरगडकोमूल। तादिन
चेटककीजियेहर्षहोयअनुकूल ॥ ताकोजड़कोल्याइयेधूप
दीपदैताहि। गलेत्रियाकेबांधियेबाझदोषमिटजाहिं ॥

बशीकरण ॥

लेतनक्षत्तरधनिष्टाशनिदिननिश्चयहोयामूलबबूलको
ल्याइयेचेटककीजैसोय ॥ शिरडारैनरनारिकेसोअपनेबश
होय ॥

वस्त्रगलवाकोचेटक ॥

शतभिषामेंलीजियेशीशोतोलाचारि। ताकोलैकैताइये
करैकटोरीडारि ॥ चीनीखांड़तामेंभरैचूर्णबाजरोमेलि

करिनिग्रैजाइयेताकोसींचेतेलि ॥ वाहिकटोरीगाड़ियेदि-
नातीसपरवाहिं। वाकोल्यावैजायकैगड़ैबजाजघरमांहि।
कपरेबकुचेसबगलैंजानतकोऊनांहि ॥

अनुभव ॥

लेतनक्षत्तरपूरबापूरबदिशिचलिजाय। प्रातसमयमेंजा
इयेकीजैयहीबिचार ॥ गावबाहरसोंमिलैबातजोपूछैताहि
सोसांचीहीजानियेटलैनएकोनाहि ॥

अनुभव ॥

उत्तराउत्तरजाइयेगांवबाहरचलिजाय। सुनैशब्दति
रियामिलैसांचमानियेताहि ॥

तथा ॥

लेतनक्षत्तररेवतीपश्चिमदिशिचलिजाय। सुनैशब्दचौ
पगतनौपाछेफिरकैआय । इतिश्रीउमामहेश्वरसंबादेचे-
टकविद्याभेदसम्पूर्णम् ॥

अथबंधभेदलिख्यते।

हंसगतिछंद। तांबेश्वर ॥

तांबातोलातीनितोलकैलीजिये। रससेहरहोल्यायटंक
द्वैदीजियै ॥ चारटाकतिलीकातेलसोयरे । हरिहागजपुट
दीजैआँचतौंबेश्वरहोयरे ॥

नागरस ॥

शीशौलेअधपावतावदेगलाना। दैलकड़ीकीआँचठेकरे
टालना ॥ सैमलकुतकालायकैरगराखूबरे। हरिहासुन्दर
बनैनागरसखावोमहबूवरे ॥

हरताल ॥

थूहरइसमल्यायवाकोपालिरे। माँहिभरैहरितालऊप

रिसों बोलिरे ॥ देखानाकीआँचघडीद्वैचारिकी । हरिहा सुन्दरबनी हरितालिकिकलीअनारकी ॥

रूपरस ॥

हरडबहेड़ाल्यायकरौवाचूनरे। भरैकोथलीमाहिंकमुहँरामूंदरे ॥ करेकलीकाटूकमोहिंधरराखना । हरिहाँसूक्षम दीजैआंचबहुरनहिंचूकना फरदबेलमँगाय कि लुगदीकीजिये। चाँदीतोलोएकमाँहिधरिदीजियै॥ पहरदोयकीआँचलगावैखूबरे । हरिहांरूपरसहोजायखावोमहबूबरे ॥

मृगांग ॥

गंधकपारोमिलायएकरसकीजिये । सोनोलेवैचारमाहिँधरिदीजिये ॥ देकोलोंकीआँचकिधौंनीचौकिये । हरिहां खूबबनीमृगाङ्कखावोमहबूबरे ॥

लोहसार ॥

फ़ोलादलोहमँगायकिवाकूंरेतना । तिनदैधवनिकी फूंककि कोलाफूंकना हरिहाँसुन्दरबनीलोहसारखावो महबूबरे ॥

अबरक ॥

गुड़पुरानोल्यायकैसोराखाररे । पतरालेप लगायटंक दशभाररे ॥ ऊपरआँचलगायकि अबरककीजिये। हरिहाँ सरदीगरमीजायखावोमहबूबरे ॥

अञ्जन ॥

कार्तिकफलजुमँगायजस्तपललीजिये । मेहदीरसमँगायकरगरादीजिये॥ताकीखाकबनाय कछूनहिंकामकी। हरिहाँ नैनाअंजन आँजदुहाईरामकी ॥

खाक ॥

करैकलीकीखाकपीतलजोलीजिये ।पारोतोलाएकमां हिंधरिदीजिये ॥ देलकडीकीआंचघडीदोयामकी । हरिहां सुंदरबनीयहखाकसर्वहीकामकी ॥

गंधककातेलबनावन ॥

गंधकतेलकढाययुक्तकरिकाढिरे। गंधकदीवामाहिंचूर करिराखना॥ऊपरप्यालाबराखितारसूंबांधना॥ दीपकआं-चलगायकिनीचैराखना। अर्कचुवाययाभांतिकाहूनहींभा-षना ॥ हरिहांशीशीकेमांहिंयुक्तिकरिराखना॥ हरिहांदांत कंठाहोजायरत्तीभरचाखना ॥

पाराबिधि ॥

सुंदरहांडीमांहिंल्यायभरिराखिरे।पारोतोलाएकमांहि धरिसाखरे॥ यंत्रहांडीबनायकपरैपुटरीदीजिये । हरिहां चारिपहरकीआंचपारदकोलीजिये ॥

सिंगरफ ॥

कुवारपाढामंगायकिसुंदरछोलना । बिचमेंसिंरफराख ऊपरसोंकीलना ॥ सवासेरलेतेलतिलीकासोयरे । हरि हांचारिपहरकीआंचसोसिंगरफहोयरे ॥

लोहवान ॥

सुंदरलोहवानदेखिकैल्यावना॥ भरैडीवसामाहिंऊपर सोंतावना ॥ दीपकआंचलगायथालीढांकना । हरिहांया बिधि नीकातार युक्तिसोंढांकना ॥ इतिबंधभेदसंपूर्णम् ॥

अथबिधान भेदलिख्यते ॥

तांबेंकीखाकबनाइये अरधरत्तीभरपानमेंपावै आगमें

डारनपायकैलीजैपानीमें डारितिरियाकेवाको तीक्ष्णखा-
रतजै नरचातुरअन्नअहारबिचारिकैकीजै पुष्टशरीरबनै
जिनकोअतिसांझसबेरे दूधदूपीजैयहनाजो पानकरायकै
काहूकोनागबेलोमेंरतीभरदीजै खानपानतजैसर्बहार जो
दूधभातको भोजनकीजै बलहोयशरीर बनेजिनको अति
दिनासातयहसाधनकीजै ॥

बंग ॥

बङ्गसदाशिवकोगुणदायक खायनपुंसकमर्दभयेहैं ।
खारसुखार सबैनरछांड़त बलपुष्टशरीर अतुलभयेहैं ॥
आगिगुदालौंजोपानकरै षटभांतिकोभोजनदूरिकियेहैं ।
दिनसातमेंकामसुधारतनीके अत्यंतनपुंसकमर्दभयेहैं ॥

रूपरस ॥

रसरूपबिधानकहूंनरएकरतीभरपानमेंताहिजोखावै।
कफअरुकासश्वासहरै सबलागतिभूखतकामजगावै ।
अतिगर्मजो शर्दकीहानिकरै सबअन्यजोरोगको तुरतन-
शावै।ताहीतेजानकरोयह साधननिष्ठशरीरकोपुष्टकरावै ॥

पारदकेगुण ॥

पारदकोगुण अपारकह्यो नरडारिकैखाक जो पानमें
खावै । एकरती वा दोयरतीभर पांचरतीलौं पांचन पावै ।
रोगहरैसब बायुबिकारखरबारसफ़ोदरदूरिनशावै। पथ्य
कुपथ्यकरैनडरैजैसेजागतचोरकभीनहिंआवै ॥

सिंगरफ ।

सिंगरफकेगुणजानतनीके प्रीतिलगायकैपानमैंखावै ।
औरसबैअतिलागैंफीके चावलएकचिरौंजीमेंखावै । कर-
तकल्याणआपनेजीको खारसुखारसबैबिसरावै ॥

सोनेकीखाक ॥

सोनेकीखाकबनायकेसुन्दरचावलएकचिरोंजीमेंखावै। शरीरसुपुष्टबढ़ैअतिबीरजलागतभूखअति कामजगावै। स्वासहुखाससफोदरऔदरआदिजलंधररोगनशावै।

हरतालकेगुण ॥

हरतालकेगुणअगाधबतावतचावलएकप्रमाणभयेहै। पानमेंखातमिटैसबव्याधिहिदूधरुभातकोभोजनकियेहै। होयजोपुष्टबँधैअतिबीरजबीरजराखिसमाधिभयेहै। और तौगुणनिकीगमनहींपरजानिपर्योतोसोदीललह्योहै ॥

अथपारदकेगुण ॥

पारदकेगुणअपारकहैं नरजानहुंजानअजानहुंछानै। खानहुपानबिचारिकैकीजैनिश्चयसोबातजीवमेंआनै।गुरुकेगुणखानिभर्योसबजातहिहानिजोवृद्धिकहामनिमानै। औरतौगुणकीगमनहींपारदकेगुणसादरजानै ॥

तथा ॥

पारदबहुभांतिकीखाकबनायकैसारदगुणप्रमानकीयेहै। चावलएकचिरोंजीमेंखावतभावतसोपैपानकियोहै। बलअतुलबढ़ैअतिबीरजबंधपुष्टअहारकभूंनकियोहै। रोगहुव्याधिकरैसबदूरिसकरसोंखायबहुबर्षजियोहै ॥

अथगंधकबिधि ॥

गंधकअर्ककीखरखसुनौनरएकरतीभरपानमेंखावै। अतिदुरावकपाचिकजाचिकसोयहपायखट्टादानअमावै। दिनासातजोनेहतजैसबलोंनहुनाहिंअलोनोहिखावै ॥

लोहबानबिधि ॥

लोहबानैजोपानमेंखावतलावतऋतुजोग्रीषमआवै।

अतिशीलसुगंधरहैउत्तरभीतर पाचिकअन्नकरहुनखावै ।
नयनअरुणरहैंनिशिबासर आलसदूरिकरैउनमतपावै ।
सुक्खशरीरकरैअतिदीरघमनमस्तरहैलोहवानकोखावै॥

अथसंबलखार॥

सोमलखारअपारकह्योनरजोगुणवाहिप्रकाशभयेहैं।
तापकोपायसंतापसियाकोऔरनपुंसकमर्दभयेहैं। डोडेमें
खायडेढ़जोचावलबलबीर्य्यवृद्धिसोबालभयेहैं॥

अबरकविधि॥

शरदीमेंलौंगमिलायकैखाय तौगरमीमेंमिश्रीमिलाय
लियेहै। शीतमेंपीतसीनागवलीसे अबरकरत्तीदोतीनलि-
येहैं। शीतमेंअंगसुभावसदाशरदीमें गरमीगरमीमेंशरदी
आनोंपानभयेहै। जोअंगमेंअतिशीतजोव्यापतताहिबि-
चारनोपानगहेहैं॥

मूंगाकेगुण॥

प्रबालकीखाकबनायकेसुंदरएकरत्तीभरपानमेंलीजै ।
खारसुखारतजैसर्बलौनहिजानिअलोनोहीखाजै। पुष्टश-
रीरबढ़ैअतिबीरजनारिकोसंगकभूनहिंकीजै। गरमहूंश-
रदकभूनहिंखावतसातदिनायहसाधनकीजै ॥ इतिबंध
भेदसमाप्तम्॥

अथबिधानभेदलिख्यते॥

अथसिंदूरबनावन॥

शीशाअधसेरजुर्लीजै सोरापावमिलावै।तामेंचूनासी-
पमगावैएकबडोठीकरोल्यावै । ताकोचूल्हैआंचलगावे
तामेंफिटकरीतोलोदेह पहरएकआंचमेंलै हवाकोस्याहरंग
जोकीजै। उतारिठीकरोभूमेलेताकोरगराखूबलगावै। जब

स्याहरंगजोआवै। लोहकरछीसोंखूबछुडावै। उतारोलाल रंगजोहोई । याबिधिसिंदूरजानैसोकीज्योकोई ॥

हींगलूबिधि।

सोमाटीकीसीखजलीता केमध्यजोरजोदीजैपारागंधक ल्यावै। ताकोबरोबरतौलिखिलावै वासीपजुमांहींभरना तामेंमासोहरतालजोकरना एकघडामाटजोलीजै। तामें बालूरेतभरदीजै। वारेतमेंसीपजुगाडै। जबवाकोचूल्हे धरिछांडै। पहरचारआंचमेंदीजै। पीछेठंडोकरिकैलीजै। सुंदरसिंगरफयहिबिधिहोय। योंचातुरकरलीज्योकोय ॥

अथलीलाथोथाकीबिधि।

तांबाकीकूडीजोकीजै तामेंछाछदहीभरदीजै । मुरदा सिंगीडारैतामैं धूपमेंधरिकैताकोगालै दहीमनएकजोली-नो तामेंमुरदासिंगभरदीनो। ताकालीलाथोथाहोय। या बिधिकरैजानैजोकोय ॥

अथकपूरबनावनबिधि।

एकतांबाकीडिब्बीलीजै तामेंफिटकरीतोलोभरदीजै। औरकपूरबरोबरल्यावै। दोऊडिब्बीमांहिभरावै । वाके ऊपरसंपुटकरना सीजतमेंखिचरीकेधरना। यहआंचदिन दोयजोदेना अपनेहाथकपूरकरलेना ॥

अथ साजीबनावन बिधि।

जोकोईजङ्गलीखारमँगावै ताकोसज्जीमाहिंमिलावै। तिलकीलकड़ीमेंजोकीजै ताकोभरिमटिकामेंदीजै। ताको मुक्तीआँचलगावै ताकीसज्जीहीबनआवै ॥

अथ जंगालबिधि।

होयजँगालजोयाबिधिकीजै एकपात्रताँबेकालीजै।ब-

हिरूकुचलादहीमँगावै ताकोपात्रमाहिँभरवावै। तामेंमुरदासङ्गमिलावै बहुरधूपकेमाहिँसुखावै। दिनाबीसकी आँचजोदीजैजंगालयाबिधिसोंकीजै॥ दोहा॥ मुरदासिङ्गजोलीजिये मुकतौदहीमिलाय। ताँबापात्रजोघोलिये दीजैधूपसुखाय॥

अथ जौखारबिधि।

सुन्दरखारीनोनमँगावै ताकोझीनोबहुतपिसावै। ताकोभरिभरिमूठाबाँधै पानीसोंलैकैतिहिसाधै। तामेंलकड़ी बेझकरावैताको छानाआँचलगावै। तिनकोबाटीकीबिधिसेकै।तबजाकेबाज़ारमेंबेंचै। दाममिलैंपल्लामेंऐचै तामेंदशांश पुण्यहूकीजै॥दोहा॥ खारीनोनमँगायकै सुन्दरबहुतपिसाय। मूठासेकैआगमें जवाखारबनजाय॥

अथ पीपलबनावन।

लाकेउड़दचूनपिसवावै तामेंराईलेरमिलावै। जलसंलेकरताकोसाधै वाकोपीपलसीकरिबाँधै। बहुरोकारीमिरचमँगावै ताकोपुटवापरचढ़वावै। तापरतेलहाथजोफेरे ताकोबेचनजायअँधेरे॥दोहा॥ उड़दचूनपिसवायकैराईमाहिंमिलाय। मिरचनकापुटदीजिये लीजैतेलफिराय॥

अथमूंगाबिधि।

खासाशङ्खचूरमँगवावै ताकोसिँगरफमाहिँमिलावै। चँदरसमेंत्यहिखरलजोकीजै मूंगासेफिरमनियाकीजै। बहुरधूपमेंलेरसुखावै ताकोरेसममाहिँपुहावै। सुन्दरगलाबीचवहसोहै नरनारीकेमनकोमोहै॥दोहा॥ सङ्खचूरमँगवाइयेसिँगरफमाहिँमिलाय। चँदरसमनियाँबाँधिये दीजैधूपसुखाय॥

अथचंद्ररसबिधि।

जोकोईचँदरससाँटमँगावै तामेंमनियाँखूबबनावै। नौ पटेकीसाँटजोलीजै ताकोकाँटोदूरिजोकीजै। आँगुलचौड़ो बेझबनावै तामेंमनियाँनीकेमावै। सावरकीखालैंजोलीजै ताकोमनियाँऊपरदीजै। सनेसनेसारजकोफेरै ताकोनाहिँजोचमरामेरै। हलकेहाथनसोंजोचावै तौमनियाँकेआबजोआवै। पीछेझीनैतारजोलीजै वामनियाँकेछेदजोकीजै। ताकीमालासुन्दरहोई जाकोरेशमडोरेपोही॥दोहा॥ चँदरससाँटमँगायकै मनियांखूबबनाय। साबरचर्ममज्जनकरै मालातुरतबनाय॥

कपूरकी माला बनावन बिधि।

जोकपूरसुन्दरमँगवावै ताकोहाँड़ीमाहिँभरावै। नीचे वाकेआँचजोकीजै ताकेऊपरजलभरिदीजै। ताकोआँचजो मधुरीदीजै घरीदोयमेंउतारिजोलीजै। वाहीसमयचूकनहिँजावैसाँचोलोहकोतुरतमँगावै। भरिभरितामेंमनियाँकाड़ै ताकोडोरेपोयकेछाँडै॥दोहा॥कपूरसुन्दरल्याइयेभरेडेरूयन्त्रकेमाहिँ आँचदेरिउतारियेमालातुरतबनाय॥

फिटकड़ी।

श्वेतफिटकरील्यावैभाई ताकीमनियाँखूबबनाई। ताकोस्यारबेझलैकाढ़ै ताकोलेचँदरसमेंछाँड़ै। वाकोधूपकीआँचजोदीजै ताकेमनियाँपोहिकैलीजै॥दोहा॥ श्वेतफिटकरी ल्याइये मनियांखूबबनाय। चँदरसताकोदीजियेलीजेधूप सुखाय॥

सेंधौनोनकोकटोराबनावनबिधि॥

आछैसींधौनोनमँगावै ताकोघसिकैडोलबनावै। पाछे पुरानोकपरोलीजै तासोंघसिकपरोटीकीजै॥दोहा॥सेंधौ नोंनमगायकैघसिकैडोलबनाय जलकपड़ेमंजनकरै सेंधौ हीबनजाय॥ कस्तूरीबनावनेकीबिधि॥

नाफौटंकजोचारमँगावै तासमपीछेपोईल्यावै। मोथा रसएकपावजोलीजै तासमवाकोकाढ़ौकीजै। फेबोलकोगूंद मँगावै टंकचारिपानीजोकरावै। कुटकीमासादोयजोलीजै कुटकीकोलैवामेंदीजै। सबकोकूटिकरिइकतरकरना एक बांसकीभोंगलीभरना। रंगश्यामजोवासमकीजै याबिधि कस्तूरीकरिलीजै॥दोहा॥ नाफौटंकजोचारलैपोहीमाहिं मिलाय।बबूलगूंदमँगायकेकुटकीमांहिं मिलाय॥

केसरबनानेकीबिधि॥

एकसेरजोमोठमँगावै ताकोपानीमाहिंभिजावै। ताके तांतूछूटैसोई जाकेबिरहाफूलिकैहोई। तिनकोछायामें सुखरावै ताकेतांतूसबझरिजावै। नाकूवाकेसबचुनिलीजै वाकीकेसरियाबिधिकीजै। पाछेकेसफूलमँगावै ताकोसुंदर खरलकरावै। ताकोसबजोलेईसोई दीजैजलमेंउनकोभेई। सज्जीपापरखारमँगावै ताकोसुंदरलैरपिसावै। ताकेमाहिं सोडारैसोई मासदोयपाछेकेसरहोई॥दोहा॥ बिरहामोठ काकीजियेताकोलेयझराय। रँगकेसूकोदीजियेपापरखार मिलाय॥

अथअफीमबनानेकीबिधि॥

सेरदोयजोपोस्तमँगावै ताकोपानीमाहिंभिजावै। वाको

खूबजोरगरादीजै वाकोपानीछानकेलीजै।तामेंयेल्योंलवों सेरमँगावै पावएकजोकुचलालावै । तेसबबांटिकैमाहिं मिलावै ताकोकोरोकूंड़ोल्यावै । तामेंसारीबस्तुजोकरना ताकोलेकरधूपमेंधरना । आछौखैरीगूंदमँगावै ताकोलैके मांहिमिलावै। अलसीतेलमेंखूबपिसावै गोभीकेजोपानहु ल्यावै। ताकेऊपरलैभुरकावै याबिधिसोंअकोमबनावै ॥ दोहा॥ अमलछोंतरालीजियेएल्योदेतमिलाय । औरजो कुचलौगूंदलैअलसीतेलमिलाय ॥

पाराकेकटोराबनावनेकीबिधि ॥

पावजोपारालीजिये तासमकलईदीजै वाकोमोमको सांचोकीजै ताकोतायसांचेभरदीजै ॥दोहा॥ पारोकलीमि-लायकै दीजेआँचलगाय। सांचेभरिकैढारिये करटोरीबन जाय ॥

नोनकोकटोराबनावन ॥

अछौसांभरनोनमंगावै तामेंगाजरबीजमिलावै। वाको सहीकटोराहोय ताकोसांचेढारैकोय ॥ दोहा॥ सांभरिनोन मँगायकेगाजरबीजमँगाय । सांचोथापैताहिकोबनैकटोरा जाय ॥

शंखदरयावबिधि ॥

नवखांरजोताकोअर्कदूधमेंदीजैराखेदिनसातपांच । जो सोईपाछै जोकाढ़ैताहियंत्रपतालीधरना ताकेऊपरआंच जोकरना ताकेनीचेअर्कजोझरना । चीनोप्यालोभरकेलेवै सोईशंखदरयावकहावै । कहींवायरोगजोहोईसांसखास सकोदरसोई औरगुनहूंकरै अपारा जाकेजानैगुरुगमसारा

दोहा॥ नौसबखारमँगायकैअर्कदूधभिजवाय यंत्रपतालौ कीजियेलीजेअर्कचुवाय॥ इतिश्रीबिधानभेद सम्पूर्णम्॥

अथबिधिसंयुक्तनाड़ीभेदः॥

चौपाई॥ सुमतिसरस्वतीसुमिरिये सुधिचितहीआनै। पित्तबातपुनिश्लेषमजानै। देखिधामिनीकोपहिंचानै॥ कहैंतिक्तउष्णकेखान। सोनागरपरखतयहजान॥ काकसालूसमचंचलनाड़ी। चपलचित्तजोचलैउघाड़ी॥ दूध दहीपुनिबिश्वाखाय। यहसुभायजातेसुनिभाय॥ प्रातसँमयमेंपानीप्याय। जाकीनाड़ीकफघरथाय॥ खारोखायस पूरणनाड़ी। मिष्ठखारफलपित्तपखाली॥ पित्तपापिनीहोय संताप। बातपित्त पायाहोयबात। चलतीचलतीकुलंगज्यों कूदै। हंसमयूरकीगतिज्योंसूधै॥फूलधनियांजीराभखिया। वाघूघूकीचालपरखिया॥ मिश्रीगरीसुखजीराखाय।बातपित्तकाभेदबताय॥ पित्तनाड़ीकहुंकफघरबास।जोजानियेबैद्य घरहुलास॥मक्खीहीआवैजोभारी।फिरपीछेकफकैघरप्यारी॥पानीशरदीहोयअलाप पितनाड़ीयहलक्षणकलाप॥बेट रक्तजोधमनीजान।बातपैकोपैशीतलखान॥शीघ्रचलैशीतल ताआवै। बातपित्तकोभेदलखावै॥भूखमेंकोखैचपलहोयचालै। रक्तउष्णकीजानसँभालै। तपऔरनिरखाबहुतअहार। सोबेगवतीममबेगअपार॥मिष्टअरुदूधदहीपुनिखाय।पंछी कुलंगजुकूदेताय॥ शीतलभोगकपोतज्योंजावैजबनाड़ीक फकेघरआवै॥ कफश्लेष्मदोनोंएकरास। शीतबातखाया ह्वैश्वास॥ क्षुधाहीनपुनिबलबहुदेहा। गुप्तनाड़ीपलमेंन सनेहा॥

अथत्रिविधिनाड़ीलक्षण।

चौपाई॥आदिचलैजेपित्तकहीजै। मध्यमश्लेषमजानैलीजै॥ अंतहोयसोबायबिचारै। त्रिबिधिनाड़ीलक्षणसारै॥ श्लेषमवन्तनाड़ीपरभात। दूजैजामिथ्यापितजात॥तृतीजैजामकेबायुबखानि।पुनिसंध्यामेंपितहीआनि॥नागसुरतिबायुकीनाड़ी। चपलचित्तज्योंचलैउघाड़ी॥ मंदमंदश्लेषगतिसंध्या। तीनिलक्षणनाड़ीकावंध्या॥ सोरठ॥ नाड़ी एकसौसातजानिजानिचौबीसतन।प्रथमहिंजानोजातआवहुबेगरुबाहिनी॥दोनौंदोनजनायथानकभिष्टकुरंगज्यों। पुनिआवैयहभाय मेड़कज्योंपक्षीफिरै॥चौपाई॥ रहिरहि पुनिहलकेहींहालै। नाड़ीप्राणनाशनीचालै॥अतिक्षीणबल होयवशीत। सोजीवतीजोकरैनिरजीता॥दोहा॥ जुरकैकोपै धामनी बेगउष्णताहोय।कामक्रोधपुनिबेगहोयचिंताक्षणीमयसोय॥मंदागतिचपलीचलैधातक्षीणहोजाति अंसपूर्णते उष्णताभारीगरईभाति दीपकअग्निलखुबहैपुनिबेगवती भेद।मुखमाहींथिरताह्वैबलवंतीउनमेद॥मंदमंदपुनिशीतलताव्याकुलथिरताधाम।बदतिधामनीसुखमनाचलैक्षीणयहनाम॥सोरठा॥पंचभेदयहजानिलक्षणनाड़ीकेकहै। समझबातउणमानपाछेचिकित्साकीजिये।भार १ खेद २ मल ३ मित्र ४ चिहुठ ५ कुरकर ६ चिन्हलेतसब जानि आठनना लक्षनैसबै॥सोरठा॥ब्याकुलमलपितदेनभारखेदमलशीलता शीतलसुखमेंलेनचिहुटकुसुममेंथीरता॥ भोजनमिष्ट करेनतातेसेवेपित्तमा॥ अथवागानधरेनपितलक्षणहोयजिसयकी॥ चौपाई॥ पित्तदग्धजोकिसीकेहोवै। तातेनाड़ी

वहथिरजोवै॥ देहमहाबलतनजोघटै। रोमकमैंक्षुधापाणि मिटै॥ बातदग्धकीनाड़ीचंचल। रक्तबिकारतेहोवैअंचल॥ इनपरदेखौनाड़ीसारी। पेखिबैद्यतुमकरोबिचारो॥दोहा॥ पित्तपिंगुकफबंगुवैरक्तधातुपुनिजाय।बायूसीनाड़ीचलैता कीपितघरथाय॥ चौपाई॥ कामक्रोधपुनिहोयस्वक्रीड़ा। बायथकीपुनिहोवेपीड़ा॥प्रातसमयलनहोवैक्षीण।तनजो क्षीनरोगहोयक्षीण॥ पित्तनाड़ीएताउतपात॥स्वरभंगेम-न्दागतिजाततीक्ष्णखारस्वाँसपुनिथाय। धातुक्षीणहोय निश्चैजाय॥ कण्ठशोषअधरपुनिसूकै इत्यादिकलक्षणये जानैं। बैद्यधन्वतरकोसममानैं॥ इतिपित्तनाड़ीपीड़ाल क्षणसम्पूर्णम्॥

अथबायुनाड़ीलक्षणवर्णनम्।

दोहा॥ सनिसनिसांनाड़ीचलैबकरतहीपुनिबीत। हृदयधवलदेंहशीलताक्षीणकरैभैभीत॥क्रोधउदेगहकाम थिरचिन्ताभयमदक्षीन।मन्दअग्निमंदैचलैबायझिकौला दीन॥ रोधरूपपरमाक्रोधशीतबिचलतानैन। देहथकै अरुबलघटैभोजनकीनहिंपैन॥ इतिबायुनाड़ीभेदः॥

अथकफनाड़ीलक्षणम्।

चौपाई॥ हंससखीएकैगतिहीड़ै। तबनाड़ीकफकेघर मीड़ै॥ भारीहोयशीतलनाराखै।थिरथिरबहतिमृत्युसोई भाखै। तप्तउद्वेगवृद्धिकीनारी सुखराखैकफनाड़ीप्यारी॥ सन्निपातकोभेदलखावैसोनाड़ीकफकेघरजावै॥ दोहा॥ रहिरहिनाड़ीसोचलैसोवहप्राणहराय। पुनिक्षीनशीतल चलैसोयमघरलेजाय॥ चौपाई॥ ज्योतिहीनश्वेतहीयआ-

मापूरनगोबतावै । सामाचक्रबिलोकैनेत्रजेजोवै कफकोपै यहलक्षणहोवै ॥ इतिकफनाड़ीभेदः ॥

अथचिदोषनाड़ीलक्षणवर्णनम्।

दोहा ॥ तीतरलवाबटेरसीइंनहीगतिजेजाय। सोनाड़ीत्रिदोषकीरोगतनक्षयजाय ॥ तंत्रानिद्रामोहबशव्याकुलतामेंआय।भग्ननेत्रअरुअरुनपुनिरक्तबरणहोयजाय॥ नेत्रदोषबलिजानिकैवहत्रिदोषपहिंचान।उष्णनाड़ीपुनि तापकीरुधिरअधिकसुखपाय ॥ गरुईसामग्रीधसीतामें दियोबताय । परिहामुखकीछबिभईकृष्णफिरैपुनिभाय । बिकलनैनहोयदेहमेंसुखनहिँपावैथाय॥ मैनउतफूलबाय थायउनमादहोय ॥ रोगीकोरोगजानिबैद्यसाधई । इति नाड़ीभेदसम्पूर्णम् ॥

अथबैद्यकभेदलिख्यते। छन्द ॥

नाड़ीभेदकह्योमैंतोसूं नहिंरास्योंकछुछानैरे अथबैद्यककोभेदबताऊंसोसुनियोदेकानैरेश्रीधन्वन्तरबैद्यकसारी जाकेभेदजोभारीरे औरनिदानबैद्यकजीवनमें कहींधन्वन्तरसारीरे गुड़कीगोलीतीनबनावै नीबपानलेढ़ाईरे बाँधिबाँधिदैरोगीसोगीजोकोईखावैवाहीरे हरैतापअरुरोग तिजारीसीया दाहअरुनाहरूरे सोंठिसुहागासिंगरफ सीधोबायबिडंगलैकालीरे हरदीमिरचीहींगपीली चित्रक औरजमालीरे बाँटिकूटिकैगोलीबाँधै खासाठंडेपानीरे एकरतीपरमानबतायो दियारोगसबजारीरे कफऔरखाँसीबायचौरासी देवेप्रातउदासीरे अष्टदाहबधाजुरंगवावै सातदिनामेंजाखाँसीरे औरउपायकहूंमैंतोसों सोसुखको

अतिकरतारे सोनामक्खीअरुरेवंतचीनी औरनिसोतमि-
लावैरे बाँटिकूटिकैकपरौछानैडेढ़पैसाभरिलावैरे भैंसि-
दूधसेरडेढ़मंगावै ताकौंलैऔटावैरे औरतीसरौत्याहजु
तामैं पाछैलेरउतारैरे भरैकटोरीपुड़ियाडारै पहररातिको
प्यावैरे मानउदैमैंरेचकलागै दिशामहूरतजावैरे दोयप-
हरज्योंराखेरेचकतूरीकीदालिरंधावैरे एकरसतापतली
खासा तामैंमिरचीनौन मिलावैरे भरैकटोरीताकोपीवैठंडी
छायासोवैरे महूरतिपोछेरे चकलागैरोगदोषसबखोवैरे
भातदही अरुमिश्रीसोताकैऊपरिखावैरे औरउपायकहूँमैं
तोसोंहोयमरदीबहुभारीरे लालशरीरसिंगरफसी देहीं-
बलभीमसोहोवैरे तालमखानागदबावची ईसबगोल
मंगावैरे नागरमोथाअमलीचीयांबीजबन्धलैपावैरे कौंच
बीजमस्तंगीलैना धौलीगूंदमिलावैरे बाँटिकूटिकरिकपड़े
छानै धरैएकन्तरसारीरे घृतखांडबरोबरलैनाभरराखैएक
पारीरे तीनदिनालोंकोठीराखैपीछेभोगलगावैरे कटैव्या-
धिजीवकीसारी दिनइक्कीसलौंखावैरे जाकीलेकैगोली
बाँधैपांचपैसाभारीरे पुष्टशरीरसिंगरफसीदेहींनरखावै
भावैनारीरे ॥ उपायशिरबाय।

मासाभरितौराईलीजैतामैंबचमिलावैरे मोठभरिआ-
फीमजोलीजैमाथेलेपलगावैरे मिटैदुखसबाधिजुहोवैफेर
दुःखनाहिँपावैरे ॥ उपायरूलाको॥

कुकुरभंगराबीजमँगावैताकोखूबबनावैरे बाँटिकूटिकै
कपड़ेछानै शिरपरमिटैदुखतहीरूलारे ॥

उपायआधाशीशी॥

गोघृतसेतीसोराबांटै ताकीनासजोदीजैरे मिटैदुःखयेही सबभारीयहउपायकोंकीजैरे॥

कानदूखनेकोउपाय॥

बीकामालीतुरतमँगावै घृतमांहीओटावैरे वाकोलेकै भरेकानमैंतुरतदुःखमिटिजावैरे॥

उपायमुखछाया॥

अमियाहलदीलीजैप्यारे सींधौमाँहिमिलावैरे कूटबरोबरलेनासारी फिरनींबूरसपावैरे करैलेपऊपरमुखजबहीतबहीछायाजावैरे॥

कीलजानेकाउपाय॥

सरसौंसेंधौलौंदबचजोए औषधसबलेवैरे करैहानि कीलतबहीमुखपरलेपलगावैरे॥

नेचदूखनेकाउपाय॥

बदामकपररतीभरल्यावैताकूंखूबपिसावैरे भरिअंगुलीअंजनजोआँजैदुखतआँखिरहिजावैरे॥

कंठबेलकाउपाय॥

कंठोलकंदकहींसूल्यावै ताकूंघस्यैलगावैरे कंठमाल कोदुखहरै सबदिनासातदौसलगावैरे॥

हूकजानेकोउपाय॥

चनाकौखारचनाभरिलीजै खाँडमेलिकरगोलीकीजै शैनसमयभक्षणलैकरना प्रातसमयमेंशुचिसूंरहना॥

डाढ़दूखनेकाउपाय॥

सुंदरभातसुन्धिकौराधै तामेंशकरमिलावैरे गोघृत

सेतीभोजनकरनारातिपरैजबखावैरे भोजनकरकुल्लान-
हिँकरना दुखतडाढ़रहिजावैरे ॥

बिभूतकाउपाय ॥

पवाँड़बीजठंढेनकीलकड़ीघसिकैलेपलगावैरे जाय
बिभूतअंगकीतबहीतुरतसमाधिहोयजावैरे ॥

बवेसीरकाउपाय ॥

गंगापारतमाखूल्यावैचूनौमाँहिमिलावैरे बाँटिकूटिकै
पुड़ीजुबाँधैगुदाजोधूनीलावैरे मुसकौरोगमिटै गोतबहीं
रोगबवेसीजावैरे ॥

दांतहलताहढ़होय ॥

लोहचूनआलकाफललेताकीराखबनावैरे। निशिउठि
वाकोमंजनकीजैहलतदांतरहिजावैरे ॥

ब्योचीकाउपाय ॥

गल्यासींगपरितूलिजोआवैताकोलैकैआवैरे । बांटि
कूटिकैकपरैछानैघीसोंलेपलगावैरे । ब्योंचीरोगमिटैगो
तबहींदिनासातज्योंल्यावैरे ॥

नाहरूकाउपाय ॥

सांपकांचलीलावैकहूंसोगुड़मेंगोलीकीजैरे । एकरती
भरडारैवामेंरबिदिनवाकोदीजैरे । मिटैरोगनाहरूतब-
हींयहीउपायजोकीजैरे ॥

बालउगायवाकीऔषधि॥

तिलकेफूलगोखरूलेनासींधौमांहिमिलावैरे । तिल
खोपरालेपनकरनातुरतबारउगीवैरे ॥

घातबंधकाउपाय ॥

ईसबगोलमंगावैसुदरताकोरातिभिगोबैरे। प्रातस-

मयमेंमिश्रीडारैनीबूरसहिनिचोवैरे। दिनातीनजोपीवैया बिधिबंधधातहोयजावैरे॥

बालककेजीवाकोउपाय॥

फूलकटेरीमधकाजीराचाररत्तीभरपावैरे। बांटिकूटक रमिरचमिलावै जबबालककोप्यावैरे॥

गरमीबावकीदारू॥

अन्तरछालचोरकीलावैताकोलैऔटावैरे भरिमठको जलनीरकोराखैचौथौभागउतारैरे तामेंडारैखेजडादिटुक छैआंचलगावैरे दोयपैसाभरप्यावै वाकोगरमीरोगमिटावैरे॥

कानकेबहरीकीऔषध॥

धौलीदूबकहींसोंल्यावैघृतमांहीऔटावैरे। ताकोलेकरभरैकानमेंतुरतबहिरमिटजावैरे॥

धुंधकोउपाय॥

कायकफललेअरुजस्तमिलावैमेंहदीरसमेंखरलैरे। दिनासातजोखरलजुकीजैपीछैअंजनदीजैरे। धुंधफुलीअरु जालाजावैदुखतआंखरहिजावैरे॥

पथरीकादूलाज॥

एकटंकभरिसाजीलीजैतामेंछाछमिलावैरे। बांटिकूटि करितामेंपीवैमूत्रकुछरहिजावैरे॥

बंधकुशादनामर्दकादूलाज॥

बीजउटंगनपावमंगावैताकीखीररंधावैरे। भेड़दूधमें करनावाकोइन्द्रीलेपलगावैरे। बिंदुकुस्यादमिटैलगावत हीनामर्दमर्दहोयजावैरे॥

नामर्दकाउपाय॥

श्वेतकनेरकीजड़मंगवावै दूधमांहिभिजवावैरे। गरमजोकरिकैदहीजमावैताकोघिउनिकसावैरे लौंगजायफलजावित्री लेनाघृतमांहिभिजवावैरे दिनइक्कीसदूध मेंराखैपाछेअर्कचुवावैरे धरेपतालीयंत्रवाकोसबअर्कनिकसावैरे नागरबेलपानएकलेनाताकोलेपलगावैरे उलटासुलटापानजोकरनाइन्द्रीलेपबंधावैरे दिनातीनपट्टीलै बांधैनामर्दमर्दहोयजावैरे॥

पुत्रहोनेकाउपाय॥

कहूंबातमैंतोसोंसारीसो पुत्रकोकरतारे पारसपीपर मूलमँगावैगऊघृतसोंपीतारे पुत्रहोयपराक्रमलीयेहोयरा ड़मरेभरतारे॥

तथा॥

पुत्रउपायकहूंमैंतोसूं बांझपुत्रहोयआवैरे दूधखीरजो गऊको लेनौंदिनातीनिलैखावैरे शिवलिङ्गीकोबीजमँगावैगुड़गोलीनिगलावैरे न्हावेकेदिनतीनिजोबीतैपुरुष संगबतलावैरे॥

अथगर्भगिरनेकीबिधि॥

अरण्डकीजड़कहुं सूल्यावैगंधकलेपलगावैरे अंगुल अंक ६ मापकरिलेनाभगभीतरसोराखैरे दिनातीनिजो याबिधिलेनागर्भनिपातजोहोवैरे॥

अथस्त्रीकेफूलआवेको उपाय॥

देवदारुअरुमूड़ापातौसेरजलमेंजोऔटावेरे पांचपईसा भरिपानीरहैतबलैवाकूंप्यावैरे दिनातीनिजोयाबिधिपीवै तबवाहीफूलजोआवैरे॥

पैरथभावाकोउपाय॥

बीजकांकड़ीजड़डाभकीवाकोलेरमिलावैरे मासादोय जोगेरूडारैवाकूंघोटिअरुप्यावैरे थमैपैरजबहींतबप्यावैतु-रतसमाधिहोयजावैरे॥

बधायवाकीऔषधि॥

जहरबिजौरौलायमांहिंबिजौरौमेलिये दशदिनघोटि अरुप्यायबढ़ेछोड़होयजीवकौ॥

मिरगीकाउपाय॥

सांपकांचलीलीजियेहाडीमाहिंभराय। मुखऊपरसोंमूदियेचूल्हेदेतचढ़ाय बीचछिद्रएककीजियेताकेनाकलगाय। धरिकैखैंचैनाकसूंवाकेशिरचढ़जाय मरैजुकीड़ौशीशकोमृगीरोगसबजाय होइअचेतरोगीपरैऊपरजलछिड़कायधरिकैदाबैमुदगराऊपरनीरसिचाय तीनपहरलैराखियेपीछेचे-तकराय॥

गलतकोढ़कोउपाय॥

श्वेतकाथजोलीजियेजायपत्रीबेतमिलाय आठहजार जोलीजियेनागरबेलकेपान ८००० ताकेरसमेंखरलिये गोलीमोटप्रमानकहीं रोगीकोदेखियेपरदैदैबैठायदिन२१ जोदीजिये यहऔषधपरमान॥

नाहरूकाउपाय॥

पीलीकौड़ीबालियेमिरचीरालबढ़ाय गोघृतसोंलेपन करै रोगनाहरूजाय॥

नाहरूकाउपाय॥

सांपकांचलीलीजियेमांहीमिरचमिलाय ठंढापानीले पियैरोगनाहरूजाय॥ इतिबैद्यकबिद्याभेदसंपूर्णम्॥

अथमंत्र ॥

ओंनमोआदेशआदिपुरुषकोगोबिंदनगरसूंहनुमंतआया-
गाजन्तआया घोरंतआया किलकन्तआया सवामनकीसा-
कलतोड़ंतआया सारकाचरणचाबन्तआया लोहकादगडमा
रन्तआया रूखावृक्षबागबावड़ीउखाड़ंतआया कुवातालाब
फोडंतआया गढ़कोटढावन्तआया चलोचलोहनुमंतबीर-
नचलौतौकरतलश्यामयतीकीआन नचलैतौशुकदेवयती
कीआन नचलैमौगडंयतीकीआन नचलैतौलक्ष्मणयतीकी
आन नचलैतौहनुमंतयतीकीआन नचलैतौस्वामीअचलपु-
रीकीआन नचलैतौमहादेवकीजटानघावघालैतीनपावकी
लापसी इक्कीसपानकाबीड़ाबल तुम्हारील्यौंकीयाकराया
परचलौदेवदानवपरचलौ बैरीदुशमनपरचलौ भूतप्रेतपर
चलौभैंसासुरखईपरचलौ इहारीपरचलौ चौंसठियोगिनी
परचलौ डंकिनीसंखिनीपरचलौ बावनबीरपरचलौहमा-
राहकाल्यानहींचलै तौसीतासतवंतीके पानहलाल १ ओं
बड़ाबलवन्तकारी नौखंडमेंजोतितुम्हारी भीमकीभुजा
उखाड़ी असमेरपर्वतमस्तकधरलाया जबछोड़ाजबीआया
लवङ्गसुपारीजायफलपंचपूजा ब्रह्माकीमाकीमनमना ओं
नरसिंहकामाथदेव अनन्तशीशचढ्या आवहनुमन्तरोम २
मेंआवहनुमन्त चामचाममेंआबहनुमन्तनवनाड़ीं बहत्तरि
कोठामेंश्रीहनुमन्तजीसभाते सुराजारामचन्द्रजीकीकाय्यु
सास्वाजनमाते सोहमारासारिये देखौआयबीर हनुमन्त
तेरामन्त्रकीशक्तिचलो मंत्रईश्वरोवाच २ ॥

मंत्र ॥

कालाकलुआकालीरात मैंबुलावौंआधीरात मैंबुलाई न आईबुलाईकुलवेबीरकलवारे तुम्हारोवीरबांवा पगकी अगूठोकरै बतावतबारगप्रेरेत गुवुःकाग्रीसिखावत शक-भोगबिलास आंकानीबावसकाबारी परनारीसांघनीपि-यारीजीवतडातोपावपलोटः मूवापाछैंखेत्रलोटैऔरा देखै जलैबलैंहमकोदेखै कैवेलकंवलबगसः गुरूकीशक्तिमेरी भक्तिचलौमन्त्र ईस्वरोबाचा थावरदित्यवारकेदिनगोली दीजै मंत्रिजैबार ७॥ २८॥ १०८॥श्रीरामनागरबेली अकनकबीरी सुनियेनारीबातहमारी॥ एकपानरंगमँगाय एकपानसेजसौंलावै एकपानमुखबुलावै हमकोछोड़िऔर कोदेखैतौतेराकलेजा मुहम्मदबीरचक्खै पान३मंत्रैबार २१पीछैखवावैस्त्रीकोबश्यहोय ॥

डाकनकेमूड़वाकोमंच ॥

ओंहरजखरीःजखरीआंखधरी सींहंगुडणीसंखनीस्वा हा ॥ कड़तुवाकरससूं गोड़ोभिजावै छुरीमंत्रजैबार ११ पाछैगोड़ोमूड़येतौ डाकिनिकोमाथौमुड़जाय ॥ ओंबजरी बजरीकिवाड़ बजरीकीलोदशवोंद्वार अम्बरीजड़नबजरी खड़श्रीहनुमन्तरक्षाकरै ॥

इतिश्रीइन्द्रजालउमामहेश्वरसंवादे
औषधीखण्ड समाप्तम्॥

अथयन्त्रखण्डसबयन्त्र।

लिख्यते।

श्रीसीताराम हनुमन्तवीर सहाय॥

यंत्र १

२२	२६	२	८
७	३	२६	२५
२८	२६	६	१
४	६	२४	२१

यंत्र अनारके रससोंलिखेकानमेंबांधेतोकानदूखे॥

यंत्र २

२३	३४	२	८
७	३	२०	३६
३३	२८	६	१
४	६	२०	३३

यंत्रसहदेई के रससूंलिखै बांधे तौ सिंह भाजिजाय॥

यंत्र ३

२७	३४	२	८
७	३	३१	३०
३३	२८	६	१
४	६	२४	२३

यंत्र नगारा पर लिखै शत्रुका नामको नगारा बजै तौ बश्यकृत्यहोइ भ्रमजाय सही॥

यंत्र ४

२३	३०	२	८
२७	३	२६	२६
२६	२४	६	१
४	६	२४	२८

यंत्रनागरबेलिकारससों लिखै स्त्री पुरुष को देखै तो बश्यहोय॥

यंत्र ५

७	२१	२	७
६	३	१६	५१
२५	५७	८	१
४	५	७०	२४

यंत्र कांदा रससूं लिखै रोटीपर स्त्री पुरुष को देखे बशहोय॥

यंत्र ६

२८	३५	३	७
७	३	३२	३१
३४	२६	६	१
४	६	३०	३३

यंत्र काँसेकीथालीमेंलिखि कै कष्टी स्त्रीको घोलिकै प्यावै तौ कष्ट छूटै॥

यंत्र ७

२५	३२	२	८
७	३	२६	२८
३४	२६	६	१
४	६	२७	३०

यंत्र सिरसोंपातमें लिखैचबावैतौनाथचलैसही॥

यंत्र ८

२६	३६	२	८
७	३	३३	३२
३५	३०	६	१
४	६	३१	३४

यंत्ररबिदिनथूहरनीचेलिखै गाड़ैउलंघै तो अधूरोजाय॥

यंत्र ९

३६	४३	२	७
६	३	४०	३६
४२	३७	८	१
४	५	३८	४१

यंत्रप्रयोगसिद्धिजोकार्यकरै वामें ताकोनामलिखैप्रमाण

यंत्र १०

३८	४६	२६	७१
३	८	४	७
१	८	२	३
११	७	२०	६

यंत्र माथे बाँधैआधाशीशी जायरबिदिन लिखैसही॥

सवा लक्ष १२५०००

यन्त्र ११

३७	४४	२	७
६	३	४१	४०
४३	३८	८	१
४	५	३६	४१

यंत्र पीकसोंलिखैस्त्रीकोचबावे तो बसिहो पुण्यार्क में लिखिये सही॥

यंत्र १३

४१	४२	२	७
६	३	४५	४०
४७	४३	८	१
४	५	४३	४०

यंत्र गधाकेपिसाबसोंलिखै शत्रुकेनामको यंत्रलिखै जूतामारैतौ शत्रुकोमुखसूझै॥

यंत्र १५

४४	५१	२	७
६	३	४८	४७
५०	४५	८	१
४७	४	४६	४६

॥ ॥ ॥ ॥

यंत्र १२

४३	५०	२	७
६	३	४७	४८
४६	४४	८	१
४	५	४५	४७

यंत्र कपूर कस्तूरी से लिखै तौ राज्यसभामें मान होय सही॥

यंत्र १४

४२	४६	२	७
६	३	४६	४५
४८	४३	८	१
४	५	४४	४७

यंत्र हाथीके नखसों लिखै शत्रुकेनामका मसानमें गाड़ै तो शत्रुकी मृत्युहोय॥

यंत्र १६

५६	६२	२	७
६	३	६०	५६
६२	५७	८	१
४	५	५८	६१

यंत्रभोजपत्रपलिखै पूजन कर कनेरा खैतोराज्यसभामें मानहोय ॥

यन्त्र १७

५५	६२	२	७
६	३	५६	५८
६१	५६	८	१
४	५	३५	५०

यंत्रप्रयोग सिद्धश्वानके नखसोंलिखै सर्वकार्यसिद्धि होय ॥

यन्त्र १६

६६	७३	२	७
६	३	७१	७०
७३	६८	८	१
४	५	६६	७२

यन्त्रजंभीरीपरलिखैजाके नामकोचित्रानक्षत्रमेंसुईगड़ावै शूलचालै शरीर में ॥

यंत्र भोजपत्रपर लिखैसोना रूपातामूकेयंत्रमें मढ़ायगले मेंबाँधेतोसर्वसभामेंमानहो।

यन्त्र १८

५७	६४	२	७
६	३	६१	६०
६३	१८	८	१
४	५	५६	६२

यंत्रबोलकेछोड़ापर लिखैक लालकीभाटीमेंडारै भाटीफूटिजाय ॥

यन्त्र २०

६८	७५	२	७
६	३	७२	७१
७४	६६	८	१
४	५	७०	७३

यंत्रकुत्ताकेकानऊपरलिखै तौकुत्ताभूंकताफिरै ॥

० ॥ ०

यन्त्र २१

६७	७४	२	७
६	३	७१	७३
७६	६८	८	१
४	५	६९	७२

इसयन्त्रको छुरीसोंछेदे तो शत्रुकोशरीरसूझे॥

यन्त्र २२

६९	७६	३	७
६	३	७३	७२
७५	७०	८	१
४	५	७१	७४

यंत्रतालाबकीमट्टीसेलिखै चमरापर बाजताढोलकोदि खावैतोढोलफूटैसही॥

यन्त्र २३

७०	७७	२	७
६	३	७४	७३
७६	७१	८	१
४	५	७२	७४

यन्त्र कुम्हार के चाक ऊपर लिखैखैरकेकोयलासों तो बासन उतरे नहीं॥

यन्त्र २४

७०	७७	२	७
६	७३	७६	७५
७६	७४	८	१
४	५	७३	७६

यंत्रजरखकाचमरापरलिखै खैरकेकोयलासे तोसबगांव कीडाकिनीआवैखवावै॥

यन्त्र २५

७२	७६	२	७
६	३	७६	७५
७८	७३	८	१
४	५	७४	७७

रस्ताकीरेतसोंलिखैकोड़ो मारैतौगयोमनुष्यघरआवै॥

यन्त्र २६

७४	८१	२	७
६	३	७९	७६
८०	७५	८	१
४	५	७०	७८

दिवालीकेदिनहाटमेंसंमुख लिखै व्यवहारघनोहोय॥

यन्त्र २७

७३	८०	२	७
६	३	७७	७६
७६	७४	८	१
४	५	७५	७४

यंत्रलालकपड़ाकीहाटिमेंरा खैतौव्यवहारघनोहोय ॥

यन्त्र २८

८३	८६	२	७
६	७६	७६	७८
८५	७५	८	१
४	५	७७	८२

यंत्रशत्रुकेहाटमेंलिखैश्लेषा नक्षत्रमेंतौहाटऊजरहोय ॥

यन्त्र २६

७६	७६	२	७
६	३	८३	८४
८५	८०	८१	१
४	५	८१	८४

यंत्रकुम्हारकेआँवाँकीठेक-ड़ीपरलिखै काहूकेघरऊपर डारैतौ कलहहोय ॥

यन्त्र ३०

५८	६५	२	७
६	३	६२	६१
६४	६६	८	१
४	५	६०	६३

यंत्रतँबोलीकीकुड़ीकेपानी सोंलिखै शत्रुकेघर में गाड़ै तौ बिरोधक्लेशहोय ॥

यन्त्र ३१

८०	८७	२	७
६	३	८४	८३
८६	८१	८	१
४	५	८२	८५

यंत्रकागजमेंलिखैघरमेंरा-खैसर्प्पभूतप्रेतकाभयनहो॥

यन्त्र ३२

५६	६६	३	७
६	३	६३	६२
६५	६०	८	१
४	५	६१	६४

यंत्रकागज़मेंलिखकेघरमें राखैतौअतिसुखहोय ॥

यन्त्र ३३

६०	६७	२	७
६	३	६४	६३
६६	६१	८	१
४	५	६२	६५

यंत्रस्वातीनक्षत्रमेंलिखैदिवालीकीरात्रिमें हाथमेंबाँधै तौजूआजीतैहारैनहींसही॥

यन्त्र ३४

६२	६६	२	६
६	३	६८	६५
६८	६३	८	१
४	५	६४	६७

यंत्रअपनीबीचलीअँगुलीसे लिखै जलकेकोड़ा मारै तौ गयोमनुष्यघरआवै ॥

यन्त्र ३५

६१	६८	२	७
६	३	६२	६४
६७	६२	८	१
४	५	६३	६६

यंत्रकाष्ठकेपटापरलिखैआसनमेंराखैसर्बजनावरआवैं

यन्त्र ३६

४८	५५	२	७
६	३	५२	५१
५४	४८	८	१
४	५	५०	४३

यंत्रताम्रपत्रपरलिखै कंठमें बाँधैतौधनंजयबायुजाय ॥

यन्त्र ३७

४६	५६	२	७
६	३	५२	५३
५५	५०	८	१
४३	४	५	४४

यंत्रगोभीकेपत्रपरलिखैतौ सर्बजनबश्यहोंय॥

यन्त्र ३८

५२	५६	२	७
६	३	५६	५३
५८	६३	८	१
४	५	५५	५७

यंत्रपीपरपात्रमेंलिखैघरपि छवारेगाड़ैदिनकीरातदेखै

यन्त्र ३९

५०	५७	२	७
६	३	५४	५३
५४	५३	८	१
४	५	५१	५५

यंत्र घरकेदरवाजेपरगाड़ै तो अतिव्यवहारहोय॥

यन्त्र ४०

५३	६०	२	७
६	३	५७	५६
५९	५४	८	१
४	५	५५	५९

यंत्र पनारामें लिखैशत्रु के नामकोजूतामारै तो शत्रु को मुखसूझजाय॥

यन्त्र ४१

६४	७१	२	७
६	३	५८	६५
७०	६५	८	१
४	५	५६	६९

यंत्र धोबीकी शिलापर लिखैजाकेनामकोताकोशरी रफाटाकरै॥

यन्त्र ४२

६५	७२	२	७
६	३	६९	६८
७१	६६	८	१
४	५	७८	६७

यंत्र दाँतनकीकुचीसेलिखै पस्थरपर बैठ स्नानकरावै तौ पीड़ादूरिहोय॥

यन्त्र ४३

८२	८९	२	७
६	३	५६	५५
५८	६३	८	१
४	५	८४	६७

यंत्रचमड़ामें लिखैमघान

यन्त्र ४४

८४	९०	२	७
६	३	८७	८६
८९	८४	८	१
४	५	८५	८८

यंत्र सूवाकेपङ्खपरलिखैना

क्षत्रमेंमनिहारकीभाटीमेंडा रैतौचूड़ीकरैरोगआवैनहीं॥

यन्त्र ४५

८४	६०	२	७
६	३	८८	६६
६१	६७	८	१
४	५	८६	६६

यंत्र उल्लूकेपङ्खपरलिखैकाहू के शिरपरडारै तो उल्लूसरी खोहोजाय बुद्धिनष्टहोय॥

यन्त्र ४७

५	१२	२	८
७	३	६	७
११	६	६	१
४	६	७	११

यंत्रगिलहरीकीपूंछकेबाल सोंलिखैरास्तामें डारैउलंघै ताकोनाड़ोटूटै॥

जमेंगाड़ैतौसड़िउठैबास बुरीआवै॥

यन्त्र ४६

१	८	२	८
७	३	५	४
७	३	५	४
७	६	३	६

यंत्रपीपरके पानपरलिखैठ ठेराकीभाठीमेंगाड़ैतोकाँसा पीतलकोतावआवैनहीं॥

यन्त्र ४८

४	११	२	८
७	३	८	७
१०	५	६	१
४	६	६	६

यंत्र श्वेतकपड़ामें लिखै तलावतथाकुवातथाबावड़ी के घाट ऊपर गाड़ै जो उलं घैताको नाड़ो टूटै॥

यन्त्र ४९

७	१४	२	८
७	३	११	१०
१३	९	९	१
४	६	९	१२

यंत्रगिलोयकेरससोंलि खैसिरहाने धरै सोवै तौस्व ग्रामेंभूतहीभूतदीखै ॥

यन्त्र ५०

८	१५	२	८
७	३	१२	११
१४	९	९	१
४	६	१०	१३

यन्त्रबांसकीकलमसेस-वालक्षलिखै तौ सर्ब कार्य्य सिद्धिहोंय ॥

यन्त्र ५१

१०	१७	२	८
७	३	१४	१३
१६	१	९	१
४	६	११	५

यंत्रकागज़परलिखैकंठ मेंबांधैतोरोगधावरौजाय

: : : : : : : : : : : : :

यन्त्र ५२

११	१८	२	८
७	३	१५	१४
१७	१२	९	१
४	६	१३	१६

यंत्रऊंटके हाड़परलिखैआ द्रानक्षत्रमेंशत्रुके घरगाड़ैतो स्वग्रामेंऊंटहीऊंदीखै ॥

यन्त्र ५३

६	१३	२	८
७	३	१०	११
२२	७	९	१
४	६	९	९

यंत्रकेवलाकेरससोंलिखै

यंत्र बानरकेहाड़परलिखै

सिरहानेधरै तौस्वप्नमें भूत हीभूतदीखै ॥

यंत्र ५५

६	१६	२	८
७	३	१३	१२
१५	१७	६	१
४	६	११	१४

यंत्रआमलीकेरससोंलिखै स्त्रीके गले बांधै तौ आंचल पकै नहीं ॥

यंत्र ५७

१४	२१	८	२८
७	३	१५	१४
२०	१५	१६	१६
४	६	६	६

यंत्र भोजपत्रपर लिखै कंठमें बाँधै तो रोग धावरो जाय ॥

यन्त्र ५६

१५	२६	२	८
७	३	१६	१८
२१	१६	६	१
४	६	१७	२०

शत्रु केघरगाड़ैतो स्वप्नमें बा नरही बानरदीखै ॥

यंत्र ५६

१३	२०	२	८
७	३	१७	१६
१६	१४	१८	१
४	६	१५	१८

यंत्र बांसकीकलमसेसवा लक्ष लिखै तो सर्बकार्य्य सिद्धिहोयँ ॥

यंत्र ५८

१८	२५	२	८
७	३	२२	२१
२४	१६	६	१०
४	६	२१	१३

यंत्रऊंटके हाड़पर लिखै आर्द्रानक्षत्रमें शत्रुकेघरगाड़ै तौ सुप्नामेंऊंटही ऊंटदीखै॥

यंत्र ६०

१६	२६	२	८
७	३	२३	२२
२५	२०	६	१
४	६	२१	२३

यन्त्र शिकरा के परपै लिखै शत्रु के घरगाड़ै भरम तौ फिरै टिकै नहीं॥

यंत्र ६१

१६	२६	२	८
७	३	२०	२०
३२	१७	६	१
४	६	१८	२१

यन्त्र कागलीके पंखपर लिखै सिकरा के बाल की कलम सों तौ कमान का गोसा चढ़ै नहीं॥

यंत्र ६३

१७	२४	२	८
७	३	२७	२०
२३	१८	६	१
४	६	१६	२२

यन्त्र गधा के हाड़पर लिखै काहूकी जगामें गाड़ै तौ स्वप्न में गधा मारता डोलै॥

यन्त्र सेहकेशूलकी कलम सों लिखै खूटापर खूंटा गाड़ै तौ गयापशु आवै॥

यंत्र ६२

२०	२७	२	८
७	३	२४	२३
२६	२१	६	१
४	६	२२	२५

यन्त्र बकरा के रुधिर सों लिखै धोबी की शिला नीचैगाड़ै तौ शत्रु की छाती फटिजाथ॥

यंत्र ६४

२१	२८	२	८
७	३	२५	२४
२७	२२	६	१
४	६	२३	२६

यन्त्र पेठाके रस सों लिखै स्त्री के गले में बांधै तौ अधूरा जाय॥

॥ ॥ ॥ ॥

यंत्र ६५

३०	३७	२	८
७	३	३४	३३
३६	३१	६	१
४	५	३२	३४

यंत्रमालकांगनीकेरससूंलि खैघरमेंराखैसर्पआवैंनहीं॥

यंत्र ६६

३४	४०	२	८
७	३	३७	३६
३६	३४	६	१
४	६	३५	३८

यंत्रथोहरकेदूधसोंलिखैजा केघरगाड़ैताकेशूलहोय॥

यन्त्र ६७

३१	३८	२	८
७	३	३५	३४
३७	३७	४	१
४	६	३३	३

यंत्रघरके संमुख गाड़ै तौ भय नहीं होय॥

यन्त्र ६८

६४	७१	२	८
७	३	६८	६८
७०	६५	६	१
४	६	६६	६६

यंत्रकोंचकेरससोंलिखैघर मेंराखैतौमूसेकपड़ानकाटैं॥

यन्त्र ६९

३४	३६	२	८
७	३	३५	३४
३८	३३	६	१
४	६	३६	३१

यंत्रकोंचकेरससोंलिखैघर मेंगाड़ै तौसर्पआवैंनहीं॥

यन्त्र ७०

३३	४०	२	८
७	३	३६	३७
३६	३४	६	१
४	६	३५	३८

यंत्ररोटीपर लिखैकाले कुत्ताकूं खिलावै तो स्त्रीकेबश पुरुषहोय सही॥

यन्त्र ७१

५५	६२	२	८
७	३	५६	५८
६२	५६	६	१
४	६	५७	६०

यंत्र स्त्रीकेकंठमेंबांधै तौभूत प्रेतका भय नहीं होय॥

यन्त्र ७२

६५	७२	२	८
७	३	६६	६८
७१	६६	६	१
४	६	६७	७०

यंत्रआककीलकड़ीसूंलिखै माथेराखैदेवताप्रसन्नहोय॥

यन्त्र ७३

६६	७६	२	८
७	३	७२	७३
७५	४५	६	१
४	६	७१	७४

यंत्र स्त्री के दूध से लिखवाया कोना में गाड़ै तौस्त्री का दूध जाय॥

यन्त्र ७४

६६	७३	२	८
७	३	६६	६६
७२	६८	६	१
४	६	६८	७१

यंत्रसिंदूरकुंकुमकस्तूरीसो लिखैतांबाकेपात्रमेंपूजनक-रैतौसर्व कार्य्यसिद्धिहोय॥

यन्त्र ७५

६७	७४	२	८
७	३	७१	७०
७३	६८	६	१
४	६	६६	७२

यंत्रलोहकीकलमसूंलिखै नदी केकिनारे बैठि कै तौ

यन्त्र ७६

६०	६७	२	८
७	३	६४	६३
६६	६१	६	३
४	६	६२	६५

यंत्र कांसी की कटोरी में लिखै तेल भरि दिखलावै

शत्रु की क्षय होय॥

यंत्र ७७

	५८	५५	२	८
	७	३	६२	६१
	५४	५६	६	१
	४	६	१०	६३

यन्त्रस्त्रीका बाँयापगकी पगथलीकैलिखै तौअपनेबशिमेंहोय॥

यंत्र ७६

	६३	६६	२	८
	७	२	६६	६५
	६८	६२	६	१
	४	६	६४	६७

यन्त्र केलाके रससेंलिखैश्रवणनक्षत्रमें पानीमेंगाड़ैपानीपीवै सोबशिहोय॥

यंत्र ८१

	६३	७०	२	८
	७	३	६७	६६
	८२	७७	६	१
	४	६	६५	८१

माथे लगावै सो बशिहोय॥

यंत्र ७८

	६१	६२	२	८
	७	३	६५	६४
	६७	६२	६	१
	४	६	६३	६१

यन्त्रकुंकुमसिंदूरसूंलिखैलोटाकैनीचैपानीपीवै सो बशहोय॥

यंत्र ८०

	७५	८२	२	८
	७	३	७६	७८
	८१	७६	६	१
	४	६	७०	८०

यन्त्र भोंडलके पत्रपर लिखै उलंघै जाकी नाथ चलै॥

यंत्र ८२

	७०	७३	२	८
	७	३	७४	७३
	७६	७२	६	१
	४	६	७०	१४

यन्त्र बुहारा पर लिखै जाका नाम का मसान में गाड़ै तो कूख बंद होय॥

यंत्र ८३

	६८	७५	२	८
	७	३	७२	७१
	७४	७६	६	१
	४	६	७०	७३

यंत्र घोड़ाके हाड़ पर लिखै घोड़ाके थान में गाड़ै तो घोड़ा मरिजाय सही॥

यन्त्र ८५

	५६	६२	२	८
	७	३	६०	५६
	६२	५७	६	१
	४	६	५८	६१

यंत्र जापा में स्त्री कनै राखै तो कोई बिघ्न होय नहीं॥

यंत्र कुम्हारके आवाके कोइ लासों अथाईपर लिखै सिला परतो अथाईबैठासबलरै॥

यन्त्र ८४

	७६	७८	२	८
	७	३	७४	७४
	७७	७२	६	२
	४	६	७३	७६

यंत्रथूहरकेदूधसोंलिखै स्या ती नक्षत्रमें मर्दकमरमें राखै तौविषयकेसमयमस्तहोय॥

यन्त्र ८६

	५६	६६	२	८
	७	३	६३	६२
	६५	६०	६	१
	४	६	६१	६४

यंत्र स्त्रीके दूध सों लिखै पुष्य नक्षत्र में तौ पांव आय पड़ै कहौ सो करै॥

यन्त्र ८७

५७	६४	२	८
७	३	६१	६०
६३	५८	६	१
४	६	६६	६२

यंत्र हथेलीमें माडै नित्यस्त्री को बतावै तौ वश्य होय ॥

यन्त्र ८८

७६	७३	२	८
७	३	८०	७६
८२	७७	६	१
४	६	७८	८१

यंत्रमालीकीबाड़ीमेंगाडै तौ फूल आवें नहीं सूख जाय ॥

यन्त्र ८६

७२	७६	२	८
७	३	६२	७५
७०	७३	६	१
४	६	७४	७७

यंत्रलिखकेंविषय करते समय देखो करै तौ विन्दु छूटै नहीं पराक्रम होय ॥

यन्त्र ६१

७७	८४	२	८
७	३	८१	८०
८३	७३	६	१
४	६	७६	८२

यंत्रलाखका पानीसों तूरके पानमेंलिखेमालीकीबाड़ीमें

यन्त्र ६०

२३	८०	२	८
७	३	७७	७३
७६	७४	६	१
४	६	७५	७४

यंत्र रेसमके वस्त्र पर लिखै जाको नामको कसूम बीच गाड़ै तौ पुरुषनामर्दहोय ॥

यन्त्र ६२

७४	८१	२	८
७	३	७६	७७
८०	७५	६	१
४	६	७६	७६

यंत्रकेसूलाकेरससूंलिखैस्त्री कोसुंघावैतौ विछुवै छूटैंसही

गाडै तौ फूल आवैं ॥

* * * * * * * *

यन्त्र ९३

७८	७५	२	८
७	३	८२	८१
८४	८९	९	१
४	६	८	१०

यंत्र करकैंव्याकालोहीसूंसे-हकासूलसूंलिखै चूल्हापोछे गाड़ै तौ रोटी पोवै सो सब खाइ जाय ॥

यन्त्र ९४

८०	८६	२	८
७	३	८४	८३
८५	८४	९	१
४	६	८२	८२

यंत्र मसान की ठीकरी में मदिरासूं लिखै मदिराकी धार दे तौ मसान जागै हां हां शब्द होय ॥

यन्त्र ९५

७९	८६	२	८
७	३	८२	८२
८५	८०	९	१
४	६	८३	८४

यंत्र धँवासा की कलम सूं लिखै जाका नामको मसानमें गाड़ैतौ मरै सही ॥

: : : : : : : : : : : : : :

यन्त्र ९६

८१	८२	२	८
७	३	८५	८४
८७	८४	९	१
४	६	८४	८७

यन्त्र प्रयोग सिद्ध अष्ट गंध सों लिखै सवालाख १२५००० सर्बसिद्धिहोय।

* * * * * * * *

यन्त्र ९७

	८३	९०	२	८
	७	३	८७	८६
	८९	८९	९	१
	४	६	८५	८८

यंत्र चमड़ापर लिखै नून में गाड़ै शत्रु के नामका तौ शत्रुकोशरीरगलै सही॥

यन्त्र ९८

	८५	९२	२	८
	७	३	९९	८८
	९१	९६	९	१
	४	६	८७	९०

यन्त्र अडूसा का रससूं लिखै सिरहाने राखै तौ बडक बाय जाय॥

यन्त्र ९९

	९६	९३	२	८
	७	३	९०	८९
	९१	८६	९	१
	४	६	८७	९८

यंत्र कुलींजन के रससूं लिखै कनेराखै तावीजमें मढ़ाय तौबचनसिद्धि होय॥

यंत्र १००

	८७	९४	२	८
	७	३	९१	९१
	९३	८८	९०	१
	४	६	८९	९२

यंत्रजंभीरीके रससूं लिखै अनारके पेड़ के बांधै तौ फल घने आवैं॥

यंत्र १०१

	९१	९८	२	८
	७	३	९५	९४
	९७	९३	९१	१
	४	६	९४	९६

यंत्रलजालूका रससूं लिखै

यंत्र १०२

	८८	९५	२	८
	७	३	९२	९१
	९४	८९	९	१
	४	६	९०	९१

यंत्र आमके रससूं लिखै

माथे राखै तौ सर्बजन बश्य होय॥

यन्त्र १०३

८४	९१	२	८
७	३	८८	८७
९०	८५	९	१
४	६	८६	९०

यंत्र मालकांगनी के रससूं जिह्वामेंलिखै बांदनीचतुर्दशीकेदिन बिनपढ़े बुद्धिहोय

यन्त्र १०५

९२	९९	२	८
७	३	९६	९५
९८	९३	९	१
४	६	९४	९१

यंत्रकाकराकेरससूंलिखैबनमेंगांड़ै मनचीता कार्यहोय

यन्त्र १०७

७५	८२	२	८
७	३	७९	७८
८१	७६	९	१
४	६	७६	८०

आमका पेड़के बांधै तौ फल घने आवैं॥

यन्त्र १०४

८६	९६	२	८
७	३	९५	९२
९६	९१	९	१
४	६	९१	९४

यंत्र दूधीके रससूं लिखै बालक के कण्ठ में बांधै तौ भूतलगै नहीं॥

यन्त्र १०६

९१	१००	२	८
७	३	९७	९६
९९	९४	९	१
४	६	९५	९८

यंत्र प्रयोगसिद्धिकरै पास राखै सर्बसिद्धि होय॥

यन्त्र १०८

७३	९१	१	८
७	३	४०	९६
९०	७४	९	१
४	६	७५	७९

यन्त्र कनेरा खै तौ काम ना जागै नहीं पुष्य नक्षत्र में लिखै॥

यंत्र १०६

	७६	८२	२	८
	७	३	८०	७६
	८२	७७	६	१
	४	६	८२	८१

यन्त्र श्रवणनक्षत्रमेंशुक्लपक्ष में थालीमें लिखै खीर खावे थालीमें तौ बोधहोय॥

यंत्र ११०

	७७	८४	२	८
	७	३	८१	८३
	८४	७८	६	१
	४	६	७६	८५

यन्त्र बालक के गले में बांधै तौ कांच निकसैनहीं॥

॥ ॥ ॥ ॥

यन्त्र तिखूंटी ठीकरी में लिखै गले में बांधै तौ देई प्रेई को भय नहीं होय॥

यंत्र १११

	१	५	२	७
	६	३	२	३
	४	८	१	१
	४	५	२	३

यंत्र ११२

	६१	६८	२	८
	७	३	६०	६४
	६७	६३	६	१
	४	६	६२	६६

यन्त्र पीपल नीचे बैठि लिखै सीसा की कलम सूं तौ मनचीता कार्य्य होय॥

यन्त्र लजालू के रससूं लिखै माथे राखै तौ सर्बजन बश्य होंय॥

❋ ❋ ❋ ❋

❋ ❋ ❋ ❋

❋ ❋ ❋ ❋

❋ ❋ ❋ ❋

यंत्र ११३

८८	६५	२	८
७	३	६२	६१
६४	८६	६	१
४	६	६०	६१

यंत्र आँबकेरससूं लिखै आँबके पेड़ के बांधै तो फल घने आवैं ॥

यन्त्र ११४

८४	६१	२	८
७	३	८८	८७
६	८५	६१	१
४	६	८६	८०

यंत्र मालकांगनीके रससूं लिखै चांदनी चतुर्दशी के दिन जिह्वापर बुद्धिहोय ॥

यन्त्र ११५

८६	६६	२	८
७	३	६४	८२
६६	६१	६	१
४	६	६०	६४

यंत्र दूधीके रससूं लिखै बालक के गले में बांधै तो डरै नहीं ॥

यन्त्र ११६

६२	६६	२	८
७	३	६६	६५
६८	६३	६	१
४	६	६४	६१

यंत्र फोकके रससूंलिखै बन में गाड़ै तौ मन चीता कार्य होय ॥

यन्त्र ११७

६१	१००	२	८
७	३	६७	६६
६६	६४	६	१
४	६	६५	६८

यंत्र इससेत्रयोगसिद्धिहोय

यन्त्र ११८

७५	८२	२	८
७	३	७६	७८
८१	८५	६	१
४	६	७६	८०

यंत्र कनेरराखैतौकामना

* * * * * *

यंत्र ११९

	६३	६१	२८	०
	७	३	६८	६६
	६०	७४	६	१
	४	६	६५	६६

यन्त्र श्रवणनक्षत्रमेंशुक्लपक्ष में थालीमें लिखै खीरखावै थाली में तो बोधहोय ॥

यंत्र १२१

•	वं	पं	२	७
	६	३	२	३
	४	८	१	१
	४	५	२	३

यन्त्र पीपलकेनीचे बैठि लिखै सीसाकी कलमसूं तौ मनचीता कार्य होय ॥

यंत्र १२३

	७६	८६	२	८
	७	३	८३	८२
	८५	८०	६	१
	४	६	८१	८४

जागैनहींपुष्यनक्षत्रमेंलिखै।

यंत्र १२०

	७७	८४	२	८
	७	३	८१	८१
	८३	७८	६	१
	४	६	७६	८३

यन्त्र तिखूंटी ठीकरी में लिखै बालककेगलेबांधै तौ देईप्रेईकोभयनहींहोय ॥

यंत्र १२२

	७२	८१	३३	४२
	६८	८२	६	११
	२५	३७	४६	५०
	४५	२७	६	१

यन्त्र तांबाकेपत्रमेंलिखै बालक के गले में बांधै तौ नज़र न लगै निरोगरहै ॥

यंत्र १२४

	–	=	≡	॥
	॥	=	॥	–
	≡	॥		–
	≡	।	॥	≡

यंत्रधतूराकेरससूं लिखैगले बाँधै तौ शत्रुको बलजाय ॥

यन्त्र १२५

तं०	तं०	तं०	तं०
पं०	पं०	पं०	पं०
दं०	दं०	दं०	दं०
लं०	लं०	लं०	लं०

सिरसकेपेड़नीचे बैठ लिखै तौभूतदेवी यक्षप्रसन्नहोयँ ॥

यंत्र १२७

लं०	लं०	लं०	लं०
लं०	लं०	लं०	लं०
लं०	लं०	लं०	लं०
लं०	लं०	लं०	लं०

यंत्र ताँबा के पत्र पर लिखै लोहके कलमसों तौ शत्रु का उच्चाटन होय ॥

यंत्र १२६

तं०	तं०	तं०	तं०
तं०	तं०	तं०	तं०
तं०	तं०	तं०	तं०
तं०	तं०	तं०	तं०

यंत्रचंदनकी कलम सूं लिखे शिरमेंराखै अकालमृत्युनहो

यंत्र १२६

॥॥	=	॥॥	=	≡
॥॥	≡	॥॥	≡	॥
≡	॥	१	≡	—
॥॥	=	—	—	=

आमपेड़नीचेलिखैसवालक्ष अम्बिकादेवी प्रसन्नहोयँ ॥

यंत्र १२८

लं०	पं०	दं०	लं०
लं०	तं०	पं०	द०
सं०	प०	द०	ल०
पं०	दं०	भं०	न०

यंत्र आलके रससूं लिखै सवालक्षतौ अलिंगधा यक्षनी प्रसन्न होय ॥

यंत्र १३०

नं०	छं०	जं०	चं०
दं०	दं०	चं०	चं०
जं०	छं०	जं०	वं०
छं०	नं०	जं०	हं०

यंत्र मसानके कैलासूंशत्रु के वस्त्रपर लिखैतौदेशाटन करै

यन्त्र १३१

हूं०	हूं०	हूं०	हूं०
इं०	इं०	इं०	इं०
जें०	जें०	जें०	जें०
क्रीं	क्रीं	क्रीं	क्रीं

यंत्र सिंदूरसूंसवालक्ष लिखै तौहनूमान देवप्रसन्नहोय॥

यन्त्र १३२

हं०	सं०	पं०	फं०
धं०	दं०	पं०	जं०
नं०	पं०	मं०	वं०
चं१	पं०	जं०	दं०

यंत्र बकराकेहाड़कीकलम सूं लिखै कनैरकी छाया में बैठि तौ गई बस्तु आवै॥

यन्त्र १३३

जं०	जं०	जं०	जं०
जं०	जं०	जं०	जं०
जं०	जं०	जं०	जं०
जं०	जं०	जं०	जं०

यंत्र कनैर के नीचे लिखै तौ कालिका देवी प्रसन्न होयँ॥

यन्त्र १३४

दं०	दं०	दं०	दं०
वं०	वं०	वं०	वं०
सं०	सं०	सं०	सं०
अं०	अं०	अं०	अं०

यंत्र चाक फेरिवेकीलकड़ीसूं लिखैतौचक्रवर्तीबशहोय॥

यन्त्र १३५

७	१८	१०	३५
१	३५	७	१८
३५	५०	१८	७
११	७	३५	१०

यंत्र प्रसिद्धहोयवाकोतथोक्त लिखैसवालाख१२५००

यन्त्र १३६

८	११	१२	१३
१३	२	७	६
११	१६	६	१४
१०	५	४	५

यंत्र भोजपत्र पर लिख के गले में बाँधै तौ नज़र नहीं लगेगी सही॥

यंत्र १३७

३	४	७	१४
५	६	१३	६
१४	४	३	७
७	३	१४	४

यंत्र शुभ मुहूर्त में लिख कै गले में बांधै तौ शीत ज्वर दूरहोय॥

* * * * * *

यंत्र प्रतिदिनलिखैतौबिद्या और बुद्धि होय चौथेघर से लिखना आरम्भ करे॥

यंत्र १३८

३१	३१	३१	३१
३१	३१	३१	३१
३१	३१	३१	३१
३१	३१	३१	३१

यंत्र स्याही से कागज़ पर लिखिकै शत्रुके दरवाजेपर गाड़ै तौ क्लेश होय उखाड़े तौ दूरहोय॥

स्त्री की छाती जाती रहैं।

लाजवन्तीकूंलाइकेतिहिकीपत्तीलेय। फिरपत्तीदोउ हाथमेंअपनेतूमललेय। नारीकोदिखलायकेजोमुट्ठीबँधबाय। छातीगायबहोयगीखोलेफिरआजाय॥

वस्त्र जले नहीं।

अच्छीमधदोअग्निकी औरकपूरमँगाय। घिसघिसकेकापूरकों मधहीमेंमिलवाय। कपड़ाकोउसमधविषे सातबारमिजवाय। फेरसुकायबिछवाइयेधरतीमेंलेताय। उसकपड़ेपरलकड़ियां चुनकरहोमकराय। घृतडारिजरवाइयेजबलकड़ीजरजाय। कपड़ोझाड़िनिकासिये लागे धब्बानाहि। जिहजिहकोदिखराइयेअचरजआवैताहि॥

बैंगन कूदैंउछलैं।

वर्षाऋतुमेंल्याइये मेंढकनरकूमार । मंगलदिनहोवे जबेयाहोबेरविबार । ताकेमुखभरिमृत्तिका उड़दभरैदो चार । मुखऊपरकोराखिकै धरतीगाड़ैलार । पानीदेसींचाकरे जबपकजावेबेल । प्रथमउड़दजोलीजिये वाको करियेखेल। बैंगनकोजोटोकरा वामेंवाकोमेल। सबबैंगन उछलेफिरैं करिदेखोयहखेल ॥

पुरुष नृत्यकरै।

गिरगटपीरेरंगका रविमंगलनोलाय । होयमिथुन काचन्द्रमा तबवाकोमरवाय। जबलोंवहतड़फाकरै नंगा आपरहाय । फिरउसकीदुमकाटिकै बातीकीजैलाय । दीपकतथामसालमें तेलविषेजरवाय । नाचनलागैंमर्द सब जोचाँदनमेंआय ॥

अक्षर रंगबिरंगे।

कोरेकागज़परलिखे जोनीबूरसलाय। आगदिखाये होयँगे लाखीअक्षरआय। लहसनकेरसमेंलिखे जोअक्षर मनआय। आगतपायेहोयँगे पीरेमेरेभाय । दूधसेलिख केआगदिखावे। पीरेअक्षरसबखिलआवें। गाजरकेरससों जोलिखे। आगदिखायेपीरेपरैंगे। गेंदेकीपत्तीमँगवावै । ताकेरससोंजोलिखवावै । हरेरंगकेअक्षरहोंगे। आगदिखायेलाखीहोंगे। प्याजकेरसमेंघिसेछुहारा। तासोंलिख केधूपधरारा। पीरेअक्षरदीखेसारे। सोआवैसबकामतुम्हारे। पातअनाररससोंजोलिखिये। हरारंगउनहूंका पेखिये। धरेआगपरतूसीहोय याबिधिकोजानेनरकोय ।

लिखैदूधसोंजलमेंडारे। नीलेअक्षरहोंवैंसारे। नारंगीके अर्कसोंकरपरलिखसुखराइ। उनपरफेरेराखजोकारेदृष्टि पराइ। आकदूधकायहीबिचार। करदेखोजबचाहोयार॥

कपड़ा की ओट में निशाना लगै॥

दारूभरिबन्दूकमेंपाराभरियेयार। फिरकपड़ेकीओटमें हनैकबूतरचार॥

बुझादीपक जलै।

गंधकअरुहरतालकेऔरकपूरमिलाय। सबसमनहनी बाँटकरधरेकहींरखवाय। पवनपायदीपकबुझैगुलबुझने नहिंपाय। तुरतजोगुलपरडारियेतोदीपकबरिजाय॥

शीशा चबाना।

शीशालेमशानमेंडारै। आगसमानहोयजबलारै। रस अदरखमेंताहिबुझावै। फिरलैमुखमेंताहिचबावै। होयन दुःखघावनहिंहोवै। याहिदेखिबहुअचरजहोवै॥

जलसेघर भरादीखे।

चरबीभेंड़अरुमछलीकीएकतरतिन्हेकराय। ताकीबाती बारिकैदीपकमेंजरवाय। होयचांदनीघरबिषेभलोतमाशाहोय। सबघरपानीसोंभरो देखिबड़ोभयहोय॥

घरमें सर्पदीखै।

ताँबाकोदीपकबनवावै। साँपकांचरीबातीनावै। दीपक कोउजियारोहोय। साँपमरेदेखेसबकोय॥

तमाशा अनोखा।

जुगनूंकोशिरकाटिमँगावै। मृगचरबीतिहिपरलिपटावै। बातीकरकेजोवैताकूं। होयतमाशादीखैवाकूं॥

कागदकेलिखे अक्षर उड़ैं।

नौसादरयासंखियाऔरसुहागालाय । तीनोंसमले पीसकेअक्षरपैलगवाय । कागज़धरियेधूपमें अक्षरसब उड़िजायँ ॥

जलका फ़ालूदाहोय।

केशरमिश्रीश्वेतकतीरा । पीसछानकेघनधरधीरा । करेतमाशासभामँझारी । जलभरप्यालाढकनाभारी । वहीदवाजोजलमेंडारे । देखनलेवेकोईप्यारे । घड़ीदोय जोदेखै । फालूदाकोउसमेंपेखै । जोखावैफालूदाभाई । भलोस्वादवहवामेंपाई ॥

अंडाउड़ै।

अंडेमेंजोछेदकरभरेओसतिहिमाँहि । छिद्रमोमसेबंद करतो अंडाउड़जाहि ॥

रूखकीडारी झुकजाय।

भेंड़साँपअरुआदमी इनकोहाड़मँगाय । भेलाकरिकेगाड़िदेधरतीमेंजोताय । चिल्लेपीछैकाढिकै सुर्मासापिसवाय । तलेरूखजरवायतो डारझुकीहोजाय ॥

सभाकेलोग कूकरदीखैं।

विष्टालिर्याकीमँगवावै । कर्णमैलकूकरकोल्यावै । अरुविष्टाकूकरकीलेय । भेंड़मुईकीचर्बीलेय । चारौंबस्तुबस्त्रमेंमेल । करिकेबातीदीपकठेल । दीपकभररोगनसीमाव । रोशनकरकेधरेंसिताव । जोनरसभामँझारीहोइ । कूकरसेदीखेंवेलोइ ॥

खेतकीरक्षा।

रविदिननरचकोरकोलावै । कोरीहाँड़ीमेंबन्दकरावै ।

देधूनीलोबानकी गाड़ेखेतीमाहिं । रक्षाहोगीखेतकीकछु अचरजहैनाहिं । खेतीमेंजोबस्तुहैकोईलैकैखाइ । तोबोले गीपेटमें यहीबस्तुदुखदाइ ॥

रोगीको रोग बुद्धिकरखावै।

कोरेकागज़पैलिखैचूनासेतीदेव । फिरमुहरासेघोटि ये कोउनजानेभेव । रोगीकेशिरसेछुवाबारउतारेसात। तुर्तड़ारियेजलबिषे देवप्रगटहोजात । रोगगयोनि-श्चयभयोरोगीकूंयहबात । बुद्धिमानकीबुद्धिसेतुर्तरोग मिटिजाय ॥

तथा

घीकुवाररसकाढ़िकेपुतलाएकबनाय । कोरेकागज़ परबने रोगीकेशिरछाय । सातबारजिहिबारिकेअग्नि माँहिंदेडार । जरतादीखै अग्निमेंदेवरोगफिटकार ॥

ताम्र पत्र पर अक्षरबनें।

ताम्रपत्रजोलाइये उसपरलिखियेतात । तेजआब मँगवायकेजोहोमनकीबात । देकेकाहूसोंकहैधरौपरघर माहिँ । कामतुम्हारोहोयगो आठदिवसकेमाहिँ । दीप धूपअरुपुष्पले नित्यचढ़ाओताहि । मनमेंनिश्चयराखियो दिनव्यतीतहोजाहि । आठदिनानरजोहुवे अक्षरप्रगटै तात । वाकेमननिश्चयभयो हैसबसाँचीबात ॥

खेल तमाशा।

जोमदारियाहुक्का माटीजाबजारसेलावै । चूनाबड़ी भरावैतामें जहांआवनाआवै।रसनीबूकोकाढ़िकैकहींछुपा कैराखै । दृष्टिबचायसबनकोप्यारे हुक्कामेंतेहिनाखै। हुक्का

मेंजोभरियेरसको नथकेमारगभरिये।औरहारफूलोंकाले केहुक्का ऊपरधरिये। भरिकेचिलमधरे हुक्कापरकहेपीरजी पीया। गुड़गुड़बोलेहुक्कातबहींथरथरहोवेहीयो। देख तमाशाअचरजमानैंलोगसबैजिनदेखो। कहैंखिलारीहुक्का पीवैपीर मेरेतुमपेखो॥

खेल तमाशा।

ऐतवारयामंगलकेदिनकुत्ताकेदोदाँतकढाले। दाँयदांत बिल्लीकड़वाले दोनौंडायँजोकाले। चारोंमेंसिंदूरमँगाके प्यालाभीतरधरिये। प्यालापरसरपोशलगाकेएकओर कोरखिये। दोयदाँतबकराकेबहरूंभेंड़दाँतदोल्यावै। भेंड़ दाँतसिंदूरलगाके बासनमेंरखवावै। बक्रदाँतदूजेबासन मेंबंदकराकेराखै। दोनौंकोलेधरेजमीमेंउत्तरदक्षिणराखै। दोऊमध्यबासनवहधरियैजामेंचारहैंदांत। फिरफिरचम-ड़ाकीधूनीदेकरदेखतमाशातात। दोऊओरसेदोऊबासन दौड़दौड़टकरावैगा। औरबीचलाबासनउनकोबारम्बार हटावैगा॥

बीछू को जहर छुटै।

जिसकोकाटैबीछूआय। नौसादरचूनामिलवाय। ताहि सुंघावैबेगीलाय। तुर्तजहरवाकोमिटजाय॥

सर्पको जहर छुटै।

सर्पजिसेकाटेसोलाय। नीलाथोथापीससुंघाय॥

दीपकमेंपतंगनआवै।

प्याजटूकदीपकमेंधरै। तासोंरहैपतंगापरै॥

शीशाकोरसउड़ै।

शीशामेंरसननीबूभरे। पीरीकौड़ीकीभस्मीकरे।

सोभस्मीशीशामेंछाड़ै। अंगुष्ठसोंमुखवाकोमाँड़ै। शीशामेंसे रसउड़जावै। यहविद्यासबकेमनभावै॥

वस्त्रअग्निमेंनजलै॥

घीगुवाररसकाढ़िकैतामेंबस्त्रभिजोय। छायामेंसुखरायकै फिरवाहीमेंडबोय॥ सातबारभिजवायकै छायामें सुखराय। फेरअग्निमेंडारिये आंचनलागेताय॥

कूपमेंसेदूधकढ़ै॥

अरण्डकीमींगीपीसकै घड़ियामेंलिपवाय। फिरजल कूंवासोंभरेदूधजोनिकरैआय॥

पानीकादीपकजरे॥

श्वेतमोमअरुगंधकपीरी। दोउमंगायकरैततबीरी॥ मोमगलायगंधककोडालै। तिसमेंबातीबस्त्रडुबालै॥ दीप कजलभरबातीबारे। देखतमाशोभूलेंसारे॥

स्त्रीकपड़ेहोय॥

कागचोंचजोरबिदिनलावै। गूगलधूनीदेरखवावै॥ जबलकीरधरतीमेंपोवै। नांघैनारिजोकपड़ेहोवै॥ ताहि चोंचजोधोकेप्यावै। लोहीवहतोहीरुकजावै॥

अग्निसेमुखनजरे॥

नौसादरआकर्करामुखमेंलेइचबाइ। पानीसोंकुल्लाकरे फिरलेआगचबाय॥ जरेनहींमुखआगसों सीरीलागेआग। लागबिनानहिंहोइहैं इन्द्रजालकेस्वांग॥

सुनहरारंगहोय॥

रसनींबूऔरकहरुवा खरकेमूत्रघिसाय। बासनपर लेपहिकरैसुवरणसमहोजाय॥

शीशातरासकेफूलबनाना॥

बत्तीकरेकपासकी तोड़ाजैसाहोय। पैनीछुरीमँगाय कै कद्दूजोकीजैसोय॥ प्रथमछुरीसोंकीजिये शीशाऊपर चिन्ह। उनचिन्हनपरदमकरे वाबत्तीकोभिन्न॥ फिरअंगुरीसोंतोड़ियोशीशाकेसबटूक। यहिबिधिशीशाकेबनेफूल करेनाचूक॥

शीतज्वरदूरहोय॥

एकमक्खीकछुहींगुले आधीमिर्चलेगोल। इनकोजलमेंपीसकै आंखनआंजैजोल॥

चौथेदिनकोतपजाय॥

उल्लूकापगगूगलस्याह। लत्तामेंबातीबनवाय॥ घृतमें सानजरावेताय। काजलकरआंखनलगवाय॥ चौथेदिन जोआवैताप। सोहटजायसुखीहोयआप॥

इकतरोतापछटे॥

श्वेतधतूरारविदिनलाय। पहिलेदिनन्योतादेआय॥ नरकेदाँयेहाथमेंनारीकेबिपरीत। जोबाँधेतोइकतरोहटे यहीपरतीत॥

दुग्धजमे॥

तालमखानापीसकेदूधमाहिंमिलवाय। जामनबिन जमजायगो जबचाहैकरवाय॥

भोजनकरताहंसे॥

खरलोटनकीधूरलायरविदिनमंगलमाय। जिनकी थालीकेतलेधरेवेहँसिहँसिजाय॥

रात्रिमेंकहींजायभयनलागे॥

तस्मालावैचर्म्मकोजोलिरियाकीहोय। जोबाँधेनिज कमरमेंनिशिभयताहिनहोय॥

दोमुर्गालड़तेनहटैं॥

चकमकपत्थरपीसके लोहचूनकोपीस। दोमुर्गाकी आँखमें न्यारन्यारआंजीस॥ जोमुर्गादोनोंलड़ेकटकटयुद्ध करैं। हटैंनहींलड़बोकरैंजबलोंनन्यारकरैं॥

शराबकोनशोजाय॥

मूलीअरुलेफिटकरी पानीमेंघिसवाय। मदमातेको प्याइयेनशोतुरतमिटजाय॥

टूटीचीनीकोजोडबो॥

चूनासूखालायपिसावै। अरुअंडाकीधौलमिलावै॥ टूटीचीनीमांझलगावै। जुड़जावैपरधूपसुखावै॥

दर्पणमेंनिजसूरतकूकरकीसीदीखे॥

चूंचीकाटिकूकरीलेवै। कांचपीठपरताकोलेपै॥ जोदेखेमुखअपनोवामें। कूकरसोंमुखदीखेतामें॥

अग्निसोंहाथनजरे॥

मेड़कचरबीहाथसों मलकैअग्निउठाय॥

शीशामेंअंडाडालै॥

सिकोअंगूरीमँगवावै। तामेंअण्डाकोनखवावै॥ तीन दिनातरताहिनिकारै। सकड़ेमुखशीशामेंडारै॥ पवन लगेतबकर्राहोय। याहीविधिसोंकाढ़ेकोय॥

अण्डाकूदफांदे॥

एकटंकपाराभरैअण्डामेंकरिछेद। मोमलगाकेबंदकरेछेदनदोजैभेद॥ बारूधरकेधूपमें जबैगर्महोजाय। वापै अंडाजोधरेउछरेगरमीपाय॥

बिनाखूंटीकीखडाऊंपैचलै॥

घुघचीधौरीपीसकैजलमेंताहिलगाय। काष्ठखडाऊं परउसेपांयजमाकरजाय॥

हाथमेंधरीवस्तुनदीखे॥

मैनसलअरुहरतालकेमाखनमाहिंमिलाय। गोली उनकीसातकरि मोरपकरखिलवाय॥ सातदिनामेंमोर जोगोलीखावैसात। तदनन्तरलेबीठकोकीजैऐसीबात॥ घसिकेबीठजोकीजियेहाथनऊपरलेय। सोनारूपाहाथले देखसकेनहिंकोय॥

आवांकेबासनफूटैं॥

कौंचबीजमँगवावैकोई। कालेघोड़ेसुमुहूजोई॥ दुहुन मिलायआवांमेंडारै। बासनसबैटूटहैंवारै॥

वृक्षसूखैफलैफूलैनहीं॥

पारापानीमेंमिलाझूलरूखमेंडार। सूखजायवहरूख हैफलैनलावैबार॥

कागचिड़ीआदिकापकड़ना॥

चावलअथवालेचनेमालेगेहूंआय। आकदूधमेंतरकरै औरसुखावैताय॥ जहांपरदेहोघणेडारेझांलेजाय।जोखावै सुधिभूलिहैं पकड़लाइयेताय॥

कागपकड़नविधि॥

आकदूधसिंगरफतिलतेल। चावलअरुदहीतामेंमेल॥
सबकोकरएकत्रपकावै। कागखायबेसुधिहोजावै॥

दर्ददांतोंकादूरहोय॥

जो किसी मनुष्य के दांतों में दर्द होता हो तो मुंह धोने के समय सातबार मंत्र पढ़के कुल्ली करै अच्छा हो जायगा मंत्र यह है (हमइकसर तुमहोबत्तीस। हमरी तुम्हरीकौनसीरीस॥ हमकमांयतुमबैठेखावो। मरतीकी बिरियांसंगहीजावो॥

बवासीरजाय॥

इस मंत्रको तीन बार पढ़ कर आबदस्त लेवे परमेश्वर की कृपासे जल्दी आराम हो चाहे खूनी हो चाहै बादी दोनोंकोआरामहोय। मंत्र। खुराशानकी टेनीशाह खूनी बादी दोनों जायँ॥

शराबकापीनाछोड़ै॥

श्यामकागकापित्तालावै। तिहिशराबमेंधोयपिलावै॥
सोनरफेरशराबनपीवै। कोटियतनकरजबलगिजीवै॥

पक्षघातकाउपाय॥

दिवाली या होली को जिस किसी दिन ग्रहण पड़े उसदिन १०१ बार स्वच्छ होकेपढ़े और लोबान आग में डालता जाय तब सिद्धहोय जबकाम पड़े तब लकड़ी एक सेर और सींकै सात अंगुलकी नापके काटले और मंत्रको ७ सातबार पढ़ै और झाड़ै तौ दोनों चीजै बढ़

जायँगी और जब दूर होजायँगी तो बराबर रहैंगी॥ मंत्र॥ हं मन्दिर के किनारे सुरह गाय सुरहगायके पेट में बच्छा बच्छा के पेटमें कलेजा कलेजा के पेटमें डबडब कटे। उमर बढ़े दुहाई लोना चमारी की॥

पनहारीको घड़ाखालीहोयफिरभरिजाय॥

चोंचहंसकीलाइके जबदिनमंगलआइ। पनघटकेमा रगबिषेएकलकीरकढ़ाय॥ जोजावैतिहिलाँघिकेपनघट कीपनिहार। जलबिनखालीजानिकैमटुकाफेरनिहार॥ जबउहँसेउलटीफिरै घड़ाभरादृष्टिआइ। मूरखतानिज जानिकैफिरलंघनिकरिजाइ॥ जबआवैवहबारकोमटका खालीआइ। फिरजावेजबपारको भराहुवादृष्टिआइ॥

पनहारीकाघड़ाफूटै॥

अन्तमासका मंगलआवै जबयह यतनकरावै। जाकु-म्हारसे डोरालावै गूगरआनि धरावै। रात्रिसमय पग जलधरबैठे दक्षिणमुखहोजावै। गगनमांझदृष्टिको राखै अन्तभावनालावै। उसडोरामेंसातगांठदेजबजबताराटूटै। गूगरधूनीदेकरउसकोमनइच्छाफललूटै॥ वहरूंडोरालाइ जोनाखैमारगमेंपनघटकै। लाँघैतहींपनहारीकोघटफूटि जायबेखटके॥

भूतदीखे॥

गंधकमीठेतेलकोलेपारीमेंडार। भूतभयंकरदृष्टिमें आवैबारम्बार॥ तथा॥ चिनोटीरसआंखमेंआंजै। दीखैभूत

भयंकरसाजै ॥ तथा ॥ सुरमाराखैयोनिमेंएकदिवसरज माहिं । वाकोहोमैंअग्निमेंभूतदृष्टिमेंआहिं ॥

गर्भरहनिबिधि ॥

जिहिनारीकीइच्छाहोवैगर्भरहेसुखपावै । भगभीतर कारीबिल्लीकालोहूलेपकरावै ॥

इतिश्रीआदिबिद्याइन्द्रजालसमाप्ता ॥

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
ब्रह्मोत्तरखराड	अनेकार्थ	विक्रमविलास	गोकर्णमाहात्म्य
शुक्रनीति	छन्दोर्णवपिंगल	बैतालपच्चीसी	श्रीगोपालसह-
रसदृष्टि व रसचं	रसराज	सिंहासनबत्तीसी	स्रनाम
द्रोदय	सत्सई मूल	पद्मावतीखराड	कथासत्यनारायण
सुदामाचरित्र	सत्सई सटीक	शुकबहत्तरी	रासटीक
कृष्णगीतावली	सभाविलास	बकावलीसुमन	हनूनाटक
श्रीअनुरागरस	तुलसीशब्दार्थप्रका-	चहारदरवेश	हनुमानबाहुक
सौदागरलीला	प्रेमरत्न	क़िस्साहातमताई	जनकपच्चीसी
रासलीला	भजनावली	अपूर्व्वकथा	हरिहरसगुणानि-
नाटक	युगुलविलास	क़िस्सागुलसनोब	र्गुणापदावली
बोधचंद्रोदय	चित्रचंद्रिका	सहस्ररजनी व.	बनयात्रा
रामाभिषेक	बारहमासाबल-	राविन्सनकादु-	कायस्थवर्णनि-
आनन्दरघुनन्दन	देवप्रसाद	तिहास	र्णय
भ्रमजालनाटक	मनोहरलहरी	सीताहरण	बिहारवृन्दावन
वेदान्त	गंगालहरी	सतीविलास	समरबिहारवृंदाव-
योगवाशिष्ठ	यमुनालहरी	क़िस्सामर्दऔरत	कल्पभाष्य
आनन्दाऽमृतब-	जगद्विनोद	सांगीतप्रह्लाद	लक्ष्मीसरस्वती
र्षिणी	शृंगारबत्तीसी	सुतफ़कीत	सम्वाद
संन्यासतत्वकौमुदी	राग	ध्रुवनिश्चरकीकथा	दरसी
काव्य	रागप्रकाश	ज्ञानमाला	अक्षरावली
सूरसागर	लावनी	गोपीचन्दभरतरी	स्वयम्बोध
कृष्णसागर	किस्सावगैरह	कथाश्रीगंगाजी	ज्ञानचालीसी
विश्रामसागर	नानार्थमौसंग्रहा	अवधयात्रा	दोहावली
प्रेमसागर	वली	भरतरीगीत	वार्त्ताबोध
ब्रजविलासबड़ा	ब्रह्मसागर	दानलीलावनाग	विद्यार्थीकीग्रथ-
ब्रजविलासछोटा	शिवसिंहसरोज	लीला	मपुस्तक
कृष्णप्रिया	भक्तमाल	दोहावलीरत्नावली	किताबजंत्री
विजयमुक्तावली	इन्द्रसभा	रसायनप्रकाश	गणितकामधेनु

नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब	नामकिताब
लीलावती	संग्रहशिरोमणि	व्रतार्क	तथा २ भाग
पटवारियों की पु-	भगवद्गीतापंचरत्न	याज्ञवल्क्यस्मृति	तथा ३ भाग
स्तक ४ भाग	दुर्गापाठमूल	संस्कृतभाषा	द्वात्वरणित्र
वैद्यकभाषा	दुर्गापाठसटीक	टीका	नागरी कैथी
निघराट	विष्णुभागवत	अमरकोष तीनों	वर्णमाला कैथी
अमरविनोद	कथाचयसहितीया	काण्ड	१ भाग तथा २ भाग
वैद्यजीवन	अपराधभंजनस्तोत्र	याज्ञवल्क्यस्मृति	तथा कैथी फा-
औषधिसंग्रहक-	कायस्थकुलभा-	संध्यापद्धति	रसी नागरी
ल्पवल्ली	स्कर	व्रतार्क	हरूफ़ मुफ़रीत
अस्तसागरबड़ा	कायस्थधर्म्मनि-	भगवद्गीता टी-	अक्षरारम्भ
अस्तसागरछोटा	रूपण	काहरिवंशलाल	वर्णाष्टकाशिका
इलाजुलगुर्बा	तथा छोटा	भगवद्गीता टी-	१ भाग तथा २ भाग
वैद्यमनोत्सव	मथुरासभा	का आनन्दगिरि	सूरजपुरकीकहानी
दिलल्गन	ज्योतिष	गीतगोविन्द	धर्म्मसिंहका वृत्तान्त
ज्योतिषभाषा	मुहूर्त्तगणपति	कथासत्यनारा	शिक्षावली
जातकचंद्रिका	मुहूर्त्तचक्रदीपिका	यण	जो पुस्तकें छप
जातकालंकार	मुहूर्त्तचिंतामणि	परमार्थसार	रही हैं उनके ना
दैवज्ञाभरण	सटीक	पाराशरीसटीक	मनीचेलिखे हैं
ज्ञानरत्नोदय	मुहूर्त्तदीपक	श्रीघ्रबोधसटीक	मदनपारिजात
रमलसार	बृहज्जातकसटीक	लघुजातक	मार्कण्डेयपुराण
रमलरत्न	जातकालंकार	सदुपञ्चासिका	भाषाउर्दू टीका
संस्कृतकीपुस्तकें	जातकाभरण	सामुद्रिक	सहित
लघुकौमुदी	होरामकरन्द	गरुडपुराण	अयोध्याविंशतिका
सिद्धान्तचंद्रिका	मुहूर्त्तमार्त्तण्ड स-	रामविवाहोत्सव	अवतारसिद्धि
भाषातत्वप्रकाश	संस्कृतउर्दूटीका	सचित्रतालीम	आजकीपुस्तक
पञ्चमहायज्ञ	मनुस्मृति	कीपुस्तकें संस्कृत	रामायण तु. टी. सु-
निर्णयसिंधु	विष्णुहारीत	ऋजुपाठ १ भाग	न्दरदेवकृत
कर्म्मविपाक	महिम्नस्तोत्र		